फ़िल्म संगीत

(दूसरा भाग)

LIGHT MUSIC

PART II

※

सम्पादक-

प्रभूलाल गर्ग

※

प्रकाशक—

सङ्गीत कार्यालय

हाथरस—यू० पी०

मूल्य २) रु०

प्रथम संस्करण———————————दिसम्बर १६४०

प्रकाशक—
प्रभूलाल गर्ग
संगीत कार्यालय-हाथरस

पुस्तक मिलने के पते—
१—सङ्गीत कार्यालय-हाथरस।
२—गर्ग एन्ड कम्पनी-हाथरस।

ला० मदनलाल ख्यालीराम
के
अग्रवाल इलेक्ट्रिक मशीन प्रेस, हाथरस में
पं० हरप्रसाद शर्मा के प्रबन्ध से मुद्रित

उपहार

श्री० ______________________________

____

____

____

सादर समर्पित

____

भूमिका

सङ्गीत प्रेमियों से वार्तालाप करते समय यह प्रश्न बहुधा आ ही जाता है कि 'फिल्म सङ्गीत' (Light music) सर्व साधारण में क्यों इतना प्रभाव जमाये हुए है। 'सङ्गीत' की महफ़िल में आजकल उस गवैये की गुज़र नहीं, जिसे २-४ फिल्मी गाने भी न आते हों। रेडियो, ग्रामोफोन, सिनेमा जिधर देखिये 'लाइट म्यूज़िक' का बोल बाला है।

अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर इसका कारण क्या है ?

सङ्गीत का साहित्य से जो सम्बन्ध है उसे राग गायकी अर्थात् पक्की चीजों में विशेष स्थान प्राप्त नहीं होता। स्वर और तानों की प्रधानता होने के कारण केवल तानालाप और स्वरमाधुर्य के अलावा श्रोताओं को किसी विशेष भाव या आनन्द की प्राप्ति नहीं होती। हां! संगीत के मर्मज्ञ विद्वान उस गायकी से अवश्य प्रभावित होते हैं।

शास्त्रीय गाना ताल स्वर में पूरा बैठेगा, किन्तु शब्दों की (कविता की) उपेक्षा के कारण उसमें दिल नहीं होता। साधारण जनता कविता की भावानुकूल पंक्तियों का स्वर लहरी के साथ जो मधुर आस्वादन करती है, वह 'लाइट म्यूज़िक' में ही है। फिल्मी गाने पसन्द आने का एक खास कारण यह भी है कि उनमें शब्दों का चुनाव बोलचाल की प्रचलित भाषा में होता है, उसकी पुर असर कविता में मानव हृदय की कसक होती है। साथ ही गायक के गीत के अनुकूल वहां वातावरण भी बनाया जाता है, जो दर्शक पर 'संगीत' का भावपूर्ण प्रभाव डालकर, उसके दिल को मुग्ध बना लेता है। फिल्म के गाने दर्शक के कानों में कथानक की याद के साथ गूंजते रहते हैं और वह उनको अवकाश के समय गुन गुनाने के लिए विवश हो जाता है।

"कङ्गन" में लीला चिटनीस का गाना, "हवा तुम धीरे बहो" कथानक के भाव और फिल्म के दृश्य कालीन वातावरण के कारण ही इतना प्रसिद्ध हो गया। आप उस सीन की याद कीजियेः-प्रातःकाल की उषा कालीन निस्तब्ध बेला है, बिल्कुल शांत वातावरण है, राधा! वही 'राधा' जो बाबा अवध बिहारीदास के मठ में बचपन से पली है, जल भरने जारही है। 'राधा' को एक साधू की लड़की समझा जाता है, लेकिन उसका 'प्रेम' गांव के प्रधान जमींदार के एकमात्र पुत्र 'कमल' से हो गया है। 'राधा' की यह अनधिकार चेष्टा उसे दुनियां के सामने चोर बना रही है। तभी तो वह इतने झुटपुटे अंधकार में 'कमल' से मिलने जारही है। रास्ते में हवा के तीखे झोंके उसकी साड़ी को उड़ा रहे हैं, बेचारी को डर है कि कहीं इस आवाज को सुनकर गांव न जग जाय। वह हवा से प्रार्थना करती है, "हवा तुम धीरे बहो, मेरे आते होंगे चित चोर"!

यही विशेषता है 'फिल्म के संगीत में' और यही जादू है Light Music का। 'फिल्म संगीत' के प्रथम भाग को निकले अभी पूरा १ वर्ष भी नहीं हो पाया कि 'संगीत प्रेमियों' ने दूसरे भाग के लिये आर्डर्स भेजने शुरू कर दिये। उन्हीं अनुरागियों की मांग पूरी करने के लिये यह द्वितीय भाग उपस्थित किया जारहा है। इसमें सभी गाने दिलचस्प और जनता द्वारा पसन्द किये हुये हैं। कुछ ऐसी फिल्में जैसे 'ज़माना' 'डबलक्रास' या 'कपाल कुन्डला' जो मामूली होते हुए भी अपने दो एक गानों के लिये प्रसिद्ध हैं, वे गीत भी इसमें देदिये हैं।

फिल्म सङ्गीत प्रथम भाग की कोई स्वरलिपि इसमें नहीं है। केवल संगीत १६४० के अङ्कों से कुछ स्वरलिपियां ली गई हैं, जो अपनी लोकप्रियता के कारण काफी प्रसिद्ध और स्थान पाने योग्य हैं।

सरगमों से गायन निकाल लेने का साधारण सा अभ्यास भी जिसे है, वह इन गायनों को बड़ी सरलता से बाजे में निकाल सकता है। प्रत्येक गीत असली गाने की हूबहू तर्ज में है। फिर भी कोई त्रुटि रहगई हो तो सूचित करदें। ताकि आगामी संस्करण में सुधार दीजावें।

नये वर्ष में नये-नये फ़िल्म आप देखेगे ही। उनके सुन्दर सुन्दर गीत मय स्वरलिपि के "फिल्म संगीत" तीसरे भाग के द्वारा आपकी सेवा में शीघ्र ही पहुंचाये जांयगे।

कार्तिक पूर्णिमा
संवत् १६६७

विनीत—
"बन्सल"

धन्यवाद !

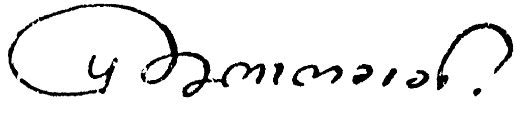
इस पुस्तक के लिये जिन संगीतज्ञ महानुभावों ने स्वरलिपियां तैयार की हैं। उनके नाम संक्षिप्त में स्वरलिपियों के नीचे दिये गये हैं, पूरे नाम इस प्रकार हैं:—

N. P. K. श्रीयुत पं० निरञ्जन प्रशाद "कौशल"

D. I. S. प्रोफेसर दोस्त मोहम्मद इब्राहीम सिन्धी

B. D. G. श्री० भगवानदत्त जी गोस्वामी

साथ ही उन फिल्म कम्पनियों के भी हम आभारी हैं, जिनके प्रसिद्ध गीत सङ्कलित करके इस पुस्तक में प्रकाशित किये गये हैं।



"फ़िल्म-संगीत" (दूसरा भाग) LIGHT MUSIC

चिन्ह परिचय

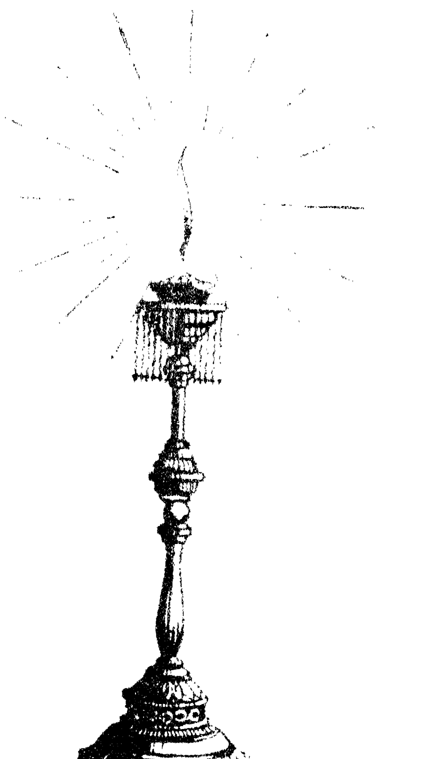
निम्नलिखित चिन्हों का प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है। प्रत्येक पाठक के लिये इनका ध्यान पूर्वक अवलोकन कर लेना अत्यन्त आवश्यक है।

ग	जिस स्वर पर कोई चिन्ह न हो, वह मध्य सप्तक का शुद्ध स्वर है।
ग̱	जिस स्वर के नीचे पड़ी रेखा हो, वह कोमल स्वर है।
म	कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह न होगा क्यों कि वह शुद्ध स्वर माना गया है।
म॑	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा। अन्य किसी भी तीव्र स्वर पर यह निशान न होगा क्यों कि मध्यम के सिवा सभी तीव्र स्वर शुद्ध माने गये हैं।
ध़	इस प्रकार नीचे बिंदी वाले स्वर मन्द्र सप्तक के हैं।
सं	ऊपर बिन्दी वाले स्वर उच्च (तार) सप्तक के हैं।
ग –	जिस स्वर के आगे ऐसी जितनी लकीरें हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये जैसे ग — — यहाँ पर गन्धार के आगे २ मात्रा ठहरना होगा, किन्तु कहीं पर ग-- इस प्रकार लकीरें सटी हुई आवें, वहां एक मात्रा काल में ही (गअअ) बजाकर पूरा करना होगा।
ऽ	जिन अक्षरों के आगे यह चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये, जैसे मे ऽ ऽ २ मात्रा बढ़ाकर 'मे' गाया जायगा, किंतु कहीं मेऽऽ इस प्रकार मिले हुए (सटे हुए) अक्षर हों तो वहाँ १ मात्रा में ही (मेअेअे) बोला जायगा।
मप मपध	इस प्रकार २ या ३ स्वर मिले हुए (सटे हुए) हों वे १ मात्रा के समय में ही बजाये जांयगे।
⁀	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर जहाँ आवे, वहाँ पर मीड़ देनी होगी।
× +	यह चिन्ह "सम" के हैं।
०	यह खाली ताल का चिन्ह है।
।	यह भरी ताल का चिन्ह है।
*	यह फूल जहां पर हो, वहां १ मात्रा काल के लिए चुप रहना होगा।

फ़िल्मसंगीत (दूसराभाग)

LIGHT MUSIC

PART II.



72 SONGS WITH NOTATIONS.

तुम बिन हमरी कौन ख़बर ले....!

" मिनर्वा मोवीटोन "
फ़िल्म " पुकार "

:: ताल कहरवा [दुगन] ::

गायिका
" शीला "

—गीत—

तुम बिन हमरी कौन ख़बर ले, गोवरधन गिरधारी ?
भक्त मीरा की विपता में बस, काम तुम्हीं तो आये थे।
शङ्कर जी की मुश्किल में, तुम कृपा बनकर छाये थे॥
मेरी भी तो आके सुनलो ! ओ जग के रखवाली ! तुम बिन०॥
उलझ गये थे जाके तुम ही, दुर्योधन के पापों से।
द्रोपदी की लाज बचाई, लम्पट काली हाथों से॥
मुझपर भी कृपा होजावे, अब है मेरी बारी॥ तुम बिन०॥

+				+				+				+			
र	ग̱	र	ग̱	स	र	न̣	स	–	र	म	म	प	प	पध	न̱
तु	म	वि	न	ह	म	री	ऽ	ऽ	कौ	न	ख़	ब	र	लेऽ	ऽ
–	ध	प	प	म	ग	र	स	र	प	प	–	❀	ध	प	म
ऽ	गो	ब	र	ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	❀	गो	ब	र
ग	ग	र	स	र	–	स	–								
ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ								

अन्तरा नं० १

प	–	प	प	धन	सं	सं	–	ध	धन	सं	रं	सं	–	ध	प
भ	ऽ	क्त	मी	राऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	विप	ता	ऽ	में	ऽ	ब	स

❀	ध	–	ध	रं	सं	–	ध	–	प	–	ध	प	–	–	–
✻	का	ऽ	म	तु	म्हीं	ऽ	तो	ऽ	आ	ऽ	ये	थे	ऽ	ऽ	ऽ
✻	प	प	प	म	–	रग	मप	–	म	र	स	ऩ	र	स	स
❀	शं	क	र	जी	ऽ	कीऽ	ऽऽ	ऽ	मुश	कि	ल	में	ऽ	तु	म
❀	गं	गं	–	रं	रं	सं	सं	–	न	–	रं	सं	–	–	–
✻	कृ	पा	ऽ	ब	न	क	र	ऽ	छा	ऽ	ये	थे	ऽ	ऽ	ऽ
✻	न॒	–	प	म	प	ग॒	–	❀	ग॒	म	प	र	र	स	–
❀	मे	ऽ	री	भी	ऽ	तो	ऽ	✻	आ	क	र	सु	न	ले	ऽ
र	–	म	म	प	–	ध	ध	ध	सं	सं	–	✻	ध	प	प
ओ	ऽ	ज	ग	के	ऽ	र	ख	वा	ऽ	ली	ऽ	❀	गो	व	र
म	ग	र	स	र	प	प	–	❀	ध	प	म	ग	ग	र	स
ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	❀	गो	ब	र	ध	न	गि	र
र	–	स	–												
धा	ऽ	री	ऽ												

———

कलियां बनतीं फूल...............!

सागर मोवीटोन फिल्म
" साधना "

:: ताल कहरवा ::

गायिका
" बिब्बो "

कलियां बनतीं फूल देखकर दुनियां जाती भूल।
फूल बनीतो हार में गुँथकर पिय को गले लगाती॥
हरी-भरी डालों पर कोई बिन खिले मुरझाती।
बनती पावों से पिच धूल-कलियां बनती फूल...... ॥

×				।				×				।			
म	प	प	–	म	ग॒	र	–	स	–	–	स	मप	धन॒	संरं	सं
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ल	❀	❀	❀	❀
म	म	प	–	म	ग॒	र	–	स	–	प	प	–	प	प	प
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ल	दे	ऽ	ख	क	र
म	प	ग॒	म	–	–	–	*	न॒	न॒	न॒	–	ध	–	प	–
दु	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	दु	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	ती	ऽ
म	–	प	म	–	ग॒	स	–	ग॒	म	प	–	–	–	–	*
भू	ऽ	ल	भू	ऽ	ल	हां	ऽ	क	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*
म	प	प	–	म	ग॒	र	–	स	–	–	स	मप	धन॒	संरं	सं
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ल	❀	❀	❀	❀
❀	सं	रं	रं	गं॒	–	रं	सं	*	ग॒	–ग॒	म	ग॒	र	स	स
❀	फू	ल	ब	नी	ऽ	तो	ऽ	❀	हा	ऽर	में	गुँ	थ	क	र

स	स	र	–	ग	म	–	म	पध	न	प	–	–	–	–	–
पि	य	को	ऽ	ग	ले	ऽ	ल	गाऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	सं	–	–	–	प	प	ध	ध	सं	–	❀	सं	–
ह	री	भ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	री	भ	री	ऽ	*	डा	ऽ
रं	गं	मं	मं	गं	–	सं	–	*	सं	सं	सं	न	–	प	म
लों	ऽ	प	र	को	ऽ	ई	ऽ	*	बि	न	खि	ले	ऽ	मु	र
म	प	प	ध	ध	न	प	–	न	न	न	–	ध	–	म	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ती	ऽ	पां	ऽ	वों	ऽ
प	–	न	न	सं	–	रं	–	न	न	न	–	ध	–	म	–
से	ऽ	पि	च	धू	ऽ	ऽ	ल	ब	न	ती	ऽ	पा	ऽ	वों	ऽ
प	–	न	न	सं	–	–	–	कलियां बनतीं फूल.................. !							
से	ऽ	पि	च	धू	ऽ	ऽ	ल								

सुनो सुनो मेरे भगवान........!

रणजीत फ़िल्म
'अछूत'

ताल कहरवा

गायिका
'वासन्ती'

सुनो सुनो मेरे भगवान। बनो मेरे मेहमान।
करके क़ैद तुम्हें मन्दिर में पहरा देत पुजारी।
तोड़ो सोने की जंजीरें, राधा ढूँढ़त बिचारी॥
आओ प्राणों के प्राण॥ सुनो सुनो.........॥
अँखियन में जमुना भर लाऊं, मन में गोकुल गांव बसाऊं।
आंगन में मधुवन को खिलाऊँ, कुंज कुंज में रास रचाऊं॥
मिल छेड़ें बंशी तान॥ सुनो सुनो..............................॥
पास तुम्हारे आने की है, हमको सख्त मनाई।
लेकिन तुम तो आ सकते हो, मेरे कृष्ण कन्हाई॥
दो दर्शन का दान॥ सुनो सुनो..................................॥

स्वरलिपि

ग म
सु नो

×				।				×				।			
प	प	–	ध	पम	ग	ग	म	प	–	प	ग	गम	पध	–	प
सु	नो	ऽ	मे	रेऽ	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे
ग	ऽ	स	स	ग	–	स	–	–	–	ग	म	प	प	–	ध
रे	ऽ	मे	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	सु	नो	सु	नो	ऽ	मे
पम	ग	ग	म	प	–	प	ग	गम	पध	–	प	ग	–	स	स
रेऽ	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	मे	ह
ग	–	स	–	–	–	*	*	स	स	ग	–	ग	–	ग	ग
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	❀	❀	क	र	के	ऽ	क़ै	ऽ	द	तु

म	–	म	–	म	म	म	–	ध	ध	म	–	धन	सं	सं	न
म्हैं	ऽ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ	प	ह	रा	ऽ	देऽ	ऽ	त	पु
सं	–	सं	–	–	–	ग	–	स	स	ग	–	ग	–	ग	ग
जा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	र	के	ऽ	क़ै	ऽ	द	तु
म	–	म	–	म	म	म	–	ध	ध	म	–	धन	सं	सं	न
म्हैं	ऽ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ	प	ह	रा	ऽ	देऽ	ऽ	त	पु
सं	–	सं	–	–	–	–	–	गं	–	गं	–	गं	–	गं	–
जा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ड़ो	ऽ	सो	ऽ	ने	ऽ
गं	मं	गं	–	रं	–	सं	–	गं	–	रं	सं	न	ध	प	म
की	ऽ	जं	ऽ	जी	ऽ	रें	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	ढुं	ढ़	त	बि
मप	ध	प	–	–	–	*	*	सं	गं	गं	रं	–	रं	सं	–
चाऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	आ	ऽ	वो	प्रा	ऽ	णों	के	ऽ
धन	संरं	संन	धप	मग	ग	ग	म	प	प	–	ध	पम	ग	ग	म
प्राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ण,	सु	नो	सु	नो	ऽ	मे	रेऽ	ऽ	भ	ग
गम	पध	गम	पध	प	–	प	ग	गम	पध	–	प	ग	–	स	स
वाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	मे	ह
ग	–	स	–	–	–	*	*	प	ध	प	प	प	ग	ग	म
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	❀	❀	अं	खि	य	न	में	ऽ	ज	मु

प	ध	न	ध	प	–	प	–	न	न	न	–	ध	–	म	म
ना	ऽ	भ	र	ला	ऽ	ऊं	ऽ	म	न	में	ऽ	गो	ऽ	कु	ल
प	ध	न	सं	ध	–	प	–	ध	सं	सं	सं	सं	–	न	न
गां	ऽ	व	ब	सा	ऽ	ऊँ	ऽ	आं	ऽ	ग	न	में	ऽ	म	धु
सं	रं	गं	गं	रं	–	सं	–	सं	–	न	सं	–	न	प	म
ब	न	को	खि	ला	ऽ	ऊं	ऽ	कुं	ऽ	ज	कुं	ऽ	ज	में	ऽ
प	ध	न	सं	ध	–	प	–	सं	–गं	गं	रं	रं	सं	सं	सं
रा	ऽ	स	र	चा	ऽ	ऊं	ऽ	मि	ऽल	छे	ऽ	ड़ें	ऽ	बं	सी
न	–	सं	–	–	–	–	–	सं	–न	न	ध	ध	प	प	प
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	मि	ऽल	छे	ऽ	ड़ें	ऽ	बं	सी
म	–	प	–	–	–,	ग	म								
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्,	सु	नो	सुनो मेरे भगवान्.................।							

अब ठेका बन्द कर के विलम्बित लय में गाइये।

स	–	स	र	ग	–	म	–	–	–	–	–	–	–	ग	–
पा	ऽ	स	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
म	–	गम	पध	–	–	प	म	ग	म	–	–	–	–	ग	म
ने	ऽ	कीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म

ध	–	–	–	–	–	म	–	ग	ग	र	–	–	–	–	–
को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	रूत	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	–	ध	–	–	–	र	–	स	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–	सं	सं	–	–	–	सं	सं	सं	–	–	–	–
ले	ऽ	ऽ	ऽ	कि	न्	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	न	सं	रं	–	–	–	–	–	–	सं	सं	ध	–	–
ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	क	ते	ऽ	ऽ
प	–	–	–	–	–	–	–	गं	–	गं	–	–	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	–	सं	न	रं	–	–	–	–	–	–	–	सं	नि	ध	–
कृ	ऽ	ष्ण	क	न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	–	–	–	सं	–	–	–	–	–	–	–	❀	*	*	❀
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	❀	*	❀

ठेका शुरू

रं	गं	गं	रं	सं	न	सं	–	न	ध	प	ध	प	-प	ग	म
दो	ऽ	द	र	श	न	का	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽन्	सु	नो

फागुन की ऋतु आई रे.........!

रणजीत मोवीटोन
फ़िल्म 'होली'

ताल कहरवा

गायक
'कान्तिलाल और सितारा'

फागुन की ऋतु आई रे ज़रा बाजे बांसुरी।
बाल मोहन हरजाई रे नहीं बाजे बांसुरी॥
सोने की गागर में रंग बनाया रूपे की पिचकारी लाई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥
जोबन पै जोबन है शोख़ी पै शोख़ी, नैनन में लाली आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥
मेरा संदेसा कोई उनसे कहना, फिर से तेरी याद आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥
मेरे हुये आज मैं जिनकी होली, होली के दिन होली आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥

—(:)—

×				।				×				।			
*	ग	ग	ग	ग	–	र	ग	र	ग	म	–	–	–	ऩ	ऩ
❀	फा	गु	न	की	ऽ	ऋ	तु	आ	ई	रे	ऽ	❀	❀	ज़	रा
स	र	–	र	स	ग	स	–	*	ग	ग	ग	ग	र	ग	ग
बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ	❀	बा	ल	मो	ह	न	ह	र
र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ	स	र	–	र	स	ग	स	–
जा	ई	रे	ऽ	*	*	न	हीं	बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ
*	ग	ग	म	प	–	पप	प	*	प	प	ध	ध	–	प	–
❀	सो	ने	की	गा	ऽ	गर	में	*	रं	ग	ब	ना	ऽ	या	ऽ

ग	ग	–	म	ग	ग	–	ग	र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ
रू	पे	ऽ	की	पिच	का	ऽ	री	ला	ई	रे	ऽ	❀	❀	ज़	रा
स	र	–	र	स	ग	स	–	❀	ग	ग	ग	ग	–	र	ग
बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ	❀	फा	गु	न	की	ऽ	ऋ	तु
र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ	स	र	–	र	स	ग	स	–
आ	ई	रे	ऽ	❀	❀	ज़	रा	बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ

शेष अन्तरे भी इसी प्रकार बजाइये ! 4-N.P.K.

गंगा के उस पार प्रीतम.... !

मिनर्वा मोवीटोन
फ़िल्म "मैं हारी"

:: ताल कहरवा ::

गायिका
"नसीम"

गङ्गा के उस पार, प्रीतम गङ्गा के उस पार।
कुछ न्यारी ही धरती होगी न्यारा ही आकाश।
न्यारा ही अँधियारा होगा न्यारा ही प्रकाश॥
कैसा वह संसार होगा देखें चल के पार॥ गङ्गा के......... ॥
कैसी कैसी बातें होंगी कैसे होंगे लोग।
क्या जानें क्या नज़में होंगी क्या क्या होंगे जोश।
देखें विष की बरषा होगी या रस की बौछार॥ गङ्गा के...... ॥

—( )—

×				।				×				।			
स	र	र	प	प	–	प	प	प	ध	प	ध	प	–	म	म
गं	ऽ	गा	ऽ	के	ऽ	उ	स	पा	ऽ	ऽ	र	प्री	ऽ	त	म

										स		स		स	
ग	–	ग	–	र	स	र	ग	र	–	र	–	र	–	र	–
गं	ऽ	गा	ऽ	के	ऽ	उ	स	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
म	म	गम	प	ग	–	र	–	*	र	ग	–	र	–	स	–
कु	छ	न्याऽ	ऽ	री	ऽ	ही	ऽ	*	धर	ती	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
												म		म	
*	स	र	–	म	–	म	–	प	–	–	–	प	–	प	–
*	न्या	रा	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
*	ध	ध	रं	सं	–	सं	सं	*	न	न	–	ध	पधन	प	–
*	न्या	रा	ऽ	ही	ऽ	अँ	धि	*	या	रा	ऽ	हो	ऽऽऽ	गा	ऽ
										म		म		म	
*	ध	–	न	ध	प	ध	प	प	–	प	–	प	–	प	–
*	न्या	ऽ	रा	ही	ऽ	प	र	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
*	ध	–	ध	ध	–	प	–	प	–	–	म	मग	र	स	–
*	कै	ऽ	सा	यो	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	र	होऽ	ऽ	गा	ऽ
*	ग	–	म	प	प	ध	म	प	–	–	प	धध	पम	गम	प
*	दे	ऽ	खें	च	ल	के	ऽ	पा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*

गङ्गा के उस.. ।

*	प	–	प	म	ग	म	–	*	प	ध	–	न	ध	प	–
*	कै	ऽ	सी	कै	ऽ	सी	ऽ	*	बा	तें	ऽ	हों	ऽ	गी	ऽ

*	न	–	न	ध	प	प	ध	सं	–	–	–	–	–	–	–
*	कै	ऽ	से	हों	ऽ	गे	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग
*	रं	–	रं	संरं	गं	सं	–	*	न	न	न	पध	न	प	–
*	क्या	ऽ	जा	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ	*	न	ज़	में	हों	ऽ	गी	ऽ
*	ध	–	ध	न	प	ध	प	प	–	–	–	पध	नसं	रंसं	रं
*	क्या	ऽ	क्या	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	श
*	ध	–	ध	न	प	ध	प	प	–	–	–	–	–	–	–
*	क्या	ऽ	क्या	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
*	ध	ध	रं	सं	सं	सं	–	❀	न	न	–	ध	–	प	–
*	दे	खें	ऽ	वि	ष	की	ऽ	❀	व	र्षा	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	ध	ध	ध	न	प	ध	म	प	–	–	–	ग	म	प	–
*	या	र	स	की	ऽ	बो	ऽ	छा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀
*	ध	ध	ध	न	प	ध	म	प	–	–	–	पध	पम	गर	स
*	या	र	स	की	ऽ	बौ	ऽ	छा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀

डोले हृदय की नैया..........!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म 'विद्यापती' :: तीनताल (मध्यलय) :: गायिका 'काननबाला'

डोले हृदय की नैया।
पग धरत डरत है खिवैया, डरत है खिवैया ॥ डोले......॥
तूफ़ान उठा है भारी, नैनन से नीर है जारी।
सुधि लेत न पीर हरैया, डरत है खिवैया ॥ डोले......॥

—*—

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

×				२				०				३			
गम	गर	स	प	गम	गर	स	प	गम	गर	स	प	*	स	र	ग
ग	–	–	ग	ग	–	–	ग	गम	–	–	ग	र	–	–	र
र	–	–	र	र	–	–	स	रग	रग	–	र	स	–	सरग	गपसं
*	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	र	र	–	र
*	प़ध़	सर	र	*	प़ध़	सर	र	*	प़ध़	सर	ग	ग	स	–	ध़
*	स	र	ग	ग	–	–	ग	ग	–	–	ग	ग	ध	–	प
मग	र	–	र	र	–	–	र	र	–	–	स	रग	रग	–	र
*	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	र	र	–	र
*	प़ध़	सर	र	*	प़ध़	सर	र	*	प़ध़	सर	ग	ग	स	–	ध़
प़	–	–													

(गाना शुरू) खाली से

०				३				+				२			
र	–	–	–	–	–	ऩ	स	र	–	–	–	–	–	ऩ	स
हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ

र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	ऩ	स
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	ग॑	म॑
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	प	ग
म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	प	ध	प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ
ध	र	त	इ	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	इ	र	त	है	खि
स	र	र	–	–	–	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	प	ध
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	प	ग	ध	र	त	इ	र	त	है	खि
प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	ऩ	स
वै	ऽ	या	इ	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	–	–	–	म॑	प	ग	प	म॑	ग	र	–	ऩ	स
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	गप	धऩ
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

बैक ग्राउंड म्यूज़िक

स	संसं	संसं	संसं	सं	–पधन		सं	रं	रंरं	रंरं	रंरं	रं	–	–	–

ध	-	सं	-	रं	-	मं	-	धं	-	-	-				प
															तू
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	नसं	सं	-	-	-	-	-
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	न	-	-	-	-	-	प	सं	न	ध	-	-	-	प
भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	नसं	न	धन	ध	-	-	पध
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	नै
-	प	प	प	मप	मप	मप	-	ग	-	-	मग	र	-	-	प
ऽ	न	न	से	नी	र	है	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	तु
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	मसं	न	धन	ध	-	म	म
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	सु	ध
-	म	म	म	*	प	प	ध	प	ध	म	ग	र	र	स	न
ऽ	ले	त	न	*	पी	र	ह	रै	ऽ	या	ड	र	त	है	खि
स	र	र	-	-	-	म	म	म	म	म	-	प	-	प	ध
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ध	ले	त	न	ऽ	पी	ऽ	र	ह

प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ	स	र	र	–	रम	गर	सऩ	स
रै	ऽ	या	ङ	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	ऽ	हां	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	–	–	–	म॑	प	ग	प	म॑	ग	र	–	ग	म
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
ग	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	–	–
ले	ऽ	ऽ	बृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

6-D.I.S.

फूल सी मेरी खिलती जवानी..............!

हंस पिक्चर्स फिल्म "घरकी रानी" :: ताल कहरवा :: शब्दकार "पं० इन्द्र"

फूलसी मेरी खिलती जवानी,
मस्त जवानी मैं तो रात की रानी।
रात पड़े मस्तानी रे..............मेरी खिलती जवानी॥
सांझ पड़े मैं बाग खिलाऊं।
भोर को उतरे पानी रे............मेरी खिलती जवानी॥
माली तू जाने नहीं, हमरे मनकी पीर।
नाम हमारा फूल है, कांटा भयो शरीर॥
भंवरा करे मन मानी रे.........मेरी खिलती जवानी॥
पूनम की रतियां, आना संवरिया,
नाम दिवानी मेरी जात दिवानी।
चंदन चौक निशानी रे............मेरी खिलती जवानी॥

—❀—

+				।				+				।			
❀	र॒	-	र॒	र॒	-	स	र॒	ऩ	स	-	ध़	ध़ऩ	सर॒	स	-
*	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ
❀	ग॒	-	र॒	र॒	-	स	र॒	ऩ	स	-	ध़	ध़नि़	सर॒	स	-
*	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ
❀	म	-	म	म	-	र॒	स	*	म	-	म	र॒	-	स	र॒
❀	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	हां	ऽ	*	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री
ऩ	स	-	ध़	ध़ऩ	सर॒	स	-	ग॒	ग॒	-	र॒	र॒	-	स	र॒
खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री
ऩ	स	-	ध़	ध़ऩ	सर॒	स	-	*	स	स	र॒	ग	ग	म	म
खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	*	म	स्त	ज	वा	नी	मैं	तो
*	म॑	म॑	म॑	ग	-	म	-	*	म	म	म	म	-	र॒	म
*	रा	त	की	रा	ऽ	नी	ऽ	*	रा	त	प	ड़े	ऽ	म	ऽ
र॒	ग	-	र॒	स	सर॒	गर॒	गम	-	म	म	म	म	-	र॒	स
ऽ	स्ता	ऽ	नी	रे	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	रा	त	प	ड़े	ऽ	म	ऽ
र॒	ग	-	र॒	स	-	स	र॒	ऩ	स	-	ध़	ध़ऩ	सर॒	स	-
ऽ	स्ता	ऽ	नी	रे	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ

फूलसी..!

+				|				+				|			
❀	स	स	र	ग	–	म	–	मप	ध	प	ध	म	प	ग	म
❀	सां	ज	प	ड़े	ऽ	मैं	ऽ	बाऽ	ऽ	ग	खि	ला	ऽ	ऊं	ऽ
❀	ध	–ध	ध	प	प	म	–	❀	सर	ग	र	स	–	सर	मप
❀	भो	ऽर	को	उ	त	रे	ऽ	❀	पाऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	हांऽ	ऽऽ
ध	ध	ध	ध	प	प	म	–	❀	सर	ग	र	स	–	स	र
ऽ	भो	र	को	उ	त	रे	ऽ	❀	पाऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	मे	री
न	स	–	ध	धन	सर	स	–								
खि	ल्ली	ऽ	ज	बाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	फूलसी.........................!							

ठेका बन्द

सर	गम	रस	रग	मप	ध	–	–	–	–	–	–	ध	–	ध	–
हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ
ध	–	–	–	–	–	प	–	–	पध	पध	मप	मप	ध	ध	प
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	नेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	न	हीं
–	–	–	–	पम	प	–	–	–	–	ध	ध	धप	मग	मग	रेस
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

-	-	-	-	स	र	सर	गम	प	गम	पग	मप	गम	पध	प	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	कीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	पी	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	स	र	म	प	ध	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀	*	❀	❀	❀	*	❀	*
ध	-	-	-	ध	ध	ध	-	-	-	पध	न	-	-	ध	-
ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ
-	-	प	-	-	-	प	धप	मग	म	-	-	-	-	-	ग
ऽ	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ऽ	ल	हैऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कां
-	-	-	ग	-	-	-	ग	म	-	-	-	गम	गम	पध	-
ऽ	ऽ	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	भ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
प	म	-	-	-	-	-	-	-	-						
श	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र						

ठेका शुरू

×				।				×				।			
*	धध	ध	ध	प	-	म	म	❀	सर	ग	र	स	-	सर	मप
❀	भंव	रा	क	रे	ऽ	म	न	❀	माऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	हाँऽ	ऽऽ
ध	धध	ध	ध	प	-	म	म	❀	सर	ग	र	स	-	स	र
ऽ	भंव	रा	क	रे	ऽ	म	न	*	माऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	मे	री

न स - ध	धन सर स -	फूलसी..........................!	
खि ल्ती ऽ ज	वाऽ ऽऽ नी ऽ		
❀ धध ध ध	प ध म -	* स स र	ग ग म -
* पून म की	र ति यां ऽ	* आ ना सं	व रि या ऽ
पम ध - -	धप मग पम ग	मप मग रम गर	स - - -
हांऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
सर गम रग मप	गम पध पग म	❀ धध ध ध	प ध म -
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	* पून म की	र ति यां ऽ
* स स र	ग ग म -	❀ ध ध ध	ध ध प म
* आ ना सं	व रि या ऽ	❀ ना म दि	वा नी मे री
मपध मपध नन ध	प - म -	* ध ध ध	प - म म
जाऽऽ ऽऽऽ ऽत दि	वा ऽ नी ऽ	❀ चं द न	चौ ऽ क नि
* सर सरग र	स - स ध	ध ध ध ध	प - म म
❀ शाऽ ऽऽऽ नी	रे ऽ हां ऽ	ऽ चं द न	चौ ऽ क नि
* सर सरग र	स - स र	न स - ध	धन सर स -
* शाऽ ऽऽऽ नी	रे ऽ मे री	खि ल्ती ऽ ज	वाऽ ऽऽ नी ऽ

फलसी..!

माई री मैं गिरधर के घर जाऊँ!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	ताल	गायिका
"आज़ाद"	धुमाली	"हंसा"

माई री मैं गिरधर के घर जाऊँ।
जो पहरावे सोई पहरूँ, जो दे सोई खाऊँ।
जित बैठावे तित ही बैठूँ, बेचे तो बिक जाऊँ॥ माई री……॥
मेरी उनकी प्रीत पुरानी, उन बिन पल न बिताऊँ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, बार बार बलिजाऊँ॥ माई री……॥

—*—

×				×				×				×			
र	ग	म	प	-	पप	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	-
मा	ई	री	मैं	ऽ	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ
र	म	प	सं	-	धध	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	-
मा	ई	री	मैं	ऽ	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ
रग	र	र	र	र	म	म	-	म	प	प	-	ध	म	प	-
जोऽ	ऽ	प	ह	रा	ऽ	वे	ऽ	सो	ऽ	ई	ऽ	प	ह	रूँ	ऽ
*	ध	ध	न̱	ध	-	प	-	मप	ध	पध	न̱	ध	-	प	-
*	जो	दे	ऽ	सो	ऽ	ई	ऽ	खाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	-	ध	-	ध͡	प	*	ध	ध	सं	न	-	ध	प
जि	त	बै	ऽ	ठा	ऽ	वे	ऽ	*	ति	त	ही	बै	ऽ	ठूँ	ऽ

*	प	ध	म	म	प	प	–	पध	धसं	संसं	नसं	नसं	धन	पध	मप
*	जि	त	वै	ठा	ऽ	वे	ऽ	❀	*	*	*	❀	*	*	*

❀	प	ध	म	म	प	प	–	*	ध	ध	सं	न	–	ध	–
*	जि	त	वै	ठा	ऽ	वे	ऽ	*	ति	त	ही	वै	ऽ	ठूँ	ऽ

*	प	ध	म	म	ग	र	स	सर	ग	रग	म	प	–	–	–
*	वे	ऽ	चे	तो	ऽ	बि	क	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

माई री मैं.......................................

स	–	ग	–	ग	ग	म	ग	❀	म	म	म	म	–	प	–
मे	ऽ	री	ऽ	उ	न	की	ऽ	*	प्री	त	पु	रा	ऽ	नी	ऽ

प	प	प	न	ध	ध	प	प	म	–	प	–	म	–	ग	–
उ	न	वि	न	प	ल	न	वि	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

प	–	प	न	न	–	न	न	*	संसं	सं	सं	नध	न	प	प
मी	ऽ	रा	ऽ	के	ऽ	प्र	भु	*	गिर	ध	र	नाऽ	ऽ	ग	र

प	म	प	पम	प	मग	रस	स	सर	ग	रग	म	प	–	–	–
बा	ऽ	र	बाऽ	ऽ	रऽ	वऽ	लि	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

❀	पप	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	-	र	म	प	सं
❀	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	मा	ई	री	मैं

गिरधर के.......................................

बन्दे नाव का लंगर छोड़.... !

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	ताल	गायक
"कंगन"	कहरवा	"अरुण"

वन्दे नाव का लंगर छोड़ ।
उमड़ी तेरी नैन की नदिया, नाव का लंगर छोड़ । वंदे.........।
ना कोई तेरा संगी साथी, फिर भी बलती जीवन बाती,
चलना हो तो चल रे इकले, मिलजाये तो उससे मिलले ।
जिसने तुझसे घर छुड़वाया, घर को तेरे तोड़ ॥
वंदे नाव का लंगर......................॥

×				।				×				।			
प	–	सं	–	–	–	–	–	प	म	ग	र	ग	–	–	–
वं	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	–प	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	ग	–	–	–	–
*	ना	ऽव	का	लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
*	स	–स	स	ग	–	ग	म	प	न	न	न	सं	–	सं	–
*	ना	ऽव	का	लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ड़	वं	ऽ	दे	ऽ
*	सं	–सं	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	–	–	–	–	–
*	ना	ऽव	का	लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
स	स	स	–	ग	–	ग	–	* म	म	म		प	प	प	–
उ	म	ड़ी	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ	* नै	न	की		न	दि	या	ऽ

❀ न	-न	म	सं	-	सं	रं	न	सं	-	-	-	-	प	-	
* ना	ऽघ	का	लं	-	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़	
* न	-न	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	-	-	-	-	-	
❀ ना	ऽव	का	लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़	
स	-	स	म	म	-	म	-	* म	प	प	प	-	प	-	
ना	ऽ	को	ई	ते	ऽ	रा	ऽ	* सं	ऽ	गी	सा	ऽ	थी	ऽ	
प	प	ध	-	ध	ध	ध	-	प	ध	ध	न	ध	-	प	-
फि	र	भी	ऽ	ब	ल	ती	ऽ	जी	ऽ	व	न	बा	ऽ	ती	ऽ
म	प	-	-	-	-	-	-	❀ प	ध	ध	ध	-	ध	प	
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	* च	ल	ना	हो	ऽ	तो	ऽ	
* ध	सं	सं	न	न	ध	प	प	ध	ध	-	ध	-	ध	प	
❀ च	ल	रे	इ	क	ले	ऽ	च	ल	ना	ऽ	हो	ऽ	तो	ऽ	
* ध	सं	सं	न	न	ध	प	प	प	ध	-	सं	-	सं	-	
* च	ल	रे	इ	क	ले	ऽ	मि	ल	जा	ऽ	ये	ऽ	तो	ऽ	
सं	सं	सं	रं	रं	रं	सं	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उ	स	से	ऽ	मि	ल	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	ध	सं	सं	सं	सं	–	न	न	न	सं	न	–	ध	–
जि	स	ने	ऽ	तु	झ	से	ऽ	घ	र	छु	ड़	वा	ऽ	या	ऽ
प	प	ध	रं	रं	मं	सं	–	न	न	न	सं	न	–	ध	–
जि	स	ने	ऽ	तु	झ	से	ऽ	घ	र	छु	ड़	वा	ऽ	या	ऽ
* ध	ध	न	ध	–	प	म	म	प	–	–	–	–	–	–	स
* घ	र	को	ते	ऽ	रे	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़

बंदे नाव का लंगर .... ।

9-N.P.K.

तू राम भजन कर प्राणी........!

रणजीत फिल्म "सन्त तुलसीदास" | ताल कहरवा | गायक विश्नूपन्त पगनीस, वासंती, राम मराठे

तू राम भजन कर प्राणी, तेरी दो दिन की जिंदगानी ।
काया, माया बादल छाया, मूरख मन काहे भरमाया ।
उड़ जायेगा सांस का पंछी, फिर क्या आनी जानी ॥ तू राम० ॥
जिनके घर में मां नहीं, बाबा करें ना प्यार ।
ऐसे दीन अनाथों का, राम नाम आधार ॥
मुख बोल राम की बानी, मनुवा बोल राम की बानी ॥ तू राम० ॥
सजन सनेही सुख के सङ्गी, दुनियां की है चाल दुरङ्गी ।
नाच रहा है काल शीश पर, चेत चेत अभिमानी ॥ तू राम० ॥
जिसने राम नाम गुन गाया, उसको लगे न दुख की छाया ।
निर्धन का धन राम नाम है, मैं हूं राम दिवानी ॥ तू राम० ॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														प	ध
														तू	ऽ
ग	प	म	म	ग	स	ग	म	प	-	प	-	-	-	प	ध
रा	ऽ	म	भ	ज	न	क	र	प्रा	ऽ	णी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ
ग	प	म	म	ग	स	ग	म	प	ध	न	सं	न	ध	ग	म
रा	ऽ	म	भ	ज	न	क	र	प्रा	ऽ	ऽ	ऽ	णी	ऽ	ते	री
प	ध	न	सं	न	ध	-	प	ग	म	गम	पध	प	-	प	ध
दो	ऽ	दि	न	की	ज़ि	ऽ	द	गा	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी…………………।

❀	प	-	प	ध	धन	सं	-	सं	-	सं	न	ध	न	प	-
*	का	ऽ	या	मा	याऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	द	ल	छा	ऽ	या	ऽ
*	न	न	न	न	सं	रं	-	सं	-	न	सं	सं	-	सं	-
❀	मू	र	ख	म	न	का	ऽ	हे	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ
सं	सं	सं	-	सं	-	सं	-	❀	सं	सं	सं	सं	-	सं	-
उ	ड़	जा	ऽ	ये	ऽ	गा	ऽ	❀	सां	स	का	पं	ऽ	छी	ऽ
न	सं	रं	-	-	सं	-	न	ध	न	प	-	-	-	प	ध
फि	र	क्या	ऽ	ऽ	आ	ऽ	नी	जा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी…………।

र	ग	ग	प	प	ध	म	प	म	ग	–	ग	र	–	–	–
जि	न	के	ऽ	घ	र	में	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	प	प	ध	म	–	प	–	–	–	–	–	–	प
बा	ऽ	वा	क	रे	ऽ	ना	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	–	ध	–	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	ध	–	–	–
ऐ	ऽ	से	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ना	ऽ	थों	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	प	–	म	म	ग	र	–	–	–	–	–	–	र
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	–		ध	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	ध	–	–	–
ऐ	ऽ		से	दी	ऽ	न	अ	ना	ऽ	थों	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	प	–	म	म	ग	र	–	–	–	–	र	स	स
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	मु	ख
र	–	र	र	–	र	र	ग	म	प	प	–	प	ध	प	र
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	वा	ऽ
र	–	र	–	–	र	र	ग	म	प	प	–	प	ध	प	र
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	ऽ	वा

र	-	र	र	-	र	र	ग	म	प	प	-	प	ध	प	र
वो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	वा	ऽ
र	-	र	र	-	र	र	ग	म	प	प	-	-	-	प	ध
वो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी..............।

सं	रं	रं	रं	रं	-	रं	-	सं	रं	गं	मं	गं	-	रं	-
स	ज	न	स	ने	ऽ	ही	ऽ	सु	ख	के	ऽ	सं	ऽ	गी	ऽ
सं	सं	न	-	न	-	ध	प	प	ध	ध	न	सं	-	सं	-
दु	नि	यां	ऽ	की	ऽ	है	ऽ	चा	ऽ	ल	दु	रं	ऽ	गी	ऽ
सं	-	सं	सं	सं	-	सं	-	सं	-	सं	सं	-	सं	सं	सं
ना	ऽ	च	र	हा	ऽ	है	ऽ	का	ऽ	ल	शी	ऽ	श	प	र
न	-	न	न	-	न	न	सं	न	ध	प	-	-	-	-	-
चे	ऽ	त	चे	ऽ	त	अ	भि	मा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	-	सं	सं	सं	-	सं	-	सं	-	सं	सं	-	सं	सं	सं
ना	ऽ	च	र	हा	ऽ	है	ऽ	का	ऽ	ल	शी	ऽ	श	प	र
न	-	न	न	-	न	न	सं	न	ध	प	-	-	-	प	ध
चे	ऽ	त	चे	ऽ	त	अ	भि	मा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी....................॥

र	ग	ग	प	म	–	म	म	–	ग	ग	ग	र	–	र	–
जि	स	ने	ऽ	रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	गु	न	गा	ऽ	या	ऽ
र	ग	म	प	प	प	–	प	प	प	प	–	म	प	प	–
उ	स	को	ऽ	ल	गे	ऽ	न	दु	ख	की	ऽ	छा	ऽ	या	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	–	ध	ध	–
नि	ऽ	र्ध	न	का	ऽ	ध	न	रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	है	ऽ
प	ध	प	म	म	–	म	म	ग	–	र	–	–	–	–	–
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	म	प	प	–	म	म	प	ध	न	सं	न	ध	प	–
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ग	प	म	ग	र	ग	प	–	प	–	–	–	प	ध
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी.................................

आकर चला गया तूफान....!

न्यूथ्येटर्स		ताल		गायक
फिल्म "आंधी"	::	धुमाली	::	"के० सी० डे०

आकर चला गया तूफान, आकर चला गया तूफान ।
बरतन, बासन, गहना, पाता, कपड़ा रङ्गा रंग ।
नर नारी का नहीं ठिकाना, बेदर बेदर सामान ॥ आकर चला.........॥
मूरख बालक बैठा ताके, मुलर मुलर चहुंओर ।
मात पिता का नहीं ठिकाना, रो रो हो हलकान ॥ आकर चला.........॥
तूफान आते ही रहते हैं, नई नहीं यह बात ।
दुखही न हो तो फिर सुख कैसा, दुख ही को सुख जान ॥ आकर चला...
जिसको तू मिटना समझा है मिटना उसे न मान ।
गिरे तो घर माटी का टीला, बने तो फिर है मकान ॥ आकर चला......॥

+				।				+				।			
ध	ध	म	म	पध	नसं	न	सं	सं	–	–	–	धन	संन	ध	प
च	ला	ऽ	ग	याऽ	ऽऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	न्	आऽ	ऽऽ	क	र
*	प	म	ग	रग	म	–	र	स	–	–	–	–	स	*	*
*	च	ला	ग	याऽ	ऽ	ऽ	त	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
प	प	प	प	म	–	ग	ग	*	ग	गम	म	म	र	स	–
ब	र	त	न	बा	ऽ	स	न	*	गह	नाऽ	ऽ	ऽ	पा	ता	ऽ
*	ग	ग	–	र	न	न	–	ग	–	–	–	–	–	–	ग
*	कप	ड़ा	ऽ	ऽ	रं	गा	ऽ	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग

*	पप	प	-	प	-	प	-	प	मप	धन	ध	प	ध	मग	म
❀	नर	ना	ऽ	री	ऽ	का	ऽ	न	हींऽ	ऽऽ	ठि	का	ऽ	नाऽ	ऽ
प	पप	प	-	प	-	प	-	प	पध	न	ध	प	ध	म	-
ऽ	नर	ना	ऽ	री	ऽ	का	ऽ	न	हींऽ	ऽ	ठि	का	ऽ	ना	ऽ
स	र	ग	ग	ग	म	गम	प	म	-	-	म	ग	म	र	स
वि	द	र	वि	द	र	साऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न्	आ	ऽ	क	र
स	स	-	र	ग	-	र	-	स	-	-	-	-	स	❀	❀
च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	न्	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
म	-	ध	न	सं	-	सं	सं	सं	-	नसंरं	संरं	सं	-	सं	-
मू	ऽ	र	ख	बा	ऽ	ल	क	बै	ऽ	ठाऽऽ	ऽऽ	ता	ऽ	के	ऽ
रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	-	-	-	-	-	-	रं
मु	ल	र	मु	ल	र	च	हुं	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
सं	-	सं	सं	सं	रं	सं	-	ध	न	ध	न	पध	न	प	-
मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ	का	ऽ	न	हीं	ऽ	ठि	काऽ	ऽ	ना	ऽ
स	-	स	-	सर	गम	म	प	म	-	-	म	गप	मग	र	स
रो	ऽ	रो	ऽ	होऽ	ऽऽ	ह	ल	का	ऽ	ऽ	न्	आऽ	ऽऽ	क	र

स	स	-	र	ग	-	र	-	स	-	-	-	-	स	*	*
च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फ़ा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
ध	धन	मरं	गं	गं	गं	गं	गं	रं	रं	गं	-	नसं	रंगं	रंगं	-
तू	फाऽ	ऽऽ	ऽ	न्	आ	ते	हो	र	ह	ते	ऽ	हैंऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
-	-	-	-	-	-	❀	❀	सं	सं	-	मं	गं	-	सं	रं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	न	ई	ऽ	न	हीं	ऽ	ये	ऽ
सं	न	सं	-	-	-	-	सं	❀	न	न	न	ध	प	म	*
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	❀	दु	ख	हो	ना	हो	तो	*
प	प	प	प	पध	न	प	-	*	प	प	प	पम	ग	म	प
सु	ख	फि	र	कैऽ	ऽ	सा	ऽ	*	दु	ख	ही	कोऽ	ऽ	सु	ख
म	-	-	म	ग	म	र	स	स	स	-	र	ग	-	स	र
जा	ऽ	ऽ	न्	आ	ऽ	क	र	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ
स	-	-	-	-	स	*	*	❀	सं	सं	सं	ध	-	ध	न
फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*	❀	जि	स	को	तू	ऽ	मि	ट
न	-	सं	सं	नसं	रं	सं	-	न	न	न	सं	ध	न	धन	संरं
ना	ऽ	स	म	झाऽ	ऽ	है	ऽ	मि	ट	ना	उ	से	ऽ	ऽऽ	ऽऽ

संन	धप	प	–	प	–	–	प	सं	रें	–	मं	मं	मं	मं	–
ऽऽ	ऽऽ	ना	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न्	गि	रे	ऽ	तो	घ	र	मा	ऽ
मं	गमं	मं	मं	रें	–	सं	–	*	रें	रें	गं	रें	न	–	न
टी	काऽ	ऽ	ऽ	टी	ऽ	ला	ऽ	*	ब	ने	तो	फि	र	ऽ	म
नसं	रें	संरें	गं	रें	सं	–	रें	मं	–	सं	रें	सं	–	–	सं
काऽ	ऽ	ऽऽ	न्	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	न्
म	–	र	स	स	स	–	र	ग	–	स	र	स	–	–	–
आ	ऽ	क	र	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	स	ध	म	–	म	पध	नसं	न	–	सं	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	न्	च	ला	ऽ	ग	याऽ	ऽऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–								
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्								

11-N.P.K.

——❀——

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूँ....!

'सिरको' प्रोडक्शन — ताल — गायिका

फिल्म "लक्ष्मी" :: कहरवा :: "मिस बिब्बो"

रूंठ गये हो मोसे तुम क्यूं कैसे तुम्हें मनाऊँ ।
हृदय हिंडोले तुम्हें बिठा कर झूले नये झुलाऊं ॥
या मन की फुलवाड़ी में, प्रेम के फूल सुघाऊं ॥ रूंठ गये......॥
आंखों की पुतलियां सामने, तेरे आज बिछाऊं ।
सुख की सेज सजा के साजन, तुझ में घुल मिल जाऊं ॥ रूंठ गये......॥

+				।				+				।			
*	ग	ग	ग	र	स	रम	प	–	म	–	ग	र	स	नध़	प़
*	रूं	ठ	ग	ये	ऽ	होऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽ	से	तु	म	क्यूंऽ	ऽ
*	प़	–	स	–	र	स	र	प	–	प	प	मप	धप	मग	रस
❀	कै	ऽ	से	ऽ	तु	म्हें	म	ना	ऽ	ऊं	म	नाऽ	ऽऽ	ऊंऽ	ऽऽ
र	प	प	प	ग	–	म	प	–	प	ध	प	र	ग	स	स
ऽ	हृ	द	य	हिं	ऽ	डो	ले	ऽ	तु	म्हें	बि	ठा	ऽ	क	र
*	प	प	प	म	ग	म	प	–	प	ध	प	र	ग	स	स
*	हृ	द	य	हिं	ऽ	डो	ले	ऽ	तु	म्हें	बि	ठा	ऽ	क	र
*	र	ग	–	–	र	ग	र	र	प	प	–	–	–	–	–
*	भू	ले	ऽ	ऽ	न	ये	झु	ला	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	न	–	–	–	ध	म	र	–	म	प	ध	धन	पध	प	–
❀	या	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	की	ऽ	फु	ल	वा	ड़ीऽ	ऽऽ	में	ऽ

*	र	म	-	-	म	प	ध	न॒	ध	प	-	-	-	-	-
*	प्रेम	के	ऽ	ऽ	फू	ल	सुं	घा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूं………………।

*	प़	-	ध़	स	-	-	-	*	म	प	प	म	-	ग	ग
*	आं	ऽ	खों	की	ऽ	ऽ	ऽ	*	पु	त	लि	यां	ऽ	सा	म

ग	स	-	-	-	ऩ	-	प़	*	प़	-	ध़	स	-	-	-
ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	आं	ऽ	खों	की	ऽ	ऽ	ऽ

*	म	प	प	म	-	ग	ग	ग	स	-	-	-	-	-	-
*	पु	त	लि	यां	ऽ	सा	म	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	र	म	-	-	ध	ध	न॒	न॒	ध	प	-	-	-	-	-
*	ने	रे	ऽ	ऽ	आ	ज	वि	छा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	न	न	न	न	-	सं	-	-	न॒	ध	म	प	न॒	ध	प
*	सु	ख	की	से	ऽ	ज	ऽ	ऽ	स	जा	के	सा	ऽ	ज	न

न	न	न	न	न	-	सं	-	-	न॒	ध	म	प	न॒	ध	प
ऽ	सु	ख	की	से	ऽ	ज	ऽ	ऽ	स	जा	के	सा	ऽ	ज	न

*	रर	म	-	-	धध	ध	न॒	न॒	ध	प	-	-	-	-	-
*	तुझ	में	ऽ	ऽ	घुल	मि	ल	जा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूं…………………………।

प्रेम योग अब करना योगी !

फिल्म	ताल	गायक
"साधना"	कहरवा	प्रेम आदीब

प्रेम योग अब करना योगी !

सब कुछ सहना कुछ मत कहना,

अंखियन तुम न छलकना योगी । प्रेम० ।

याद किया था अब तक जिसको ।

अब से याद न करना योगी । प्रेम० ।

स्थायी

+				।				+				।			
म															
ग	–	ग	गर	–	स	सन्	स	र	न्	स	–	न्स	रस	न्न्	ध्ध्
प्रे	ऽ	म	यो	ऽ	ग	अ	ब	क	र	ना	ऽ	योऽ	ऽऽ	गीऽ	ऽऽ
।															
म						स									
ग	–	ग	गर	–	स	न्	स	र	न्	स	–	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	यो	ऽ	ग	अ	ब	क	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
				म											
ग	म	न	प	ग	ग	गर	सर	स	र	न्	स	र	ग	र	–
स	ब	कु	छ	स	ह	नाऽ	ऽऽ	कु	छ	म	त	क	ह	ना	ऽ

अन्तरा

प					न									प	
म	प	न	न	न	सं	सं	सं	न	सं	नसंरं	संरं	नध	पध	म	–
अं	खि	य	न	तु	म	न	छ	ल	क	नाऽऽ	ऽऽ	योऽ	ऽऽ	गी	ऽ
					न										
म	प	न	न	न	सं	सं	सं	प	ध	पमगम	–	र	मग	स	–
अं	खि	य	न	तु	म	न	छ	ल	क	नाऽऽऽ	ऽ	यो	ऽ	गी	ऽ

ग र	म ग	म	प	म	प	धपमप	म	–	मप	सं न	न	न	सं	न	सं
या	ऽ	द्	कि	या	ऽ	था	ऽ	ऽ	अब	त	क	जि	स	को	ऽ
ध प	र्‌ ध	सं	–	रं	–	गं	रं	सं	गं	रं	–	रंरं	रंरं	न	प
अ	ब	से	ऽ	या	ऽ	द्	न	क	र	ना	ऽ	योऽ	ऽऽ	गी	ऽ
* प	ध ध	सं		रं	–	गं	रं	र्‌ सं	गं	रं	–	–	–	–	–
* अ	ब	से		या	ऽ	द्	न	क	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

13-G. KAPOOR.

सोजा राजकुमारी सोजा !

न्यूथियेटर्स फ़िल्म "ज़िन्दगी" | ताल कहरवा | गायक सहगल

सोजा ! सोजा !! राजकुमारी, सोजा मैं बलिहारी।
सोजा मीठे सुपने आयें, सुपनों में पी दरस दिखायें,
उड़कर रूप नगर में जायें, रूप नगर की सखियाँ आयें।
राजा जी माला पहनायें, चूमें मांग तिहारी, सोजा राजकुमारी।

(बैक ग्राउन्ड म्युज़िक)

सग – – – – – – – – र स प़ – – – – – – – – –

प़ ऩ र – – – – – – – – म – ग र स – – – – – – –

ध़ ऩ ध़ऩ ध़प़ – – – – – – – – ध़ ऩ ध़ स – – – – – – – –

सो ऽ जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ सो ऽ जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ

ग – – म प – – प – – म ग – – – न – – –

प ध न – – – – प ध न – – सं – रं गं न सं – – – ध़स –

अब गाना शुरू हुआ

ध़	ऩ̲
सो	ऽ

×				×				×				×			
ध़	प़	ध़	स	स	स	सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र	र	स
जा	ऽ	रा	ऽ	ज	कु	माऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ	जा	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	–	ध़	ऩ̲	प़	ध़	स	स	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु
सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र	र	स	–	–	–	–	–	–
मा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	र	म	म	म	–	म	म	म	ग	गम	प	–	गम	गर	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ब	लि	हा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	सोऽ	ऽऽ	जा
–	ध़	ऩ̲	प़	ध़	स	स	स	सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र
ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु	माऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ
र	स	–	–	–	–	–	–	ग	–	–	–	–	–	म	प
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(सिर्फ़ साज़)							
ग	–	–	–	–	–	र	स	ऩ	–	–	–	–	–	प़	ऩ

स	–	–	–	ग॒	–	–	–	–	र	ग॒	र	स	ऩ॒	ध़	ऩ॒
								ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	मी	ऽ	ठे
स	ऩ	स	–	ऩस	रग॒	र	–	–	–	–	–	–	–	–	–
सु	प	ने	ऽ	आऽ	ऽऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	स	ग	ग	ग	–	ग	–	ग	म	ग	म	पध	म	ग॒	–
ऽ	सु	प	ने	मैं	ऽ	पी	ऽ	द	र	श	दि	खाऽ	ऽ	यें	ऽ
र	रग॒	र	सर	स	ऩ॒	ध़	ऩ॒	स	ऩ	स	–	ऩस	रग॒	र	–
ऽ	सोऽ	ऽ	जा	ऽ	मी	ऽ	ठे	सु	प	ने	ऽ	आऽ	ऽऽ	यें	ऽ
–	ग	ग	ग	ग	–	ग	–	ग	म	ग	म	मग	रग	म	–
ऽ	सु	प	ने	मैं	ऽ	पी	ऽ	द	र	श	दि	खाऽ	ऽऽ	यें	ऽ
–	मग	र	र	म	–	म	म	प	प	पध	न॒	ध	प	प	–
ऽ	उड़	क	र	रू	ऽ	प	न	ग	र	मेंऽ	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ
–	–	–	–	–	–	म	ग	र	मग	र	र	म	–	म	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उड़	क	र	रू	ऽ	प	न
प	प	पध	न॒	ध	प	प	–	–	प	प	ध	सं	सं	सं	–
ग	र	मेंऽ	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	रू	प	न	ग	र	की	ऽ

सं	रं	रं	गं	रंगं	रं	सं	–	–	–	–	न	ध	प	ध	न
स	खि	यां	ऽ	आऽ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(टियून)	
सं	–	–	–	–	–	न	ध	प	–	–	–	–	–	ध	न
सं	–	–	–	–	–	न	ध	प	प	प	ध	सं	सं	सं	–
									रू	प	न	ग	र	की	ऽ
सं	रं	रं	गं	रंगं	रं	सं	–	–	धसं	–	सं	संन	–	न	ध
स	खि	यां	ऽ	आऽ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	राऽ	ऽ	जा	जीऽ	ऽ	मा	ऽ
प	ध	ध	न	ध	प	प	म	–	न	–	न	ध	–	प	–
ला	ऽ	प	हि	ना	ऽ	यें	ऽ	ऽ	चू	में	ऽ	मां	ऽ	ग	ति
म	–	ग	–	रग	र	स	–	–	ध़	ऩ	प़	ध़	स	स	स
हा	ऽ	री	ऽ	सोऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु
सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र	र	स	–	–	–	–	–	–
मा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	ध़	ऩ	प़	ध़	स	स	स	सर	स	सर	म	–	–	–	–
ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु	माऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	गर	सर	ग	ग	स	–	–	–	–	–	–				
ऽ	ऽऽ	सोऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ				

❀

मैं बंसी बनूं बंसीधर की....!

रणजीत फिल्म "अछूत" | ताल कहरवा | गायक कान्तीलाल सितारा व पार्टी

मैं बंसी बनूं बंसीधर की, तुम राधा बनो नट नागर की। मैं...... ।
तुम कृष्ण बनो मैं राधा बनूं, लेके डगरिया फिरूं नगरिया।
किस की डगरिया मिले संवरिया, वह चोरी करे मेरे माखन की,
मैं चोरी करूं उनके मन की, मैं बंसी........................ ।
जब होवे आधी रात सखी, हरि आके चुपके चुपके से,
कुछ कहे मज़े की बात सखी, जो मैं माखन पा जाता,
न तुमको चखाता, न माखन लुटाता, न बातें बनाता सखीरी,
नाचे श्री नंदलाल नाचे, नाचे राधा ग्वाला नाचे,
नाचे नाचे नाचे राधा, नाचे राधा ग्वाला नाचे,
ताक थैया के ताक ताक थैया के ताक ताक थैया के,
ताक ताक थै ताक थै ताक थै। नाचे श्री नंदलाल........ ।

स	र
मैं	ऽ

+				×				+				+			
ध़	-	स	र	ग	-	म	म	र	ग	स	-	-	-	म	प
बं	ऽ	सी	ब	नूं	ऽ	बं	सी	ध	र	की	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म
प	ध	-	ध	प	-	-	-	म	प	-	-	-	-	म	प
रा	धा	ऽ	ब	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म
प	ध	-	ध	प	-	म	प	ग	म	र	ग	स	-	प	ध
रा	धो	ऽ	ब	नो	ऽ	न	ट	ना	ऽ	ग	र	की	ऽ	तु	म
न	न	-	सं	सं	-	सं	-	न	न	-	ध	प	-	प	ध
कृ	ष्ण	ऽ	ब	नो	ऽ	मैं	ऽ	रा	धा	ऽ	ब	नूं	ऽ	तु	म

सं	रं	–	रं	सं	–	सं	–	न	न	–	ध	प	–	–	–
कृ	ष्ण	ऽ	ब	नो	ऽ	मैं	ऽ	रा	धा	ऽ	ब	नूं	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	न	ध	प	म	ग	र	स	र	–	र	र	ग	र	ग
*	*	*	*	❀	❀	*	❀	ले	के	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
म	प	–	ध	म	प	र	ग	सं	रं	–	रं	रं	रं	रं	–
फि	रूँ	ऽ	न	ग	रि	या	ऽ	किस	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
सं	रं	–	गं	सं	रं	सं	–	सं	रं	–	रं	रं	रं	रं	–
मि	ले	ऽ	सं	व	रि	या	ऽ	किस	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
सं	रं	–	गं	सं	रं	सं	सं	सं	सं	–	सं	न	ध	–	प
मि	ले	ऽ	सं	व	रि	या	वो	चो	री	ऽ	क	रे	मो	ऽ	रे
ध	–	ध	न	प	–	सं	–	सं	सं	–	सं	न	ध	–	प
मा	ऽ	ख	न	की	ऽ	वो	ऽ	चो	री	ऽ	क	रे	मो	ऽ	रे
ध	–	ध	न	प	–	सं	न	–	न	न	न	ध	–	म	म
मा	ऽ	ख	न	की	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	चो	री	क	रूं	ऽ	छ	न
मप	ध	पध	न	प	–	स	र								
केऽ	ऽ	मन	ऽ	की	ऽ	मैं	ऽ								

ध़	–	स	र	ग	–	म	म	र	ग	स	–	–	–	स	र
बं	ऽ	सी	ब	नूं	ऽ	बं	सी	ध	र	की	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ब
स	र	र	–	–	–	र	ग	ग	प	प	ध	प	–	ग	म
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	आ	श्री	रा	ऽ	त	स	खी	ऽ	ह	रि
प	ध	ध	–	ध	ध	ध	–	ध	न॒	ध	न॒	प	–	प	प
आ	ऽ	के	ऽ	चु	प	के	ऽ	चु	प	के	ऽ	से	ऽ	कु	छ
ध	सं	–	सं	सं	–	रं	–	संरं	गं	रं	गं	सं	–	प	प
क	हे	ऽ	म	जे	ऽ	की	ऽ	बाऽ	ऽ	त	स	खी	ऽ	कु	छ
ध	सं	–	सं	सं	–	रं	–	संरं	गं	रं	गं	रं	–	–	–
क	हे	ऽ	म	जे	ऽ	की	ऽ	बाऽ	ऽ	त	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	–	रं	रं	रं	रं	गं	सं	रं	–	सं	रं	गं	रं	गं
जो	मैं	ऽ	मा	ख	न	पा	ऽ	जा	ता	ऽ	न	तु	म	को	च
सं	रं	–	सं	सं	रं	रं	गं	सं	रं	–	सं	सं	रं	रं	गं
खा	ता	ऽ	न	मा	ऽ	खन	लु	टा	ता	ऽ	न	बा	ऽ	त	ब
सं	रं	–	प	ध	सं	रं	–	गं	–	मं	–	–	–	मं	मं
ना	ता	ऽ	स	खी	ऽ	री	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	शि	

गं	–	रं	सं	–	सं	गं	–	रं	–	–	–	–	–	सं	–
नं	ऽ	द्	ला	ऽ	ल	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ
रं	–	–	–	–	–	रं	–	सं	–	–	न॒	ध	प	ध	–
चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	गु	आ	ऽ	ला	ऽ
न॒	–	प	–	–	–	म	म	म	प	प	–	प	–	प	–
ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ना	चे	ना	ऽ	चे	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ
ध	सं	सं	–	–	–	सं	–	रं	–	–	–	–	–	रं	–
रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ
सं	–	–	न॒	ध	प	ध	–	न॒	–	प	–	–	–		
धा	ऽ	ऽ	गु	आ	ऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ता	क
थै		या	के	ता	क	ता	क	थै		या	के	ता	क	ता	क
थै		या	के	ता	क	ता	क	थै		ता	क	थै		ता	क
						गं	–	मं	–	–	–	–	–	मं	मं
थै	❀		❀	*	*	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	शि	री

15. N.P.K.

खेले जा तू खेल खिलाड़ी !

बौम्बे टाकीज़	• •	ताल	• •	गायक
फिल्म "आज़ाद"	• •	कहरवा	• •	अरुणकुमार

खेले जा तू खेल खिलाड़ी, खेले जा, तू खेले जा।
रे काम राम का रहता नहीं अधूरा।
अध खिली कली, जा धूल मिली,
फिर खिलने को, फिर खिलने को।
जीवन के तार, हुये तार-तार,
फिर मिलने को, फिर मिलने को।
नदी की गति रुकती है।
चलने को, चलने को।
दीपक की ज्योति बुझती है
जलने को जलने को। रे काम··· ········· ॥

+				।				+				।			
प़	ध़	ध़	स	स	–	–	–	*	स	ग	र	स	–	स	ऩ
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ
स	ग	ग	र	ग	ध	प	–	ग	म	ग	र	स	–	स	ध
खे	ऽ	ल	खि	ला	ऽ	ड़ी	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	तू	ऽ
प	–	ग	म	ग	र	स	ऩ	*	स	स	र	ग	ग	र	–
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	*	का	म	रा	ऽ	म	का	ऽ
र	ग	र	स	ऩ	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ	प़	–	–	–	ग	प
र	ह	ता	ऽ	न	हीं	ऽ	अ	धू	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ध

ग	ग	प	प	प	–	ध	न	न	–	ध	प	प	–	प	प
खि	ली	ऽ	क	ली	ऽ	जा	ऽ	धू	ऽ	ल	मि	ली	ऽ	फि	र
म॑	प	म॑	प	प	–	प	प	ग	म	ग	म	ग	र	र	–
खि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	फि	र	खि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	जी	ऽ
ग	ग	प	प	–	प	ध	न	न	–	ध	प	–	प	प	प
व	न	के	ता	ऽ	र	हु	ए	ता	ऽ	र	ता	ऽ	र	फि	र
म॑	प	म॑	प	प	–	प	प	ग	म	ग	म	ग	र	स	–
मि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	फि	र	मि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	न	ऽ
ग	–	र	–	स	स	ऩ	ध़	ऩ	–	स	–	–	–	ऩ	ध़
दी	ऽ	को	ऽ	ग	ति	रु	क	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	च	ल
ऩ	ऩ	र	र	ग	ग	ग	र	ऩ	र	स	–	–	–	ग	–
ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	च	ल	ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
र	ग	र	स	–	स	ऩ	ध़	ऩ	–	स	–	–	–	ऩ	ध़
प	क	की	जो	ऽ	त	बु	झ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल
ऩ	ऩ	र	र	ग	ग	ग	र	ऩ	र	स	–	–	–	स	ऩ
ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ

स	ग	ग	र	ग	ग	र	–	ग	म	गम	प	म	ग	र	स
का	ऽ	म	रा	ऽ	म	का	ऽ	र	ह	ताऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	अ
ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	ध़	प़	–	प़	ध़	ध़	स	स	–	–	–
धू	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	ग	र	स	–	स	ऩ	स	ग	ग	र	ग	ध	प	–
*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ल	खि	ला	ऽ	ड़ी	ऽ
ग	म	ग	र	स	–	स	ध	प	–	ग	म	ग	र	–	–
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	प	प	प	–	–	–	*	न	सं	सं	सं	–	–	–
*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	*	*								
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*								

16—N. P. K.

——o——

अपने मस्तों को बेखुद....!

नेशनल स्टूडियो	ताल	गायक
फिलम "औरत"	दादरा	सुरेन्द्र और ज्योती

अपने मस्तों को बेखुद बनादे, हां पिलादे पिलादे पिलादे।
मेरे सपनों की दुनियां के बासी, तेरे दरशन की अँखियां हैं प्यासी।
उनको थोड़ा सा अमृत पिलादे, हां पिलादे पिलादे पिलादे॥ अपने०॥

मेरे जीवन बग़ीचे में आजा, और उजड़ी बहारें बसाजा।
हँस के मुरझाई कलियां खिलादे, हां खिलादे खिलादे खिलादे ॥ अपने····॥
जिस नदी का है आशा किनारा, बह रही हो जहां प्रेम धारा।
उसी धारे में मन को बहादे, हां बहादे बहादे बहादे ॥ अपने ॥

स्वरलिपि☞

										गग	म
										अप	ने
×			०			×			०		
ध	ध	ध	ध	पप	म	म	–	ध	–	ग	म
म	स्तों	को	बे	खुद	ब	ना	ऽ	दे	ऽ	हां	पि
ध	प	म	र	गम	ग	र	–	स	–	प	ध
ला	दे	पि	ला	देऽ	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	मे	रे
नन	न	सं	संसं	सं	सं	न	ध	प	ध	प	ध
सुप	नों	की	दुनि	यां	के	बा	सी	ऽ	ऽ	ते	रे
न	न	सं	संसं	सं	सं	न	ध	प	ध	प	ध
दर	शन	की	अंखि	यां	हैं	प्या	सी	ऽ	ऽ	मे	रे
नन	न	सं	संसं	रं	सं	न	–	सं	–	पप	ध
सुप	नों	की	दुनि	यां	के	बा	ऽ	सी	ऽ	उन	को
सं	न	ध	प	म	ग	म	–	ध	–	ग	म॑
थो	ड़ा	सा	अम्	रत	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	हां	पि

×			o			×			o		
ध	प	म	र	गम	ग	र	-	स	-	ग	म
ला	दे	पि	ला	देऽ	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	*	*
ध	ध	ध	ध	प	म	म	-	ध	-	सं	सं
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	मे	रे
न	न	ध	ध	प	म	प	न	ध	-	प	ध
जी	वन	ब	गी	चे	में	आ	ऽ	जा	ऽ	औ	र
म	प	म	ग	स	र	ग	-	म	-	ग	म
उज	ड़ी	ब	हा	रें	ब	सा	ऽ	जा	ऽ	हंस	के
धध	ध	ध	पप	म	ग	म	-	ध	-	ग	म
मुर	झा	ईं	कलि	यां	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	हाँ	खि
ध	प	म	र	गम	ग	र	-	स	-	ग	म
ला	दे	खि	ला	देऽ	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	*	*
ध	ध	ध	ध	प	म	म	-	ध	-	मम	म
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	जिस	न
न	ध	प	म	म	प	ग	-	म	गर	मम	म
दी	का	हो	आ	शा	कि	ना	ऽ	रा	ऽऽ	वह	*

×			०			×			०		
न	न	न	न	सं	सं	ध	-	न	पध	मम	म
ही	हो	ज	हां	प्रे	म	धा	ऽ	रा	ऽऽ	जिस	न
न	ध	प	म	म	प	ग	-	म	गर	ग	म
दी	का	हो	आ	शा	कि	ना	ऽ	रा	ऽऽ	उ	सी
ध	ध	ध	ध	प	म	म	-	ध	-	ग	म
धा	रे	में	मन	को	ब	हा	ऽ	दे	ऽ	हां	ब
ध	प	म	र	गम	ग	र	-	स	-	गग	म
हा	दे	ब	हा	देऽ	ब	हा	ऽ	दे	ऽ	अप	ने

मस्तों को··· ।

17—N.P.K.

जागो सजनियां जागो·······!

न्यू-थियेटर्स फिल्म "धरतीमाता" : तीनताल और धुमाली : गायिका 'उमा'

जागो सजनियां जागो नवयुग आया ।
बीत गई सब बात पुरानी, नया ज़माना नई कहानी ।
नई डगरिया नई खबरिया ॥ सजनियां··············· ॥
नये-नये नैन की नई नज़रिया ॥ सजनियां·········· ·· ॥
नई आशा ने, नये गुलों ने, एक नया संसार बनाया ॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक (तीनताल मध्यलय)

+				२				०				३			
न	सं	न	सं	-	नन	प	न	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	म	-	म	-	म	-	म	-	म	-	प	ध
न	सं	न	सं	-	नन	प	न	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	-	-	-	-	-	र	म	प	ध	-	-	-
स	र	म	प	ध	मम	-	ध	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	-	-	-	-	-	र	म	प	ध	-	-	-
स	र	म	प	ध	मम	-	ध	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	म	-	म	-	म	-	म	-	म	-	प	ध
न	सं	न	सं	-	नन	प	न	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	-	-	-	-	म	प	ध	न	सं	- सं	- धन	- सं
सं	- धन	- सं	- धन	सं	- धन	- सं	- धन	म	प	ध	न	सं	-	-	-
-	-	-	गं	सं	-	-	-	-	सं	रं	गं	सं	-	-	गं
रंगं	संरं	न	ध	प	म	ग	र	स	-	-	-	स	-	प	ध
न	सं	न	सं	-	नन	प	न	प	मम	-	प	म	गर	स	र
ग	-	म	-	-	-	-	-								

नोट—छोटे टाइप में जो स्वर ''धन सं···' दिये गये हैं, वह कम्पलीमेंट-म्यूज़िक अर्थात् सहायक सङ्गीत कहलाता है, मतलब यह है कि कुछ बाजों से 'सं – – –' की ध्वनि निकल रही है तो साथ ही साथ कुछ साज़ 'धन सं धन सं' बोल रहे हैं।

अब ताल धुमाली में गाना शुरू—

+				२				+				३			
धऩ	स	-	स	र	ग	र	-	धस	रग	र	-	-	-	-	-
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रप	प	प	म	प	म	प	रम	रम	पध	प	म	ग	र	स
ऽ	नव	यु	ग	आ	ऽ	या	ऽ	आ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ
धऩ	स	-	स	र	ग	र	-	धस	रग	र	-	-	-	-	-
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	-	ग	र	-	-	-	प	-प	म	ध	प	-	प	ध
बी	त	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽत	ऽ	ग	ई	ऽ	स	ब
न	न	-	न	सं	-	नसं	रं	न	-ध	प	ध	प	ध	प	ध
बा	त	ऽ	पु	रा	ऽ	नी	ऽ	बी	ऽत	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	-	ग	र	-	-	-	ध	-प	म	ध	प	-	प	ध
बी	त	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽ	त	ग	ई	ऽ	स	ब
न	-	न	न	सं	-	नसं	रं	न	न	-	न	न	प	पनसंरं	संरं
बा	ऽ	त	पु	रा	ऽ	नी	ऽ	न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ
*	न	न	न	धसं	नध	प	-	म	म	-	प	न	न	सं	-
*	न	ई	क	हा	ऽ	नी	ऽ	न	ई	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ

+				२				०				३			
-	-	-	-	-	ध	प	-	र	म	र	प	म	ग	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ई	ऽ	ख़	ब	रि	या	ऽ
र	ग	म	प	-	-	-	-	स	र	-	ग	र	ग	र	ग
स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ये	ऽ	न	ये	नै	न	की
म	प	-	ध	प	म	ग	र	र	ग	म	प	-	-	-	-
न	ई	ऽ	न	ज	रि	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	-	सं	रं	-	न	ध	ध	म	-	ध	पध	न	ध	-
न	ई	ऽ	आ	शा	ऽ	ने	ऽ	न	ये	ऽ	गु	लों	ऽ	ने	ऽ
-	-	-	-	-	-	ध	न	प	धन	-	ध	प	म	-	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ए	क	न	या	ऽ	स	न	सा	ऽ	रब
मग	-	र	-	स	र	ग	म	-	-	ध	न	प	ध	न	ध
सा	ऽ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ए	क	न	या	ऽ	स
प	म	-	प	मग-	-	र	-	स	र	ग	म	-	-	-	-
न	सा	ऽ	रब	सा	ऽ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	प	म	प	म	प	रम	रम	पध	प	म	ग	र	स
न	व	यु	ग	आ	ऽ	या	ऽ	आ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ

धऩ	स	-	स	र	ग	र	-	धस	रग	र	-	-	-	-	-
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

18—D I.S.

ज़िन्दगी का साज़ भी क्या....!

मिनर्वा फिल्म	ताल	गायिका
"पुकार"	कहरवा	"नसीम"

ज़िन्दगी का साज़ भी क्या साज़ है !
बज रहा है और बे आवाज़ है ॥

कोई नग़मा है न कोई साज़ है।
एक तेरी और एक मेरी आवाज़ है ॥

लय न टूटे ज़िन्दगी के साज़ की।
ज़िन्दगी आवाज़ ही आवाज़ है ॥

(ठेका बन्द रहेगा)

सं	-	न	नसं	रं	सं	-	-	न	-	ध	प	ध	प	म	-	म	-	प	-	न
ज़ि	ऽ	न्द्	गीऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	भी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	सा	ऽ	ज़

ध	-	प	-	-	-	-	स	स	र	ग	-	म	-	प	ध	प	म	-	गस
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ज	र	हा	ऽ	है	ऽ	औ	र	बे	ऽ	ऽ	आऽ

र	-	र	-	ग	म	-	स	-	-	-	सं	-	पध	संरं	गंरं	संध
ऽ	ऽ	वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*

पध	पम	रग	रस	-	-
*	*	*	*	*	*

अब ठेका शुरू हुआ (कहरवा)

+				।				+				।			
*	र	-	ग	र	ग	म	र	प	-	-	प	प	ध	पध	संगं
*	को	ऽ	ई	न	ग़	मा	ऽ	है	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ईऽ	ऽऽ
रं	सं	-	रं	सं	ध	सं	-	-	प	र	ग	र	ग	स	र
ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को	ऽ	ई	न	ग़	मा	ऽ
प	-	-	प	प	ध	पध	संगं	रं	सं	-	रं	सं	ध	सं	-
है	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	-रं	सं	न	ध	प	-प	न	पप	प	ग	र	ग	स	र
*	ए	ऽक	ते	री	ऽ	औ	ऽर	ए	ऽक	मे	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	सं	-	न	नसं	रं	सं	प
वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज़ि	ऽ	न्द	गीऽ	ऽ	का	ऽ
प	-	न	पध	नसं	नध	पम	म	प	-	ध	न	प	-	-	-
सा	ऽ	ज़	भीऽ	ऽऽ	क्याऽ	ऽऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	स	र	ग	-	म	-	प	ध	प	म	ग	र	स	र
*	ब	ज	र	हा	ऽ	है	ऽ	औ	ऽ	र	बे	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	ग	-	प	ग	स	प	-
धा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	लै	ऽ	न	टू	ऽ	टे	ऽ

+				।				+				।			
-	न	-	सं	न	ध	प	म	-	प	-	न	ध	-	प	-
ऽ	ज़ि	ऽ	न्द्	गी	ऽ	के	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	की	ऽ	ऽ	ऽ
-	प	-	ध	ध	रं	रं	-	मं	-	न	ध	प	ग	र	-
ऽ	ज़िं	ऽ	द्	गी	ऽ	आ	ऽ	वा	ऽ	ज़	ही	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	प	-	ध	प	ध	सं	-
वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज़ि	ऽ	न्द्	गी	ऽ	का	ऽ
-	सं	रं	सं	न	ध	प	म	-	प	-	न	ध	-	प	-
ऽ	सा	ऽ	ज़	भी	ऽ	क्या	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ

ज़िन्दगी आवाज़...............

——

19—N. P. K. 4—40

झुकि आई रे बदरिया सावन की !

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म "भावी" • • ताल कहरवा • • गायिका रेणुकादेवी

झुकि आई रे बदरिया सावन की।
सावन की मन भावन की। झुकि आई रे बदरिया सावन की।
सुन रे हठी पपीहा पापी, पी को नाम न ले ....।
सुन पावे कोई बिरहा की मारी, पी कारन जी दे.......... ॥
ये दोऊ नैना कह्यो न माने, नदिया बहे जैसे सावन की।
कोई जाय कहो पिया आवन की ॥ झुकि आई०............... ॥

×				।				×				।			
ग	म	र	स	ऩ	र	स	-	गम	रग	म	प	गम	रग	गम	प
आ	ई	रे	ब	द	रि	या	ऽ	साऽ	ऽऽ	व	न	कीऽ	ऽऽ	झुऽ	कि

ग	म	र	स	ऩ	र	स	-	गम	रग	म	प	मग	र	-	-
आ	ई	रे	ब	द	रि	या	ऽ	साऽ	ऽऽ	व	न	कीऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	प	म	प	-	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
सा	ऽ	व	न	की	ऽ	म	न	भा	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की………………।

अन्तरा—

×				।				×				।			
प	प	प	प	न	ध	न	सं	सं	सं	सं	-	न	रं	सं	-
न	न्हीं	न	न्हीं	बुं	दि	याँ	ऽ	मे	ह	रा	ऽ	ब	र	से	ऽ
न	-	न	न	न	सं	सं	-	ध	न	न	सं	ध	-	प	प
पा	ऽ	पि	य	पी	ऽ	हा	ऽ	रा	ऽ	र	क	रे	ऽ	आ	ली
र	म	प	म	प	-	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
जा	ऽ	ये	क	हो	ऽ	पि	या	आ	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की…………।

र	म	प	म	प	प	म	प	ध	न॒	ध	प	ग	प	म	-
सु	न	रे	ऽ	ह	ठी	ऽ	प	पी	ऽ	हा	ऽ	पा	ऽ	पी	ऽ
ग	-	स	-	र	-	ग	प	म	-	-	-	-	-	-	-
पी	ऽ	को	ऽ	ना	ऽ	म	न	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	म	प	म	प	-	म	प	ध	न	ध	प	ग	प	म	-
सु	न	पा	ऽ	वे	ऽ	को	ई	वि	र	हा	की	मा	ऽ	री	ऽ
ग	-	स	-	र	र	ग	प	म	-	-	-	-	-	-	-
पी	ऽ	का	ऽ	र	न	जी	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	प	प	न	ध	न	सं	सं	सं	-	सं	न	रं	सं	-
रे	ऽ	दो	ऊ	नै	ऽ	ना	ऽ	झ	ह्यो	ऽ	न	मा	ऽ	ने	ऽ
न	न	न	-	न	सं	सं	सं	ध	न	न	सं	ध	-	प	प
न	दि	या	ऽ	ब	हे	जै	से	सा	ऽ	व	न	की	ऽ	को	ई
र	म	प	म	प	-	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
जा	ऽ	य	क	हो	ऽ	पि	या	आ	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की ....

20- C. P. K. 7-40

गीत सुनो वह गीत सैंया....॥

मिनर्वा मोवीटोन		ताल		गायिका
फिल्म "पुकार"		कहरवा		"शीला"

गीत सुनो वह गीत सैंया, जो हम सब के होश उड़ादे।
रस और मद के सोत बहादे। गीत सुनो वह गीत सैंया॥
जो जीवन में आग लगादे। जो सुपनों का मेह बरसादे॥
गीत सुनो....... ....॥
जो गाते हैं हम रे भगवन। है यह काया जिसके कारन॥
गीत सुनो........ ....॥
समझे, क्या समझे! समझाओ। समझ गये अब तुमही गाओ॥

+				।				+				।			
*	ध	ध	सं	ध॒न	धप	मग	रस	प	–	–	म	मप	–	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैंऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	–	–	–	ध़	स	ध़	स
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैं	ऽ	यां	ऽ
*	म	म	म	ग	ग	र	म	*	र	म	प	मप	ध॒न	ध	प
*	जो	ह	म	स	ब	कें	ऽ	*	हो	श	उ	ड़ाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
ध	म	म	म	ग	ग	र	स	*	र	म	प	मप	ध॒न	ध	प
ऽ	जो	ह	म	स	ब	के	ऽ	*	हो	श	उ	ड़ाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
न	न	न	न	न	सं	न	सं	*	न॒	ध	म	मप	ध॒न	ध	प
ऽ	रस	औ	र	म	द्	के	ऽ	*	सो	त	ब	हाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
*	ध	ध	सं	ध॒न	धप	मग	रस	प	–	–	म	मप	–	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैंऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	–	–	–	ध़	स	ध़	स
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	*	*	*	*
*	प	–	प	प	ध	प	–	*	प	प	प	ध	रं	सं	–
*	जो	ऽ	जी	व	न	में	ऽ	*	आ	ग	ल	गा	ऽ	दे	ऽ

*	रं	-	रं	सं	-	ध	म	प	-	प	प	मप	-	मप	ध
*	जो	ऽ	सप	नों	ऽ	का	ऽ	में	ऽ	हु	बर	साऽ	ऽ	देऽ	ऽ

गीत सुनो..................................।

*	प	-	प	प	ध	म	-	*	प	प	प	ध	रं	सं	सं
*	जो	ऽ	गा	ते	ऽ	हैं	ऽ	*	हु	म	रे	भ	ग	व	न्
*	रं	-	रं	सं	-	ध	म	प	-	प	म	मप	-	पध	सं
*	है	ऽ	ये	का	ऽ	या	ऽ	जि	ऽ	स	के	काऽ	ऽ	रऽ	ऽन्
*	ध	ध	सं	धन	धप	मग	रस	प	-	-	म	मप	-	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैंऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	-	-	-	(बाजा बन्द)			
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सम	झे	*	*
								स	र	म	म	प	-	ध	ध
क्या	सम	झे	सम	झा	वो	*	*	स	म	झ	ग	ये	ऽ	अ	ब
सं	सं	संरं	गं	-	रं	गं	-	सं	-	-	-	-	-	-	-
तु	म	हींऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

21—N.P..K

———

भैया तोरे छोटे, ननदी.......!

प्रकाश पिक्चर्स	• •	ताल	• •	गायिका
फिल्म "बिजली"	• •	कहरवा	• •	*

भैया तोरे छोटे, ननदी काहे करूँ सिंगार।
सोलह बरस की मोरी उमरिया, बारो है बर साथ॥
हां मैं काहे करूँ सिंगार ॥ ननदी काहे............ ॥
मोसे बोले गोद में ले ले, करले मो को प्यार।
रस की रीत न जाने रसिया, बीती जाये बहार॥
हां मैं काहे करूं सिंगार, ननदी काहे.......... ..॥
सेज चढ़त मोरी पायल बाजे, छुम छुम छुम छुंकार।
हमरे बलमा डर के भागे, अङ्ग लगे अङ्गार........॥
हां मैं काहे करूं सिंगार, ननदी काहे..........॥

+				।				+				।			
*	स	ऩ	-	स	ऩ	-	-	*	स	र	र	स	र	स	ऩ
*	भै	या	ऽ	तो	रे	ऽ	ऽ	*	छो	ऽ	टे	न	न	दी	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	-	-	-	सर	ग॒र	स	ऩ
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	-	-	-	रम	पध	पम	रस
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	र	र	म	म	म	म	-	र	म	म	प	प	ध	पम	प
*	सो	ले	ब	र	स	की	ऽ	ऽ	मो	री	उ	म	रि	याऽ	ऽ
प़	र	-	र	ग॒	र	स	ऩ	स	-	-	-	सर	ग॒र	स	ऩ
ऽ	बा	ऽ	रो	है	ऽ	ब	र	सा	ऽ	ऽ	थ	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ

*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	–	–	–	रम	पध	पम	रस
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	ऩ	–	ऩ	ऩ	–	ऩ	–	*	ऩ	ऩ	स	ऩस	र	स	ऩ
*	मो	ऽ	से	बो	ऽ	ले	ऽ	*	गो	द	में	लेऽ	ऽ	ले	ऽ
*	सस	र	–	सर	गर	स	ऩ	स	–	–	–	सर	म	रम	प
*	कर	ले	ऽ	मोऽ	ऽऽ	कों	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
*	ऩ	–	ऩ	ऩ	–	ऩ	–	*	ऩ	ऩ	स	ऩस	र	स	ऩ
*	मो	ऽ	से	बो	ऽ	ले	ऽ	*	गो	द	में	लेऽ	ऽ	ले	ऽ
*	सस	र	–	सर	गर	स	ऩ	स	–	–	–	रम	पध	पम	रस
*	कर	ले	ऽ	मोऽ	ऽऽ	कों	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	र	म	म	म	–	म	म	र	र	म	प	प	ध	पम	प
*	र	स	की	री	ऽ	त	न	ऽ	जा	ने	ऽ	र	सि	याऽ	ऽ
ध	र	–	र	ग	र	स	ऩ	स	–	–	–	सर	गर	स	ऩ
ऽ	बी	ऽ	ती	जा	ऽ	य	ब	हा	ऽ	ऽ	र	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	–	–	–	र	प	प	–
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	न	न	दी	ऽ

22—N.P.K.

—*—

तेगे क़ातिल पै अदा लोट गई !

वाडिया मोवीटोन फिल्म		ताल		गायक
"हिन्द का लाल"		दादरा		"ऐहमद दिलावर"

तेगे क़ातिल पै अदा लोट गई।
रफ़्ते बिस्मिल पै कज़ा लोटगई॥
हँस दिये आपतो, बिजली तड़की।
बाल खोले तो घटा लोटगई। लोटगई २॥
पिसगया चश्मे सियाह पर सुरमा।
पाये रंगी पै हिना लोटगई। लोटगई २॥
ऊँची चोटी के अदा, गिर्द फिरी।
नीची नज़रों से हया लोटगई। लोटगई, लोटगई, लोटगई।

+			०			+			०		
		र	र	म	प	ध	ध	ध	ध	प	-
		ते	गे	का	ऽ	ति	ल	पै	अ	दा	ऽ
म	-	प	प	प	-	प	-	र	र	म	प
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	*	*	र	फ़्ते	बि	स्म
ध	ध	ध	ध	प	-	म	-	प	प	प	-
मि	ल	पै	क	ज़ा	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
प	-	सं	सं	सं	-	न	-	न	ध	ध	ध
*	*	हंस	दि	ये	ऽ	आ	ऽ	प	तो	बि	ज

प	–	–	प	ध	–	–	–	म	–म	म	प
ली	ऽ	ऽ	तड़	की	ऽ	*	*	बा	ऽल	खो	ऽ
ध	ध	–	ध	प	–	म	–	प	प	प	–
ले	तो	ऽ	घ	टा	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
–	–	म	–म	म	प	ध	ध	–	ध	प	–
*	*	बा	ऽल	खो	ऽ	ले	तो	ऽ	घ	टा	ऽ
म	–	प	प	प	सं	सं	–	सं	सं	न	–
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
न॒	–	न॒	न॒	ध	–	म	–	प	प	प	–
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
प	म	र	र	म	प	ध	ध	ध	ध	प	–
*	*	ते	ग़े	का	ऽ	ति	ल	पै	अ	दा	ऽ
म	–	प	प	प	–						
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ						

23—N. P. K.

——o——

राजा बिट्टुआ मेरा मिट्ठुआ !

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म "आज़ाद"	ताल कहरवा	गायिका "लीला चिटनीस"

राजा बिट्ठुआ, मेरा मिठुआ।
मीठी बोली बोले ॥ राजा बिट्ठुआ............॥
किसने राजा तुम्हें बनाया ॥
किसने मीठा बोल सिखाया।
जब चौके में बैठ बनाऊं, मैं चीजें अच्छी अच्छी।
तुम बाबू का जी बहलाओ, कर बातें मीठी मीठी ॥
माँ को इकली छोड़ काम पर जब जाते हैं बाबू जी।
बात बना के, माँ का सब दुख, दूर भगाते बिट्टू जी ॥
राजा बिट्ठुआ............॥

+				।				+				।			
ग	प	न	ध	न	सं	रं	सं	न	-	प	-	-	-	-	-
मी	ऽ	ठी	ऽ	बो	ऽ	ली	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	प	प	सं	न	ध	प	-	ग	प	प	सं	न	ध	प	-
रा	ऽ	जा	ऽ	बि	ट्ठु	आ	ऽ	मे	ऽ	रा	ऽ	मि	ठु	आ	ऽ
ग	प	न	ध	न	सं	रं	सं	न	-	प	-	-	-	-	-
मी	ऽ	ठी	ऽ	बो	ऽ	ली	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	र	स	-	स	-	स	-	स	स	ग	र	ग	-	रग	प
कि	स	ने	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	तु	म्हें	ऽ	ब	ना	ऽ	याऽ	ऽ
ग	र	स	-	स	-	स	प़	स	ग	ग	प	प	-	प	ग
कि	स	ने	ऽ	मी	ऽ	ठा	ऽ	बो	ऽ	ल	सि	खा	ऽ	या	ऽ

+				।				+				।			
प	प	सं	–	सं	–	सं	–	न	–	प	प	प	सं	न	–
ज	ब	चौ	ऽ	के	ऽ	में	ऽ	बै	ऽ	ठ	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
न	रं	सं	न	प	–	ग	प	न	प	ग	प	ग	र	स	–
मैं	ऽ	ची	ऽ	ज़ें	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ऽ	च्छी	ऽ	अ	ऽ	च्छी	ऽ
ग	प	सं	–	सं	–	सं	–	सं	–	न	प	प	मं	न	–
तु	म	बा	ऽ	बू	ऽ	का	ऽ	जी	ऽ	ब	ह	ला	ऽ	ओ	ऽ
न	रं	सं	न	प	–	ग	प	ग	–	ग	र	स	–	–	–
क	र	बा	ऽ	तें	ऽ	मी	ऽ	ठी	ऽ	मी	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ऽ
स	ऩ	प़	–	स	स	स	ग	प	–	ग	प	ग	र	म	स
मां	ऽ	को	ऽ	इ	क	ला	ऽ	छो	ऽ	ड़	का	ऽ	म	प	र
ग	प	ग	प	ग	प	न	न	न	रं	सं	–	न	–	–	–
जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ज	ब	बा	ऽ	बू	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ
स	प़	प़	स	स	–	ग	ग	प	ग	ग	प	ग	र	स	स
बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	क	र	मां	ऽ	का	ऽ	स	ब	दु	ख
ग	प	प	प	ग	प	न	–		·	सं	–	न	–	–	–
दु	ऽ	र	भ	गा	ऽ	ते	ऽ	बि	ऽ	ड़ू	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ

न	र्ं	सं	-	न	-	-	-
वि	ऽ	ह्र	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ

24— N. P. K

मैं तो आरती उतारूं.........!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	ताल	गायिका
'कङ्गन"	दादरा और कहरवा	लीला चिटनीस और प्रदीप

मैं तो आरती उतारूं राधेश्याम की रे।
राधेश्याम की रे, मुक्ती धाम की रे॥
हृदय के कपाट खोल, भक्ति के तले हिन्डोल।
मधुर नाम बोल-बोल, मैं तो चरण छबि निहारूं राधेश्याम की रे॥
लला के चरण पखार, लली के बसन सँवार, नमन करूं बारबार।
युगल मूर्ति मैं सजाऊँ राधेश्याम की रे॥ मैं तो आरती.........॥

(ताल दादरा)

०			×			०			×		
ध	ध	-	प	-	म	ग	-	स	र	-	ग
मैं	तो	ऽ	आ	ऽ	र	ती	ऽ	उ	ता	ऽ	रूं
ग	ध	-	प	-	म	ग	र	ग	स	-	-
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
ग	ग	-	ध	-	ध	ध	न॒	ध	प	ध	-
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

०			×			०			×		
प	म	प	ग	-	म	प	ध	न	प	-	-
मु	ऽ	क्ती	धा	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

मैं तो आरती उतारूं ....।

प	प	प	ध	-	सं	सं	-	सं	न	-	न
हृ	द	य	के	ऽ	क	पा	ऽ	ट	खो	ऽ	ल
ध	-	प	ध	रं	सं	सं	-	सं	न	-	न
भ	ऽ	क्ति	के	ऽ	त	ले	ऽ	हिं	डो	ऽ	ल
प	ध	न	न	-	न	ध	-	म	ध	-	प
म	धु	र	ना	ऽ	म	बो	ऽ	ल	बो	ऽ	ल
ग	ध	ध	प	ध	प	म	म	ग	स	-	र
मैं	ऽ	तो	च	र	ण	छु	बि	नि	हा	ऽ	रूं
ग	ध	-	प	-	म	ग	र	ग	स	-	-
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
प	प	-	ध	सं	सं	सं	गं	गं	सं	-	सं
ल	ला	ऽ	के	ऽ	च	र	न	प	खा	ऽ	र
सं	सं	-	न	ध	प	ध	सं	सं	न	-	प
ल	ली	ऽ	के	ऽ	ब	स	न	सं	वा	ऽ	र

प	ध	न	न	न	–	ध	–	म	ध	–	प
न	म	न	क	रू	ऽ	वा	ऽ	र	वा	ऽ	र
ग	ध	ध	प	ध	प	म	–	ग	स	–	र
यु	ग	ल	मू	ऽ	र्ति	मैं	ऽ	स	जा	ऽ	ऊं
ग	ध	–	प	–	म	ग	र	ग	स	–	–
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

यहां से ताल कहरवा (द्रुत लय)

														ध	ध
														मैं	तो
०				+				०				×			
पध	मप	ग	स	र	ग	म	ध	प	-म	गम	रग	स	–	ग	गम
आऽ	ऽर	ती	उ	ता	रूं	रा	धे	श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ	रा	धेऽ
ध	–ध	ध	धन	धन	प	–	प	ग	–म	पध	नध	प	–	ग	म
श्या	ऽम	की	रे	ऽऽ	मु	ऽ	क्ति	धा	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ	रा	धे
ध	–ध	धन	धन	धन	धप	प	प	ग	–म	पध	नध	प	–		
श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	रा	धे	श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ		

फिर उसी तरह से ताल दादरा में आजाइये।

25–N P. K.

जोगी नैना मिलाना रे........!

हंस पिक्चर्स फ़िल्म		ताल		शब्दकार
"घर की रानी"		दादरा		"पं० इन्द्र"

जोगी नैना मिलाना रे, अरे बालमा ॥
हमरे अङ्ग में चम्पा चमेली अरे बालमा ।
काहे कांटे बिछाना रे, अरे बालमा ॥
हाँ कन्त मेरे गुनवन्त बसन्त की बेला ।
मेरे अङ्ग अंग आया अनङ्ग अलबेला ॥
जोगी रंग मनाना रे, अरे बालमा ॥
पूरब जनम की प्रीत अपनी अरे बालमा ।
जोगी उसको निभाना रे, अरे बालमा ॥

बिना ताल

स	-	-	-	ध़	प़	-	-	*
जो	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	*

ठेका शुरू, दादरा

+			o			+			o		
र	ग	-	रग	म	-	ग	म	ग	र	ग	र
नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	ना
स	ऩ	-	-	-	स	र	-	-	र	ग	र
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
स	-	-	-	-	-	र	ग	-	रग	म	गम
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽऽ

ग	रग	र	स	ऩ	–	प	–	प	–	–	प
मि	लाऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	ऽ	मि
पध	पध	म	ग	र	–	प	न	–	न	–	न
लाऽ	ऽऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ऽ	ना	ऽ	मि
न	सं	न	मं	–	–	प	प	न	सं	–	रं
ला	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	बा	ऽ	ल
नन	धप	नन	धप	–	प	धप	ध	–	म	–	म
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	अ	रेऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
पम	गर	मग	र	ऩ	स	र	ग	–	रग	म	–
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जो	गी	नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	–	–	–	स
ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	–	–	र	ग	र	स़	–	–	–	–	–
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	र	म	–	–	प	–	प	प	–	–
ह	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	अं	ऽ	ग	में	ऽ	ऽ

–	–	–	–	–	–	–	म	–	प	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	म्पा	ऽ	च
प	–	–	प	–	प	धप	ऩप	नसं	सं	–	–
मे	ऽ	ऽ	ली	ऽ	अ	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	ध	–	–	–	–	म	म	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
पम	गर	मग	र	–	पम	र	–	–	*	ऩ	स
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	का	हे
र	ग	–	रग	म	–	ग	म	ग	र	ग	र
कां	ऽ	ऽ	टेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	छा	ऽ	ना
स	ऩ	–	–	–	स	र	–	–	र	ग	र
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
स	–	–	–	–	गम	प	–	प	प	पध	न
मा	ऽ	ऽ	*	*	होंऽ	कं	ऽ	त	मे	रेऽ	ऽ
न	रं	सं	–	सं	सं	न	–	ध	प	ध	न
गु	न	वं	ऽ	त	ब	सं	ऽ	त	की	बे	ऽ

प	न	ध	प	*	गम	प	-	प	प	पध	न
ला	ऽ	ऽ	ऽ	*	हौंऽ	कं	ऽ	त	मे	रेऽ	ऽ
न	रं	सं	-	सं	सं	न	-	ध	प	ध	न
गु	न	वं	ऽ	त	ब	सं	ऽ	त	की	बे	ऽ
प	-	-	-	-	नन	न	-	न	न	-	न
ला	ऽ	*	*	*	मेरे	अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग
ध	-	प	ध	-	म	ग	-	र	सर	र	ग
आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	अ	नं	ऽ	ग	अल	बे	ऽ
र	-	-	-	ऩ	स	र	ग	-	रग	म	-
ला	ऽ	*	*	जो	गी	रं	ऽ	ऽ	गऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	-	-	-	स
ऽ	ऽ	म	ना	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	-	-	र	ग	र	स	-	-	-	-	-
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न	-	न	-	न	न	सं	न	सं	-	-
पू	र	ऽ	ब	ऽ	ज	न	ऽ	म	की	ऽ	ऽ

+			०			+			०		
–	–	–	पन	संरं	सं	न	न	न	ध	प	प
ऽ	ऽ	*	प्रीऽ	ऽऽ	त	अ	प	नी	ऽ	ऽ	अ
मप	धन	संध	नसं	ध	न	प	–	–	–	–	प
रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	बा	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
ध	–	–	म	–	म	पम	गर	मग	र	–	पम
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
र	–	–	–	ऩ	स	र	ग	–	रग	म	–
ऽ	ऽ	*	*	जो	गी	उ	स	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	–	–	–	स
ऽ	ऽ	नि	भा	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	–	–	र	ग	र	स	–	–	–	–	म
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
प	न	–	–	–	न	–	न	–	सं	–	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	ऽ	मा	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–						
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						

क्या पछताता मूरख मन.....!

सुदामा प्रोडक्शन		ताल		गायक
फिल्म "चिनगारी"	• •	कहरवा	• •	"पटगांवकर"

क्या पछताता मूरख मन, जब चिड़ियां चुग गईं खेत ॥
प्रीत करी पर निभा न पाई, तेरी करनी आगे आई ।
आये राम तू पड़ा था सोया, अब क्या हुआ जो चेत ॥ जब चिड़ियां....... ॥
रो रो उमर बितानी होगी, हंस हंस मौत बुलानी होगी ।
खोय दिया तैंने पाय के हीरा, अब क्या हुआ जो चेत ॥ जब चिड़ियां....... ॥

—बिना ताल—

+				।				+				।			
सं-	--	सं	सं	सं	-	सं	-	-	-	नसं	नरं	रं	-	-	-
क्याऽ	ऽ	प	छ	ता	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न	ध	प	-	-	-	-	*	प	ध	प	म	ग	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मू	ऽ	र	स	म	न	ज
ऩ	ध़	स	-	-	-	-	-								
ब	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

—ताल शुरू—

													स		स
													ज		ब
+				।				+				।			
स	ग	ग	-	ग	म	प	ध	प	-	-	प	गम	गर	सर	स
चि	ड़ि	यां	ऽ	चु	ग	ग	ईं	खे	ऽ	ऽ	त	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

+				।				+				।			
*	ग	म	ग	र	स	र	ग	र	स	–	–	–	–	–	स
*	चि	ड़ि	यां	चु	ग	ग	ई	खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त्
*	सर	गम	गर	स	र	स	–	*	नृ	प्	धृ	स	स	स	स
*	क्याऽ	ऽऽ	पछ	ता	ऽ	ता	ऽ	*	मू	र	ख	म	न	ज	ब
स	ग	ग	–	ग	म	प	ध	प	–	–	प	गम	गर	सर	स
चि	ड़ि	यां	ऽ	चु	ग	ग	ई	खे	ऽ	ऽ	त्	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
*	ग	म	ग	र	स	र	ग	र	स	–	–	–	स	–	–
*	चि	ड़ि	यां	चु	ग	ग	ई	खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	*	*
*	ध	ध	ध	ध	–	ध	प	*	ध	न	सं	ध	–	प	–
*	प्री	त	क	री	ऽ	प	र	ऽ	ति	भा	न	पा	ऽ	ई	ऽ
*	सं	–	सं	सं	सं	सं	–	*	नसं	रं	सं	न	ध	ध	ध
*	ते	ऽ	री	क	र	नी	ऽ	*	आऽ	ऽ	गे	आ	ऽ	ई	ऽ
*	सं	गं	गं	–	गं	गं	–	*	गं	गं	रं	न	रं	सं	–
*	आ	ये	रा	ऽ	म	तू	ऽ	*	प	ड़ा	था	सो	ऽ	या	ऽ
*	गं	गं	गं	–	गं	गंमं	पं	*	गं	गं	रं	न	रं	सं	–
*	आ	ये	रा	ऽ	म	तूऽ	ऽ	*	प	ड़ा	था	सो	ऽ	या	ऽ

सं	गं	रं	-	सं	न	ध	प	पध	नसं	नध	पम	गर	सस	स	स
अ	ब	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	जो	चेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत्	ज	ब

चिड़ियां चुग गईं……………।

*	ग	-	ग	ग	ग	ग	ग	म	-	प	-	ध	प	म	-
*	रो	ऽ	रो	उ	म	र	बि	ता	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	धध	ध	ध	ध	-	ध	ध	ध	न	न	-	ध	प	प	म
*	हँस	हँ	स	मौ	ऽ	त	बु	ला	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
म	म	-	म	म	म	म	म	म	ध	प	ध	म	-	ग	-
ऽ	रो	ऽ	रो	उ	म	र	बि	ता	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	धध	ध	ध	ध	-	ध	ध	ध	न	न	-	ध	-	प	-
*	हँस	हँ	स	मौ	ऽ	त	बु	ला	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	रं	रं	रं	रं	-	रं	रं	*	सं	गं	रं	सं	ध	ध	सं
*	खो	य	दि	या	ऽ	तै	ने	*	पा	ऽ	के	ही	ऽ	रा	ऽ
सं	गं	रं	-	सं	न	ध	प	पध	नसं	नध	पम	गर	सस	स	स
अ	ब*	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	जो	चेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत्	ज	ब

चिड़ियां चुग गईं खेत…………।

मैं मन की बात बताऊं·······!

न्यूथियेटर्स फिलम		ताल		गायक
"धरती माता"	• •	कहरवा	• •	सहगल और उमा

मन की बात बताऊं, मैं···············।
क्या क्या बात उठत मन मोरे, सब कहकर समझाऊं।
फूल बनूं फूलन संग महकूं, पंछी बनकर गाऊं॥ मैं मन की······॥
परम पुनीत प्रभात बनूं मैं, जागूं और जगाऊं।
निपट सुहानी शोभा बनूं मैं जागूं और जगाऊं॥ मैं मन की······॥
चांद बनूं आकाश सजाऊं, तारे रोज जलाऊं।
लहर बनूं पल-पल लहराऊं, बादल बन जग छाऊं॥ मैं मन की······॥
तू बादल का रूप बने, मैं चातक रूप धराऊं।
सूखा-प्यासा खेत बनूं मैं पल-पल तुझे बुलाऊं॥ मैं मन की······॥
मीठा गीत बनूं झरने का, नित नित सुनत सुहाऊं।
आशा का सपना बनकर मन टूटे जोड़ दिखाऊं॥ मैं मन की······॥

+				।				+				।			
*	म	न	की	बा	ऽ	त	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
*	स	स	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	–	–	सरसऩ	–	–
ऽ	क्या	क्या	ऽ	बा	ऽ	ऽ	तउ	ठ	त	म	न	मे	ऽ	रे	ऽ
–	स	स	–	सर	–	–	र	ग	र	ग	प	म	–	ग	–
स	ब	क	ह	क	र	स	म	झा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
ग	म	प	प	प	प	प	प	प	म	मपधप	–	–	म	ग़	–
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	त	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	–	–	–	–	–

+				।				+				।			
ऽ	फू	ऽ	लब	नूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लब	नूं	ऽ	फू	ऽ
–	प़	–	प़	प़ध़	–	–	–	–	प़	–	प़	प़ध़	–	ध़	प़
ल	न	सं	ग	म	ह	कूं	ऽ	ऽ	पं	ऽ	छी	ब	न	क	र
प़	ध़	ध़	र	स	ऩ	ध़	–	–	प़	ध़	ध़	ध़	ध़	ध़	ध़
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	र	म	पु	नी	ऽ	त	प्र
प़ध़	ऩस	ध़	ऩ	–	ऩ	ध़	प़	ध़	र	र	र	र	–	र	स
भा	ऽ	त	ब	नूं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गूं	औ	ऽ	र	ज
र	म	म	म	म	ग	पम	–	–	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	प	ट	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
ध़	स	स	–	–	–	–	–	स	र	म॑	म॑	प	–	प	–
सो	ऽ	भा	ब	नूं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गूं	औ	ऽ	र	ज
प	ध	ध	प	म॑	–	प	–	–	प	ध	प	म	ग	र	स
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	की	बा	ऽ	त	ब
र	ग	म	–	–	ग	र	–	–	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़
ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं मन की बात..............।							
ध़	स	स	–	–	–	–	–								

+				।				+				।			
ऽ	चां	ऽ	दव	नूं	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	श	स	जा	ऽ	ॐ	ऽ
–	स	–	र	म॑	–	म॑	–	प	–	प	ध	म॑	–	प	–
ऽ	ता	ऽ	रे	रो	ऽ	ज	ज	ला	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	प	ध	ध	प	ध	न	सं	नध	–	प	–	–	–	–	–
ल	ह	र	ब	नूं	ऽ	प	ल	प	ल	ल	ह	रा	ऽ	ॐ	ऽ
प	म॑	प	प	प	–	प	म॑	प	प	म	म	म	ग	पम	–
ऽ	बा	द्	ल	ब	न	ज	ग	छा	ऽ	ॐ	ऽ	*	*	*	*
–	रग	ग	र	सा	ऩ	ऩ	रस	ऩ	–	ध़	स	र	ग	म॑	प
ल	ह	र	ब	नूं	ऽ	प	ल	प	ल	ल	ह	रा	ऽ	ॐ	ऽ
प	म॑	प	प	प	–	प	म॑	प	प	म	म	म	ग	पम	–
ऽ	बा	द्	ल	ब	न	ज	ग	छा	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	रग	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	–	–	–	–	–
तू	ऽ	बा	ऽ	द्	ल	का	ऽ	रू	ऽ	प	ब	ने	ऽ	मैं	ऽ
म॑	प	म॑प	धप	म	र	सर	मर	सऩ	–	ऩ	स	ध़	–	प़	–
ऽ	चा	त	क	रू	ऽ	प	ध	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ॐ	ऽ
–	स	स	स	स	र	सऩ	स	पम	ग	धप	म॑	ध	नध	प	–

+				।				+				।			
ऽ	सू	खा	ऽ	प्या	ऽ	सा	ऽ	ऽ	खे	त	ब	नूं	ऽ	मैं	ऽ
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	–	संन	न	न	ध	–	प	–
प	ल	प	ल	तु	झे	ऽ	बु	ला	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
प	प	प	ध	प	म	–	म	मग	रस	रम	–	–	म	ग	–
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	त	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	–	–	–	–	–
ऽ	मी	ऽ	ठा	गी	ऽ	त	ब	नूं	ऽ	झ	र	ने	ऽ	का	ऽ
–	र	ग	ग	रग	मग	र	स	ऩस	ऩध़	प़	प़	ध़	स	स	–
नि	त	नि	त	सु	न	त	सु	हा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	स	स	र	र	ग	प	म	–	ग	–	–	–	–	–
ऽ	आ	ऽ	शा	का	ऽ	स	प	ना	ऽ	ब	न	क	र	म	न
–	ग	प	प	गप	धन	सं	सं	संन	ध	प	प	पन	धन	प	प
ऽ	टू	ऽ	टे	जो	ऽ	ऽ	हृदि	खा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	प	ध	प	म	ग	र	स	र	म	म	–	–	ग	र	–

जिसे देखो वह दीवाना है....!

वाडिया मोवीटोन फिल्म		ताल		गायक
"हिन्द का लाल"		कहरवा		"ऐहमद दिलावर"

जिसे देखो वह दीवाना है।
ये दुनियां पागलखाना है॥
कोई शीरीं पर है शैदा, कोई मजनूं और कोई लैला।
कोई वामक और कोई अज़रा, कोई शमा कोई परवाना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥
कोई करे बुतों की पूजा, कोई जाये मसजिद गिरजा।
यह राज़ है क्या दर परदा, नहीं किसी का कोई ठिकाना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥
कोई बना है रंग रंगीला, कोई बना है छैल छबीला।
कोई बना है गुरू का चेला, आया यार ये कैसा ज़माना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥

स्वरलिपि☞

														ऩ	स
														जि	से
+				।				+				।			
ग॒	-	र	-	स	-	ऩ॒	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	स	र
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग॒	-	र	-	स	-	ऩ॒	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	स	-
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ

र	र	ग	-	म	-	प	प	पध	-	मप	-	ग̱	-	स	र
दु	नि	यां	ऽ	पा	ऽ	ग	ल	खाऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग̱	-	र	-	स	-	ऩ̱	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	सं	सं
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	को	ई
सं	-	न̱	-	ध	ध	प	ध	न	-	सं	-	-	-	सं	सं
शी	ऽ	रीं	ऽ	प	र	है	ऽ	शै	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	सं	न̱	-	ध	ध	प	ध	न	-	सं	-	-	-	सं	सं
म	ज	नूं	ऽ	औ	र	को	ई	लै	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	-	न̱	न̱	ध	ध	प	ध	न	न	सं	-	-	-	सं	सं
वा	ऽ	म	क	औ	र	को	ई	अ	ज़	रा	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	सं	-	न̱	न̱	-	ध	ध	पध	-	मप	-	ग̱	-	स	र
श	मा	ऽ	को	ई	ऽ	प	र	वाऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग̱	-	र	-	स	-	ऩ̱	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	स	र
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	जि	से

देखो वह दीवाना है। शेष अन्तरे भी इसी प्रकार बजेंगे।

पल न लगीं अँखियां दरस भरी !

बोम्बे टाकीज़ फिलम	जयजयवन्ती	गायिका
"आज़ाद"	तिताला	"हंसा"

पल न लगीं अँखियां, दरस भरी ।
याद परीं बतियां जो रस भरी ॥ पल न०.........॥
मोर मुकुट की शोभा न्यारी ।
मीरा निरख निरख छबि न्यारी ॥
भूल गईं सुधियां सगरी ॥ पल न०.........॥

०				३				×				२			
*	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
*	पल	न	ल	गी	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
र	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
ऽ	पल	न	ल	गी	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
*	र	र	ग	रग	मप	ग	म	प	ग	म	र	ग	र	ऩ	ध़
*	या	द	प	रीऽ	ऽऽ	ब	ति	यां	ऽ	ऽ	जो	र	स	भ	री
*	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
*	पल	न	ल	गीं	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
*	म	ग	म	प	न	ध	प	*	म	ग	प	मग	म	रग	र
*	मो	र	मु	कु	ट	की	ऽ	*	शो	भा	ऽ	न्याऽ	ऽ	रीऽ	ऽ

*	म	ग	म	*	पध	न	प	ग	म	-	पप	मग	म	रग	र
*	मी	रा	ऽ	*	निर	ख	नि	र	ख	ऽ	छबि	प्याऽ	ऽ	रीऽ	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	-	म	प	म	ग	म	र	ग	र	न	ध
*	भू	ल	ग	ई	ऽ	सु	धि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	स	ग	री	ऽ
*	रर	र	ग	र	स	र	न	म	-	-	स	स	र	न	ध
*	पल	न	ल	गीं	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री

——*——

30—N.P.K.

बन चले राम रघुराई............!

रणजीत फिल्म		ताल		गायक
"संत तुलसीदास"		त्रिताल		"विष्णुपन्त पगनीस"

बन चले राम रघुराई और संग जानकी माई ।
लछमन जैसा भाई, बन चले राम रघुराई ।
अवधपुरी के नर नारी ने आंसू नदी बहाई ॥
राम-राम करते दशरथ ने अपनी जान गँवाई ।
मात कौशिल्या बिलखत डोले, ज्यूं बछरे बिन गाई ॥ बन० ॥
राम बिना मेरी सूनी अयोध्या, लछमन बिन ठकुराई ।
सीता बिना मेरी सूनी रसोई, कौन करे चतुराई ॥ बन चले राम रघुराई

——*——

स्थाई☞

														ग	म
														व	
०				३				+				२			
प	सं	-	न	-	ध	ग	म	ग	-	ग	-	-	-	ग	म
च	ले	ऽ	रा	ऽ	म	र	घु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

०				३				×				२			
प	सं	-	न	-	ध	ग	म	ग	-	ग	-	-	-	ग	म
च	ले	ऽ	रा	ऽ	म	र	घु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	औ	र
प	-	प	प	-	प	ग	म	मप	धन	ध	-	-	-	-	-
सं	ऽ	ग	जा	ऽ	न	की	ऽ	माऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	न	न	सं	न	सं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
ल	छ	म	न	जै	ऽ	सा	ऽ	भा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	व	न

चल राम रघुराई............।

ग	ग	ग	ग	र	-	स	-	न	न	ध	-	ग	-	ग	-
अ	व	ध	पु	री	ऽ	के	ऽ	न	र	ना	ऽ	री	ऽ	ने	ऽ
-	ग	-	म	म	ध	-	ध	मप	धन	ध	-	-	-	-	-
*	आं	ऽ	सू	न	दी	ऽ	ब	हाऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	-	न	न	-	न	न	न	सं	-	सं	सं	सं	सं	सं	-
रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	क	र	ते	ऽ	द	श	र	थ	ने	ऽ
-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	-	-	-	प	ध
*	अ	प	नी	जा	ऽ	न	गँ	वा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	-	न	न	-	न	न	न	सं	-	सं	सं	सं	सं	सं	-
रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	क	र	ते	ऽ	द	श	र	थ	ने	ऽ

-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	-	-	-	-	-
*	अ	प	नी	जा	ऽ	न	गँ	वा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	गं	-	गं	गं	-	गं	-	गं	मं	गं	मं	गं	रं	सं	-
मा	ता	ऽ	कौ	शि	ऽ	ल्या	ऽ	बि	ल	ख	त	डो	ऽ	ले	ऽ
-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
*	ज्यूं	ब	छ	रे	ऽ	बि	न	गा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

चले राम रघुराई.....................।

स	-	र	र	म	-	म	ग	प	प	-	प	सं	-	सं	-
रा	ऽ	म	बि	ना	ऽ	मे	री	सू	नी	ऽ	अ	यो	ऽ	ध्या	ऽ
सं	सं	रं	रं	रं	रं	गं	गं	गं	-	रं	-	-	-	-	-
ल	छ	म	न	बि	न	ठ	कु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	गं	मं	-	पं	पं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
*	सी	ता	ऽ	बि	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	मं	-	पं	पं	-	पं	पं	पं	मं	-	गं	रं	-	सं	-
सी	ता	ऽ	बि	ना	ऽ	मे	री	सू	नी	ऽ	र	सो	ऽ	ई	ऽ
-	न	न	न	सं	-	सं	रं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
*	कौ	न	क	रे	ऽ	च	तु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

चले राम रघुराई....................

31-N P. K. 12-39

——*——

बरषा की रात

न्यू-थियेटर्स फिलम	ताल	गायक
"अधिकार"	कहरवा	पंकज मल्लिक

बरषा की रात आई मनवा, हरले मन का भार।
गरजत संकट का बादरवा, दुख की परत फुहार ॥ मनवा....॥
कारी रैन नागिन अति पापी, जियरा देख डराय।
मेघा गरजे जियरा लरजे, खोलो मनका द्वार ॥ मनवा...
नैनन ते नैना मुसकाये, छाये जगत उजियार।
मन में झर-झर अमृत बरसे, जैसे सावन की फुहार ॥ मनवा ॥
आओ बरषा रुत में बोलें, व्याकुल मन के बैन।
छोड़ जगत की उलटी रीती, झूंठा है संसार.......॥ मनवा ॥

स्वरलिपि

ग
व

+				।				+				।			
ग	गम	प	म	प	–	–	पर	*	प	मप	प	ग	प	गर	ग
र	खाऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	आ	ऽऽ	ई	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग	र	ग	–	र	स	–	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	पाऽ	ऽकी	
प	–	–	प	*	*	*	*	*	स	र	र	र	–	र	र
रा	ऽ	ऽ	त	*	*	*	*	*	गर	ज	त	सं	ऽ	क	ट
ग	म	प	–	ग	म	गर	ग	*	न	न	नध	*	न	न	सं
का	ऽ	वा	ऽ	द	र	वाऽ	ऽ	*	दु	ख	कीऽ	*	पर	त	फु

संन	धप	-	ध	ग	प	गर	ग	*	प	प	म	ग	र	ग	-
हाऽ	ऽऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ	*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ
र	स	-	ग	ग	गम	प	म	प	-	-	पर	*	*	*	*
भा	ऽ	र	व	र	याऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*
न	-	सं	-	न	-	म	म	प	प	ग	प	न	-	सं	-
का	ऽ	री	ऽ	रैं	ऽ	न	ना	गि	न	अ	ति	पा	ऽ	पी	ऽ
न	न	नसं	रं	नध	न	म	म	म	प	-	-	गम	प	-	म
जि	य	राऽ	ऽ	देऽ	ऽ	ग्र	इ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	य
म	र	म	-	म	म	म	-	म	र	गम	प	म	र	स	-
मे	ऽ	घा	ऽ	ग	र	जे	ऽ	जि	य	राऽ	ऽ	ल	र	जे	ऽ
*	न	-	न	न	न	पन	संरं	न	ध	प	ध	ग	प	गर	ग
*	खो	ऽ	लो	म	न	काऽ	ऽऽ	द्वा	ऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	प	ग	र	ग	-	र	स	-	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	व	र	खाऽ	ऽ	की
प	-	-	पर	*	*	*	*	ध	न	ध	प	म	प	-	-
रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*	नै	ऽ	न	न	ते	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	सं	रं	गं	रं	संन	धप	धन	ध	ध	प	म	प	-	-
नै	न	मु	स	का	ऽ	येऽ	ऽऽ	ऽऽ	नै	न	न	ते	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	सं	रं	गं	रं	संन	धप	*	ध	ध	न	ध	प	ध	प
नै	न	मु	ख	का	ऽ	येऽ	ऽऽ	*	छा	ये	ज	ग	त	उ	जि
म	प	प	–	ध	ध	ध	न	ध	प	ध	प	म	प	प	–
या	ऽ	ग	ऽ	ऽ	छा	ये	ज	ग	त	उ	जि	या	ऽ	गा	ऽ
*	स	रग	म	म	ग	र	र	*	स	ग	म	म	ग	गग	रर
*	मन	मेंऽ	ऽ	झ	र	झ	र	*	श्रम	रि	त	ब	र	सेऽ	ऽऽ
स	स	रग	म	म	ग	र	र	*	स	ग	म	म	ग	गग	रर
ऽ	मन	ऽमें	ऽ	झ	र	झ	र	*	श्रम	रि	त	ब	र	सेऽ	ऽऽ
*	सर	म	–	प	प	ध	ध	संसं	नध	प	ध	ग	प	गर	ग
*	जस	सा	ऽ	व	न	की	फु	हाऽ	ऽऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग	र	ग	–	र	स	–	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	खाऽ	ऽ	की
प	–	–	पर	*	*	*	*	*	रं	–	रं	सं	संरं	संन	धप
गा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*	*	आ	ऽ	वो	ब	रऽ	खाऽ	ऽऽ
प	प	धन	सं	नसं	रं	रं	–	*	रं	रं	रं	रं	सं	संरं	न
रु	त	मेंऽ	ऽ	बोऽ	ऽ	लें	ऽ	*	व्या	कु	ल	म	न	केऽ	ऽ
न	सं	–	सं	*	गं	गं	गं	रं	गं	सं	–	*	न	न	सं
बै	ऽ	ऽ	न	*	छो	ड़	ज	ग	त	की	ऽ	*	उ	ल	टी

नध	पध	प	-	*	ग	-	म	प	ध	न	सं	संसं	नध	प	ध
रीऽ	ऽऽ	ती	ऽ	*	भू	ऽ	ठा	है	ऽ	सं	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	र
ग	प	गर	ग	*	प	प	म	ग	र	ग	-	र	स	-	ग
म	न	वाऽ	ऽ	*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब
ग	गम	प	म	प	-	-	पर	*	प	मप	प	ग	प	गर	ग
र	थाऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	आ	ऽऽ	ई	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग	र	गर	ग	र	स	-	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	काऽ	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	थाऽ	ऽ	की
प	-	-	-	-	-	-	पर								
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तऽ								

32— N. P. K.

सुनरी सखी एक गोप सुता की !

भारत लक्ष्मी पिक्चर	ताल	गायिका
"मतवाली मीरा"	कहरवा	"कमला झरिया"

सुन री सखी एक गोप सुता की सुन्दर कथा सुनाऊँ।
जिसके अटल प्रेम पर मैं भी वारी वारी जाऊँ॥
द्वापर युग था ऋतु बसन्त की रस के झरने झरते।
रास रचाते कृष्ण कन्हैया मन की पीरा हरते॥
मस्त राग से कल कल करती बहती नदी तूफानी।
खोगई जिसमें बहते बहते इक गोपी दीवानी॥
प्रेम वियोग में जोगन बन कर इस दुनियां में आई।
राजपूत कुल की शोभा मतवाली मीरा बाई॥

ग	गर	गम	म	गर	ग	ऩ	स	ग	गर	गम	म	गर	ग	ऩ	स
सु	नऽ	रीऽ	स	खीऽ	ऽ	हां	हां	सु	नऽ	रीऽ	स	खीऽ	ऽ	ए	क
–	र	म	प	मप	धन	प	–	–	म	प	प	न	न	प	न
ऽ	गो	प	सु	ताऽ	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	सु	न्द	र	क	था	ऽ	सु
न	–	सं	–	–	–	–	–	न	न	न	–	न	न	न	न
ना	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जि	स	के	ऽ	अ	ट	ल	प्रे
सं	सं	सं	सं	न	ध	प	–	ध	–	म	–	प	–	ध	–
ऽ	भ	प	र	में	ऽ	भी	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ
म	ग	र	–	पम	गर	सऩ	स	सुनरी सखी··· ·················।							
जा	ऽ	ॐ	ऽ	*	*	*	*								
*	सं	रं	रं	रं	गं	रंगं	मं	मं	गं	रं	सं	न	न	सं	–
*	द्वा	प	र	यु	ग	थाऽ	ऽ	ऋ	तु	व	सं	ऽ	त	की	ऽ
*	मम	प	–	न	प	न	–	सं	न	सं	–	–	–	–	–
*	रस	के	ऽ	भ	र	ने	ऽ	भ	र	ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–न	न	न	–	सं	–	नसं	रं	रं	सं	नध	प	पध	पध
*	रा	ऽस	र	चा	ऽ	ते	ऽ	कृऽ	ऽ	ष्ण	क	न्है	ऽ	यांऽ	ऽऽ
नसं	न	–न	न	न	–	सं	–	नसं	रं	रं	सं	न	ध	प	–
ऽऽ	रा	ऽस	र	चा	ऽ	ते	ऽ	कृऽ	ऽ	ष्ण	क	न्है	ऽ	यां	ऽ

प	प	म	–	प	–	ध	–	म	ग	र	–	पम	गर	सन्	स
म	न	की	ऽ	पी	ऽ	ड़ा	ऽ	ह	र	ते	ऽ	*	*	*	*
म	–	म	म	–	म	म	–	ग	ग	म	म	ग	ग	स	–
म	ऽ	स्त	रा	ऽ	ग	से	ऽ	क	ल	क	ल	क	र	ती	ऽ
*	रर	म	–	म	प	–	प	म	ध	प	–	म	ग	र	स
*	बह	ती	ऽ	न	दी	ऽ	तु	फा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	म	–	म	म	–	ग	ग	म	म	ग	ग	स	–
म	ऽ	स्त	रा	ऽ	ग	से	ऽ	क	ल	क	ल	क	र	ती	ऽ
*	रर	म	–	म	प	–	प	म	ध	पध	मप	–	–	–	–
*	बह	ती	ऽ	न	दी	ऽ	तु	फा	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	–	*	धध	न	सं	ध	न॒	प	–
*	खो	ग	ई	जि	स	में	ऽ	*	बह	ते	ऽ	ब	ह	ते	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध ध	धन॒		धन	प	धध	न	सं	ध	न॒	प	–
*	खो	ग	ई	जि स	मेंऽ		ऽऽ	ऽ	बह	ते	ऽ	ब	ह	ते	ऽ
स	र	म	प	धसं	प	प	ध	म	ग	र	–	पम	गर	सन्	स
इ	क	गो	ऽ	पीऽ	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	नी	ऽ	*	*	*	*
*	म	प	प	न	–	न	न	*	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं
*	प्रे	म	वि	यो	ऽ	ग	में	*	जो	ग	न	ब	न	क	र

*	पन	न	न	न	-	सं	-	पन	पन	संरं	रं	न	ध	प	-
*	इस	दु	नि	यां	ऽ	में	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
रं	-	रं	रं	-	रं	मं	मं	गं	-	गं	-	सं	न	सं	-
रा	ऽ	ज	पू	ऽ	त	कु	ल	की	ऽ	शो	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ
नसं	रं	रं	रं	-	रं	मं	मं	गं	-	गं	-	सं	-	सं	सं
राऽ	ऽ	ज	पू	ऽ	त	कु	ल	की	ऽ	शो	ऽ	भा	ऽ	म	त
सं	-	सं	प	प	न	पन	संरं	न	-	प	-	-	-	प	प
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	राऽ	ऽऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	म	त
ध	-	म	-	प	-	मप	ध	म	-	र	-	-	-	स	स
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	राऽ	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	म	त
र	-	म	-	प	-	न	-	न	-	सं	-	-	-	-	-
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	रा	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

—— * —— 33—N.P.K.

ओ मांझी ओ मांझी........!

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायक
फिल्म "तलाक़"	धुमाली	ऐच. के. मस्ताना

ओ मांझी, ओ मांझी।
ओ मांझी, ओ मांझी ॥
सोच समझ कर लगा नाव में, बल्ली का पतवारा।
नदिया गहरी दूर किनारा ॥ ओ मांझी............॥

छोड़-छोड़ कर अंधियारी में, जाना है उस ओर।
अपनी बल्ली अपना लङ्गर, अपनी लेचल डोर॥
अपना होजा आप सहारा॥
नदिया गहरी दूर किनारा॥ ओ मांझी............॥

+				+				+				+			
र	स	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	म॑	प	–
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
स	–	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	म॑	प	–
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	ध	प	प	मग	र	र	ग	–	र	–	र	स	–
*	सो	च	स	म	झ	कर	ऽ	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	व	में	ऽ
र	–	म	–	प	–	ध	ध	न॒	–	प	–	म	ग	र	स
ब	ऽ	ल्ली	ऽ	का	ऽ	प	त	वा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	ध	प	प	मग	र	र	ग	–	र	–	र	स	–
*	सो	च	स	म	झ	कर	ऽ	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	व	में	ऽ
र	–	म	–	प	–	ध	ध	न॒	–	प	–	–	–	न	–
ब	ऽ	ल्ली	ऽ	का	ऽ	प	त	वा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	नन	न	–	न	न	ध	–	प	ध	ध	प	ग	र	स	–
*	नदि	या	ऽ	ग	ह	री	ऽ	दू	ऽ	र	कि	ना	ऽ	रा	ऽ

न	नन	न	–	न	न	ध	–	प	ध	ध	प	ग	र	स	–
ऽ	नदि	या	ऽ	ग	ह	री	ऽ	दू	ऽ	र	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
स	–	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	–	प	र
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	र	र	प	प	प	प	*	पप	प	म॑	प	ध॒	सं	–
छो	ऽ	ड़	छो	ऽ	ड़	क	र	*	अंखि	या	ऽ	री	ऽ	में	ऽ
–	–	–	–	स	र	र	र	प	प	प	प	–	पप	प	म॑
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा बजाओ–)											
प	ध॒	सं	–	*	सं	–	सं	ऩध	प	ध	न	न	प	–	–
*	*	*	*	*	जा	ऽ	ना	हैऽ	ऽ	उ	स	ओ	ऽ	ऽ	र
म	ग	र	स	स	र	र	र	प	प	प	प	*	पप	प	म॑
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छो	ऽ	ड़	छो	ऽ	ड़	क	र	*	अंखि	या	ऽ
प	ध॒	सं	–	*	सं	–	सं	नध	प	ध	न	न	प	–	–
री	ऽ	में	ऽ	*	जा	ऽ	ना	हैऽ	ऽ	उ	स	ओ	ऽ	ऽ	र
प	ध	रं	–	*	रं	रं	रं	सं	–	ध	–	प	प	ग	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	अ	प	नी	ब	ऽ	ल्ली	ऽ	अ	प	ना	ऽ
र	–	स	स	रं	रं	रं	रं	सं	–	ध	–	प	प	ग	–
लं	ऽ	ग	र	ऽ	अ	प	नी	ब	ऽ	ल्ली	ऽ	अ	प	ना	ऽ

र	–	स	स	*	म	म	म	प	–	ध	ध	प	–	–	–
नं	ऽ	ग	र	*	अ	प	नी	ले	ऽ	च	ल	डो	ऽ	ऽ	ऽ
म		म													
प	–	प	–	*	प	प	प	ध	सं	सं	–	*	न	न	न
ऽ	ऽ	ऽ	र	*	अ	प	ना	हो	ऽ	जा	ऽ	*	आ	प	स
ध	–	प	ग	*	प	प	प	ध	रं	सं	–	*	न	न	न
हा	ऽ	रा	ऽ	*	अ	प	ना	हो	ऽ	जा	ऽ	*	आ	प	स
ध	–	प	ग	सं	न	न	न	न	न	ध	–	प	ध	ध	प
हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	न	दि	या	ग	ह	री	ऽ	दू	ऽ	र	कि
ग	र	स	–	ओ मांझी ओ मांझी..।											
ना	ऽ	रा	ऽ												

34—N.P.K.

पिया मिलन को जाना

न्यूथ्येटर्स फिलम		ताल		गायक
"कपाल कुण्डला"		तिताला		"पङ्कज मल्लिक"

पिया मिलन को जाना ॥

जग की लाज मन की मौज, दोनों को निभाना ॥ पिया............॥

कांटे बिथरा के चलूं, पानी ढुलका के चलूं।

सुख के लिये सीख रखूं, पहिले दुःख उठाना ॥ पिया............॥

पायल को बांध के, उट्ठी सुख मान के, धीरे धीरे, दबे दबे।

पांव को बढ़ाना ॥ पिया............॥

बुझे दिये अंधेरी रात, आंखों पर दोनों हाथ,।

कैसे कटे कठिन बाट, चल के आज़माना ॥ पिया............

०				३				×				२			
प	र	–	म	ग	र	स	र	नृ	–	स	–	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	स	र	नृ	–	स	–	–	–	–	–
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
–	र	स	नृ	धृ	–	–	–	*	धृ	पृ	धृ	र	–	–	–
*	ज	ग	की	ला	ऽ	ऽ	ज	*	म	न	की	मौ	ऽ	ऽ	ज
*	र	–	र	र	स	–	स	र	र	ग	ग	म	म	प	प
*	दो	ऽ	नों	को	ऽ	ऽ	नि	भा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	ग	र	नृ	–	स	–	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	–	पप	ध	न	–	न	न	सं	–	–	प	*	*	*
कां	टे	ऽ	बिथ	रा	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
न	–	न	नन	न	न	प	न	न	सं	–	प	नसं	रं	–	सं
पा	ऽ	नी	ढल	का	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	प	–	पप	ध	न	–	न	न	सं	–	–	प	*	*	*
कां	टे	ऽ	बिथ	रा	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
न	–	न	नन	न	न	प	न	न	सं	–	प	–	–	–	–
पा	ऽ	नी	ढल	का	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	प	–	प	प	–	*	*	गम	प	म	ग	र	ग	प
सु	ख	के	ऽ	लि	ये	ऽ	*	*	सीऽ	ऽख	र	खूं	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	प	–	प	प	–	*	*	गम	प	म	ग	र	ग	–
सु	ख	के	ऽ	लि	ये	ऽ	*	*	सीऽ	ऽख	र	खूं	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	र	–	स	ऩ	स	स	र	–	ग	ग	म	म	प	प
प	हि	ले	ऽ	दुः	ऽ	ख	उ	ठा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया मिलन को...।

प	ग	–	म	प	प	प	म	प	ग	–	म	प	प	प	म
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
प	ग	–	म	प	प	प	म	ध	ध	–	ध	ध	न	ध	न
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	उ	ट्ठी	ऽ	सुख	मा	न	के	ऽ
प	ग	–	म	प	प	प	म	प	ग	–	म	प	प	प	म
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
न	न	–		न	–	प	–	प	ग	–	प	ग	स	–	–
धी	रे	ऽ	धी	रे	ऽ	ऽ	ऽ	द	बे	ऽ	द	बे	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	स	र	स	–	*	स	र	र	ग	ग	म	म	प	प
*	पां	ऽ	व	को	ऽ	*	ब	ढ़ा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया मिलन को...

ग	ग	–	र	ग	–	–	*	ग	ग	प	ग	र	स	–	–
बु	झे	ऽ	दि	ये	ऽ	ऽ	*	अं	धे	ऽ	री	रा	ऽ	ऽ	त
स	प	प	–	प	–	–	–	*	ग	प	म	ग	–	–	–
आं	ऽ	खों	ऽ	पर	ऽ	ऽ	ऽ	*	दो	ऽ	नों	हा	ऽ	ऽ	थ
ग	ग	–	र	ग	–	–	*	ग	ग	प	ग	र	स	–	–
बु	झे	ऽ	दि	ये	ऽ	ऽ	*	अं	धे	ऽ	री	रा	ऽ	ऽ	त
प	–	प	–	प	–	प	–	*	ग	प	म	ग	–	–	–
ऽ	त	आं	ऽ	खों	ऽ	पर	ऽ	*	दो	ऽ	नों	हा	ऽ	ऽ	थ
न	–	न	–	न	न	–	प	*	न	न	सं	सं	–	–	सं
कै	ऽ	से	ऽ	क	टे	ऽ	ऽ	*	क	ठि	न	बा	ऽ	ऽ	ट
न	न	न	–	*	ध	–	ध	न	–	न	प	–	र	–	–
च	ल	के	ऽ	*	आ	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	स	र	ऩ	–	स	–	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	स	र	ऩ	र	स	र	–	न	सं	सं
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ना
सं	सं	-	सं	सं	सं	सं	–	ध	न	न	प	–	रं	–	रं
मि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ना

०				३				×				२			
सं	सं	–	सं	सं	सं	सं	–	ध	न	न	प	प	र	–	–
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया मिलन को.................................. । 35—N. P. K.

हमरी नगरिया में........!

फिल्म		ताल		गायिका
"विद्यापति"	✤✤	कहरवा	✤✤	"काननबाला"

हमरी नगरिया में, आय बसो बनवारी !
भांति २ के फूल खिले हैं, ऋतु आई अति प्यारी ॥ आय बसो बनवारी ॥
रह लाख लाख जुग मन मन में, नहीं प्यास मिटी हमरे मन की ।
बसे नैनन बीच सदा नैना, नहीं भूख गई इन नैनन की ॥

—:✱:—

ठेका बन्द रहेगा (बिनाताल)

ग	म	प	न	न	न	न	–	सं	–	–	–	–	पनपन	नसंनप	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
न	–	नन	न	–	–	नध	न	–	धप	ध	–	प	–	–	म
आ	ऽ	यब	सो	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	–	✱	ग	म	प	न	सं	गं	–	–	–	गं	पं	मं
ऽ	ऽ	ऽ	✱	आ	ऽ	य	ब	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	वा
–	गं	–	–	–	–	–	–								
ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	✱	✱	✱								

ठेका शुरू (कहरवा)

+				।				+				।			
ग	म	प	न	न	न	न	रं	सं	–	–	–	न	–	प	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	नध	प	प		म	–	ग	–	–	–	गम	ग
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
ग	म	प	प	पध	प	प	प	प	ध	न	सं	सं	रं	नध	प
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	ऽ
प	–	प	प	मग	र	ग	प	मग	रग	स	–	–	–	–	–
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	*	*	*	*
ग	म	प	न	न	न	न	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

दुगुन कहरवा

+				।				+				।			
न	–	न	न	–	न	न	–	ध	न	ध	सं	न	ध	प	–
भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति	के	ऽ	फू	ऽ	ल	खि	ले	ऽ	हैं	ऽ
प	सं	सं	–	न	ध	प	ध	म	–	ग	–	–	–	गम	ग
ऋ	त	आ	ऽ	ई	ऽ	अ	ति	प्या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
ग	म	प	प	प	–	प	प	प	ध	न	सं	सं	रं	नध	प
आ	ऽ	य	ब	सो	ऽ	ब	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	ऽ

प	–	प	प	मग	र	ग	प	सग	रग	स	–	–	–	–	–
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	*	*	*	*
ग	म	प	न	न	न	न	-	सं	–	–	–	–	–	न	सं
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ह
गं	–	गं	गं	–	गं	रं	सं	सं	रं	रं	गंरं	सं	–	ध	प
ला	ऽ	ख	ला	ऽ	ख	जु	ग	म	न	म	नऽ	में	ऽ	न	हीं
–	प	प	प	पध	न	धन	सं	नसं	रं	संरं	गंरं	सं	–	न	न
ऽ	प्या	स	मि	टीऽ	ऽ	हऽ	म	रेऽ	ऽ	मऽ	नऽ	की	ऽ	ब	से
–	न	न	न	न	–	न	न	नध	पम	धन	धन	पध	मप	गर	स
ऽ	नै	न	न	बी	ऽ	च	स	द्वाऽ	ऽऽ	नैऽ	ऽऽ	नाऽ	ऽऽ	न	हीं
–	र	म	प	प	–	प	प	प	न	न	रं	सं	–		
ऽ	भू	ख	ग	ई	ऽ	इ	न	नै	ऽ	न	न	की	ऽ		

—o-*-o—

36—N. P. K. 12—39

रघुपति राघव राजाराम········!

रणजीत मोवीटोन		ताल		गायक
फिल्म "अछूत"		कहरवा		गौहर, बासंती और कोरस

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम।
सीताराम, सीताराम, भज प्यारे तू सीताराम ॥ रघुपति०···॥

तू ही राम राम राम राम तूही राम······।
जल में राम, थल में राम, सारे जग में तूही राम ॥
तूही राम, तूही राम, तूही राम, तूही राम ।
तूही राम राम राम राम तूही राम ॥ रघुपति०············॥

×				।				×				।			
ध़	स	स	स	स	-	स	ध़	स	-	र	-	ग	म	ग	म
र	घु	प	ति	रा	ऽ	घ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	ग॒	-	ग॒	र	-	ऩ॒	ऩ॒	स	-	स	-	स	-	-	स
प	ति	ऽ	त	पा	ऽ	व	न	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
स	ग	ग	-	ग	-	-	ग	ग	म	म	-	म	र	म	-
सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	र	म	-	प	ध॒	प	-	म	-	ग॒	-	स	-	-	-
भ	ज	प्या	ऽ	रे	ऽ	तू	ऽ	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
ध़	स	स	स	स	-	स	ध़	स	-	र	-	ग	म	ग	म
र	घु	प	ति	रा	ऽ	घ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	ग॒	-	ग॒	र	-	ऩ॒	ऩ॒	स	-	स	-	स	-स	ऩ॒	स
प	ति	ऽ	त	पा	ऽ	व	न	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽम	तू	ही
स	-	-	प	म	ग॒	म	म	र॒	-	-	ग॒	स	-स	न॒	स
रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽम	तू	ही

स	–	–	प	म	ग	म	म	र	–	–	ग	स	–स	न	स
रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽम	तू	ही
स	–	–	–	–	–	–	–	म	प	प	–	ध	–	–	–
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	त	न	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
प	प	प	–	म	–	–	–	ग	म	प	–	म	–	ग	ग
म	न	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	ज	ग	का	ऽ	कं	ऽ	च	न
–	र	ग	र	स	–	–	–								
ऽ	ते	ऽ	रा	धा	ऽ	ऽ	म	तूही राम राम……………………।							
ध	ध	प	म	ध	–	सं	–	सं	सं	रं	–	सं	–	–	–
ज	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	थ	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
रं	–	रं	–	रं	रं	रं	–	सं	रं	गं	रं	सं	–	–	–
सा	ऽ	रे	ऽ	ज	ग	में	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
ध	ध	प	म	ध	–	सं	–	सं	सं	रं	–	सं	ध	म	–
ज	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	थ	ल	में	ऽ	रा	ऽ	म	ऽ
रं	–	रं	–	रं	रं	रं	–	सं	रं	गं	रं	सं	–सं	सं	सं
सा	ऽ	रे	ऽ	ज	ग	में	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽम	तू	ही
रं	–	–	–	–	–	सं	सं	सं	ध	–	–	–	–	प	प
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही

प	ग	-	-	-	-	र	र	स	-	-	-	-	-	स	स
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही

राम राम राम राम तूही राम..।

37—N.P.K.8—40

ऐ दर्द ज़रा दम ले.........!

कृष्णा मोवीटोन	✣ ✣	ताल	✣ ✣	गायिका
फिल्म "ज़माना"	✣ ✣	दादरा	✣ ✣	"अमीरजान"

ऐ दर्द ज़रा दम ले, करवट तो बदल ने दे।
अरमान मेरे दिल को, पहलू में सँभलने दे॥
दम लेके मेरे अरमां, आंखों में उतर आये।
रोकर ही मेरे दिल के, अरमान निकलने दे॥
परवाने के जलने से, जलती है तू क्यूं शमां।
लिक्खा है अज़ल से ही जलता है तो जलने दे॥

—✻:—:✻—

बिना ठेका—

सर	गर	सर	म	-	-	-	-	म	-	-	-
ऐऽ	ऽऽ	ऽऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र्द	ऽ	✻	✻
म	मप	मप	-	गर	ग	-	-	-	-	र	ग
ज़	राऽ	ऽऽ	ऽ	दम	ले	ऽ	ऽ	ऽ	✻	क	र

ताल शुरू—

+			०			+			०		
स	र	स	स	ध़	ऩ	सर	ग	र	स	सर	ऩस
व	ट	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	ऐऽ	ऽऽ

म	–	म	म	मप	मपध	र	र	ग	–	र	ग
द	ऽ	र्द	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध़	ऩ	सर	ग	र	स	स	र
ब	ट	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	अ	र
प	–	प	प	पन	धप	म	प	ग	म	स	र
मा	ऽ	न	भ	रेऽ	ऽऽ	दि	ल	को	ऽ	अ	र
प	–	प	प	पध	न	ध	पध	ग	म	म	म
मा	ऽ	न	भ	रेऽ	ऽ	ऽ	दिल	को	ऽ	प	ह
र	म	ग	ग	र	र	ग	स	सर	म	सर	ऩस
लू	ऽ	में	सँ	भ	ल	ने	ऽ	देऽ	ऽ	ऐऽ	ऽऽ
म	–	म	म	मप	मपध	र	र	ग	–	र	ग
द	ऽ	र्द	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध़	ऩ	सर	ग	र	स	प	प
ब	ट	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	द	म
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	–	पध	न
ले	ऽ	के	मे	ऽ	रे	अ	र	मां	ऽ	आंऽ	ऽ
न	–	न	न	न	न	ध	प	पध	नसं	ध	प
खों	ऽ	में	उ	त	र	आ	ऽ	येऽ	ऽऽ	द	म

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	–	न	–
ले	ऽ	के	मे	ऽ	रे	अ	र	मां	ऽ	आं	ऽ
न	–	न	न	न	न	ध	–	प	–	सं	–
खों	ऽ	में	उ	त	र	आ	ऽ	ये	ऽ	रो	ऽ
सं	रं	सं	न	सं	न	ध	न	ध	प	प	प
क	र	ही	मे	ऽ	रे	दि	ल	के	ऽ	अ	र
मप	पध	प	प	म	म	ग	स	सर	म	सर	नस
माऽ	ऽऽ	न	नि	क	ल	ने	ऽ	देऽ	ऽ	पेऽ	ऽऽ
म	–	म	म	मप	मपध	र	र	ग	–	र	ग
द	ऽ	दें	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध	न	सर	ग	र	स	प	ध
ब	द	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	प	र
सं	–	सं	सं	सं	सं	धन	सं	न	ध	न	ध
वा	ऽ	ने	के	ज	ल	नेऽ	ऽ	से	ज	ल	ती
प	–	ध	न	सं	न	सं	–	–	–	प	ध
है	ऽ	तु	क्यों	ऽ	श	मा	ऽ	ऽ	ऽ	प	र
सं	–	सं	सं	सं	सं	धन	सं	न	ध	न	ध
वा	ऽ	ने	के	ज	ल	नेऽ	ऽ	से	ज	ल	ती

प	–	ध	न	सं	न	सं	–	–	–	*	प
है	ऽ	तु	क्यों	ऽ	श	मा	ऽ	ऽ	ऽ	*	लि
प	–	प	प	प	प	न	–	ध	प	ग	प
क्खा	ऽ	है	अ	ज़	ल	से	ऽ	ही	ऽ	ऽ	लि
प	–	प	प	प	प	न	–	ध	प	*	पप
,क्खा	ऽ	है	अ	ज़	ल	से	ऽ	ही	ऽ	*	जल
प	ध	प	म	म	म	ग	स	सर	म	सर	ऩस
ता	ऽ	है	तो	ज	ल	ने	ऽ	देऽ	ऽ	ऐऽ	ऽऽ
म	–	म	म	मप	मपध	र	र	ग	–	र	ग
द	ऽ	दे	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध़	ऩ	सर	ग	र	स	सर	ऩस
ब	ट	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	ऐऽ	ऽऽ
म	–	–	म	–	–						
द	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ						

हवा तुम धीरे बहो…………!

बौम्बे टाकीज़		ताल		गायिका
फ़िल्म "कङ्गन"		कहरवा–दुगुन		"लीला चिटनीस"

हवा तुम धीरे बहो, मेरे आते होंगे चित चोर।
छोटी सी मेरी दिल की तलैया, डगमग डोले प्रीत की नैया।
ओ पुरवैया दया करो, मेरे हिया में उठत हिलोर॥ हवा… ॥

स्वरलिपि

															स
															ह
+				+				+				+			
र	–	म	प	ध	ध	–	ध	धन	धन	पध	पध	मप	मग	र	–
वा	ऽ	तु	म	धी	रे	ऽ	ब	होऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	*
–	–	स	स	धस	धस	–	स	र	–	म	म	ग	र	र	स
*	*	मे	रे	आऽ	तेऽ	ऽ	हों	गे	ऽ	चि	त	चो	ऽ	र	ह
र	–	म	प	ध	ध	–	ध	ध	प	–	–	–	–	–	स
वा	ऽ	तु	म	धी	रे	ऽ	ब	हो	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	ह

वा तुम धीरे……………

म	प	सं	सं	नु	–	ध	प	प	ध	प	प	म	–	ग	र
छो	टी	ऽ	सी	मे	ऽ	री	ऽ	दि	ल	की	त	लै	ऽ	या	ऽ
*	सस	र	र	र	ग	र	स	ध़	स	र	ग	म	ग	र	–
*	डग	म	ग	डो	ऽ	ले	ऽ	प्री	ऽ	त	की	नै	ऽ	या	ऽ

ध	-	ध	प	ध	न॒	ध	-	ध	प	ध	प	ध	-	-	-
ओ	ऽ	पु	र	वै	ऽ	या	ऽ	द	या	ऽ	क	रा	ऽ	ऽ	ऽ
ध	-	ध	प	ध	-	म	प	प	सं	-	न॒	ध	ध	प	प
*	*	*	*	*	*	मे	रे	हि	या	ऽ	में	उ	ठ	त	हि
म	ग	र	स												
लो	ऽ	र	ह	वा तुम धीर बहो...............।											

39—N P K 6—40

मोहनी जग की माया.......!

मिनर्वा मोवीटोन	✤ ✤	ताल	✤ ✤	गायिका
फ़िल्म "वसीयत"	✤ ✤	कहरवा	✤ ✤	"शीला"

मोहनी जग की माया, मोहनी जग की माया।
बनकर प्रेम हर एक हृदय में, अपना रंग जमाया।
मन मोहन संसार बसाया, मनहर रूप रचाया॥
मोहनी जग की................॥
कुहू कुहू कुहू कह रही कोयलिया,
पी को पुकारे कहीं पपीहा।
एक सुनहरा जाल बिछाकर, जग सारा उलझाया॥
मोहनी जग की...............॥

+				।				+				।			
*	म	स	ध	ध	ध	ध	-	ध॒	ध	ध	सं	सं	रं	सं	न॒
*	मो	ह	नी	ज	ग	की	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	ध	ध	ध	प	प	म	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
*	मो	ह	नी	ज	ग	की	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	ध	सं	सं	सं	न	न	ध	ध	धन	सं	न	रं
*	बन	क	र	प्रे	ऽ	म	ह	रे	क	हि	र	दय	ऽ	में	ऽ
*	सं	सं	सं	न	-	ध	ध	पध	न	प	-	गम	पध	मप	ध
*	अ	प	ना	रं	ऽ	ग	ज	माऽ	ऽ	या	ऽ	*	*	*	*
*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध	मप	धन	सं	ध	पध	नध	प	-
*	म	न	मो	ह	न	सं	ऽ	साऽ	ऽऽ	र	ब	साऽ	ऽऽ	या	ऽ
न	न	न	न	ध	-	प	म	ग	-	र	-	रग	मप	गम	पध
ऽ	मन	ह	र	रू	ऽ	प	र	चा	ऽ	या	ऽ	*	*	*	*
ध	न	न	न	ध	-	प	म	ग	-	र	-	रग	म	गम	प
*	मन	ह	र	रू	ऽ	प	र	चा	ऽ	या	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
स	म	स	ध												
ऽ	मो	ह	नी	जग की..............................!											
ग	म	ग	र	स	स	-	*	स	र	-	-	र	ग	-	-
कु	हू	कु	हू	कु	हू	ऽ	*	कु	हू	ऽ	ऽ	कु	हू	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	स	र	ध	ध	-	प	ध	सं	न	सं
कु	हू	कु	हू	कु	हू	क	ह	र	ही	ऽ	को	य	लि	या	ऽ

*	न	न	सं	धन	संन	ध	–	*	ध	ध	ध	धध	नध	म	–
*	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	क	हीं	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
सं	न	न	सं	धन	संन	ध	–	*	ध	ध	ध	धध	नध	म	–
ऽ	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	क	हीं	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	–	*	स	र	–	–	न	सं	–	–
कु	हू	कु	हू	कु	हू	ऽ	*	कु	हू	ऽ	ऽ	कु	हू	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	स	र	ध	ध	–	प	ध	सं	न	सं
कु	हू	कु	हू	कु	हू	क	ह	र	हीं	ऽ	को	य	लि	या	ऽ
*	न	न	सं	धन	संन	ध	–	ध	ध	–	ध	धध	नध	म	–
*	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	क	हीं	ऽ	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
*	प	प	ध	ध	सं	सं	–	*	ध	ध	सं	सं	रं	रं	–
*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ	*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ
*	सं	सं	रं	रं	गं	–	–	–	–	रंसं	रंगं	सं	–	–	–
*	ए	क	सु	न	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	सं	सं	–	*	रं	रं	रं	संरं	गं	सं	सं
*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ	*	जा	ल	बि	छाऽ	ऽ	क	र
*	न	न	न	ध	–	प	म	रग	मग	र	–	रग	मप	गम	पध
*	ज	ग	सा	रा	ऽ	उ	ल	झाऽ	ऽऽ	या	ऽ	*	*	*	*

ध	न	न	न	ध	-	प	म	रग	मग	र	-	रग	म	गम	प
*	ज	ग	सा	रा	ऽ	उ	ल	भ्फाऽ	ऽऽ	या	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
स	म	स	ध												
ऽ	मो	ह	नी	जग	की	माया……………………………।									

—*—

40—N.P.K.

मुझे राम से कोई मिलादे !

रणजीत फिल्म		ताल		गायक
"सन्त तुलसीदास"		कहरवा		विष्णुपन्त पगनिस

मुझे राम से कोई मिलादे।
बिन लाठी का निकला अन्धा, राह से कोई लगादे,
कोई कहे वह बसें अवध में, कोई कहे वृन्दाबन में।
कोई कहे तीरथ मन्दिर में, कोई कहे मिलते बन में,
देख सकूं मैं इनको मन में, ऐसी ज्योति जगादे ॥ मुझे० ॥

—स्थाई—

+				।				+				।			
														स	स
														मु	झे
र	प	प	प	म	ग	र	स	र	ग	र (ऊपर) स	-	-	-	-	-
रा	ऽ	म	से	को	ऽ	इ	मि	ला	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

म	ध	ध	–	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	न	ध	न	प	–
वि	न	ला	ऽ	ठो	ऽ	का	ऽ	नि	क	ला	ऽ	अं	ऽ	धा	ऽ
सं	–	सं	सं	न॒	ध	प	म	प	ध	प	म	ग	र	स	स
रा	ऽ	ह	से	को	ऽ	ई	ल	गा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे

—अन्तरा—

+				।				+				।			
म	–	म	म	म	–	मग	ग	मग	गप	–	प	प	प	प	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	व	ह	ब	सें	ऽ	अ	व	ध	में	ऽ
ध	–	ध	न॒	ध	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	वृ	ऽ	न्दा	ऽ	व	न	में	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	सं	–	ध	ध	न	सं	न	न	ध	–
को	ऽ	इ	क	हे	ऽ	ती	ऽ	र	थ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	प	म	प	म	ध	प	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	मि	ल	ते	ऽ	ब	न	में	ऽ	ऽ	ऽ
प	रं	रं	रं	रं	–	रं	–	सं	रं	गं	मं	गं	गं	रं	सं
दे	ऽ	ख	स	कूं	ऽ	मैं	ऽ	उ	न	को	ऽ	म	न	में	ऽ
सं	–	सं	–	न॒	ध	म	म	प	ध	प	म	ग	र	स	स
ऐ	ऽ	सी	ऽ	ज्यो	ऽ	ति	ज	गा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे

यूं दर्द भरे दिल की.........!

न्यूथ्येटर्स फ़िल्म	✠ ✠	ताल दादरा	✠ ✠	गायक
"कपाल कुण्डला"	✠ ✠	ग़ज़ल	✠ ✠	पङ्कज मल्लिक

यूं दर्द भरे दिल की आवाज़ सुनायेंगे।
बे दर्द के दिल को भी हम दर्द बनायेंगे ॥
गंगा से मिले जमुना और मिल के बहें दोनों।
हां होगा अगर आंसू तासीर दिखायेंगे ॥
ऐ आरज़ू आप आकर जो देगये याद अपनी।
अब कोई बुलाये भी तो काहे को आयेंगे ॥

स्वरलिपि☞

										ग	म
										यूं	ऽ
+			o			+			o		
ध॒	-	ध॒	ध॒	ध॒	-	म	ध॒प	मग	म	ग	म
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	ऽ	*	*	*	यूं	ऽ
ध॒	-	ध॒	ध॒	ध॒	-	प	प	प	म	म	प
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	दि	ल	की	ऽ	आ	ऽ
स	-	र॒	म	म	-	ध॒	-	ध॒	-	ग	म
वा	ऽ	ज़	सु	ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ
ध॒	-	ध॒	ध॒	ध॒	-	म	ध॒प	मग	म	ग	म
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	ऽ	*	*	*	बे	ऽ

ध	-	ध	ध	ध	ध	प	-	प	म	म	प
द	ऽ	र्द	के	दि	ल	को	ऽ	भी	ऽ	ह	म
स	-	र	म	म	-	ध	-	ध	-	ग	म
द	ऽ	र्द	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	बे	ऽ
ध	-	ध	ध	-	-						
द	ऽ	र्द	के	ऽ	ऽ	दिल को भी..................।					

अब ठेका बन्द रहेगा

+			०			+			०		
सं	-	सं	-	-	सं	-	-	सं	सं	-	-
गं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	मि	ले	ऽ	ऽ
*	न	सं	नसं	गरं	संन	धप	पध	न	-	-	ध
*	ज	मु	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	सं	न	ध	-	-	-	-	ध	-	ध
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र
*	प	प	म	म	ग	-	-	म	न	ध	-
*	मि	ल	के	ब	हैं	ऽ	ऽ	दो	ऽ	नों	ऽ
-	-	-	म	ग	म	ध	-	ध	म	ग	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	हो	ऽ	गा	ऽ	*	*

ध	-	ध	म	ग	म
*	*	*	*	हाँ	ऽ

ठेका शुरू

+			o			+			o		
ध	-	ध	ध	ध	ध	ध	प	प	-	म	प
	ऽ	गा	अ	ग	र	आं	ऽ	सू	ऽ	ता	ऽ
स	-	र	म	म	-	ध	-	ध	-	ग	म
सी	ऽ	र	दि	खा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ

दर्द भरे दिल............।

फिर ठेका बन्द —

गं	-	-	गं	-	रं	रं	रं	-	-	-	-
ऐ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	र	जू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	-	रं	रं	-	रं	रं	रं	न	सं	सं	सं
आ	ऽ	प	आ	ऽ	क	र	जो	दे	ऽ	ग	ये
न	-	न	-	न	सं	रं	सं	-	-	संरंसं	नसंन
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	अ	प	नी	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
धनध	पधप	मपम	गमग	रगर	सरस	नस	नस	रग	स	गं	-
ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऐ	ऽ
-	गं	-	रं	रं	रं	-	-	-	-	रं	-
ऽ	आ	ऽ	ऽ	र	जू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ

रं	रं	–	रं	रं	रं	न	सं	सं	सं	न	–
प	आ	ऽ	क	र	जो	दे	ऽ	ग	ये	ऽ	ऽ
न	–	न	सं	रं	सं	–	–	संरंसं	धनध	पधप	गमप
या	ऽ	द	अ	प	नी	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
रग	रग	म	–	स	र	म	–	म	–	स	र
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	अ	ब	को	ऽ	ई	ऽ	*	*
म	–	म	–	ग	म	न	ध	ध	–	ग	म
*	*	*	*	अ	ब	को	ऽ	ई	ऽ	*	*
न	ध	ध	–	ग	म						
*	*	*	*	अ	ब						

ठेका शुरू—

+			o			+			o		
ध	–	ध	ध	ध	–	न	ध	प	–	म	–
को	ऽ	ई	बु	ला	ऽ	ये	ऽ	भी	ऽ	तो	ऽ
स	–	र	म	म	–	ध	–	ध	–	ग	म
का	ऽ	है	को	आ	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ

दर्द भरे..............................।

42—N. K.

—:*:—

भँवरा मतलब को पहचाने....!

रणजीत मोवीटोन	✣ ✣	ताल	✣ ✣	गायिका
फिलम 'आज का हिन्दुस्तान'	✣ ✣	धुमाली	✣ ✣	"मिस रोज़"

भँवरा मतलब को पहचाने।
प्रीत करन की रीत न जाने। भँवरा मतलब.....................।
प्यार की बातें, मौत की घातें, प्रीत के गीत हैं, हाय भुलाने॥
भँवरा.....................॥
साजन हमको छोड़ गये हैं मैं मानूं मोरा मन नहीं माने॥

ताल बन्द

+				+				+				+			
ध	न	सं	-	-	-	-	-	-	-	धसं	नध	प	-	-	-
भँ	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	-	र	ग	म	प	-	-	-	-	-	-	-	*
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*

ताल शुरू

+				+				+				+			
प	ध	प	म	ग	र	न	न	सर	ग	र	-	र	ग	म	प
म	त	ल	ब	को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	भँ	व	रा	ऽ
-	पध	प	म	ग	र	न	न	सर	ग	र	-	र	ग	म	प
ऽ	मत	ल	ब	को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*
-	पध	प	म	ग	र	न	न	सर	ग	र	-	-	-	-	-
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*

*	र	र	ग	स	र	न	स	-	रग	म	प	पसं	नध	पम	र
*	प्री	त	क	र	न	की	ऽ	ऽ	रीऽ	त	न	जाऽ	ऽऽ	नेऽ	ऽ
र	ग	म	प	-	-	-	-	र	ग	म	प	-	पध	प	म
भं	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भं	व	रा	ऽ	ऽ	मत	ल	ब
ग	र	न	न	सर	ग	र	-	-	-	-	-	*	ध	ध	प
को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	*	प्या	र	की
म	प	प	-	*	ध	संसं	सं	न	-	ध	प	*	ध	सं	सं
बा	ऽ	तें	ऽ	*	मो	ऽत	की	घा	ऽ	तें	ऽ	*	प्री	त	के
ध	रं	रं	रं	*	ध	रं	गं	सं	रं	न	ध	प	ध	सं	सं
गी	ऽ	त	हैं	*	हा	य	भु	ला	ऽ	ने	ऽ	ऽ	प्री	त	के
ध	रं	रं	रं	*	ध	रं	गं	स	रं	सं	-	-	-	ध	न
गी	ऽ	त	हैं	*	हा	य	भु	ला	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	भं	व
सं	-	-	-	-	-	-	-	धसं	नध	प	-	-	-	-	-
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रग	म	प	-	-	-	-	*	पध	प	म	ग	र	न	न
ऽ	भं	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मत	ल	ब	को	ऽ	प	ह
सर	ग	र	-	-	-	-	-	*	म	म	म	ग	ग	र	-
चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	*	सा	ज	न	ह	म	को	ऽ

-	-	रम	र	-	रग	र	-	*	म	म	म	ग	ग	र	-
ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	सा	ज	न	ह	म	को	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध	न	प	-	*	प	म	म	प	ध	ध	ध
ऽ	क्षो	ड़	ग	ये	ऽ	हैं	ऽ	*	मैं	ऽ	मा	नूं	ऽ	मो	रा
*	धसं	सं	सं	न	-	ध	-	*	प	म	म	प	ध	ध	ध
*	मन	न	हीं	मा	ऽ	ने	ऽ	*	मैं	ऽ	मा	नूं	ऽ	मो	रा

ठेका बन्द

*	*	*	*	ध	सं	रं	गं	-	-	-	-	रं	सं	न	ध
*	*	*	*	म	न	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ
सं	-	-	-												
ने	ऽ	ऽ	ऽ												

43—N. P. K.

——:o:——

आज मेरा मन फूला-फूला रे....!

रणजीत—मोवीटोन	✣ ✣	ताल	✣ ✣	गायिका
"सन्त-तुलसीदास"	✣ ✣	कहरवा	✣ ✣	'बासन्ती'

आज मेरा मन फूला—फूला रे।
ऐसा सुख है पाया इसने, सब दुख भूला भूला रे। मन फूला-फूला रे...॥
आज हृदय के कोन-कोन, मधुर-मधुर राग बजे।
नाच रहीं आशायें मेरी, सुख के सुन्दर साज सजे॥
जिसने है यह सुख बरसाया, जिसकी है यह सारी माया।
मैं तो उसे झुलाऊं निश-दिन, डाल नैन में झूला रे॥ मन फूला०...॥

+				।				+				।			
सं	–	सं	सं	न	–	ध	ध	प	ध	ध	प	म	प	ग	म
आ	ऽ	ज	मे	रा	ऽ	म	न	फू	ऽ	ला	ऽ	फू	ऽ	ला	ऽ
प	–	–	ध	प	म	ग	र	ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ
रे	ऽ	ऽ	मे	रा	ऽ	म	न	फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ
स	–	ग	म	प	ध	न	रं								
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आज मेरा मन............।							
ग	प	ग	प	ग	म	ग	–	ध	न̲	ध	न̲	प	ध	प	–
रे	ऽ	सा	ऽ	सु	ख	है	ऽ	पा	ऽ	या	ऽ	इ	स	ने	ऽ
न	सं	न	सं	ध	–	प	–	म	प	म	–	ग	–	प	प
स	ब	दु	ख	भू	ऽ	ला	ऽ	भू	ऽ	ला	ऽ	रे	ऽ	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	ध	प	प
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	–	प	प
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	ध	न	रं
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

आज मेरा मन............।

ताल दादरा।

×			०			×			०		
ध	ध	ध	ध	–	ध	धन	सं	न	ध	न	ध
आ	ज	ह	दे	ऽ	के	कोऽ	ऽ	न	को	ऽ	न
प	ध	प	म	ग	म	म	प	ध	प	–	–
म	धु	र	म	धु	र	रा	ग	ब	जे	ऽ	ऽ
सं	–रं	रं	रं	–	सं	रंगं	मं	गं	रं	सं	–
नां	ऽच	र	ही	ऽ	आ	शाऽ	ऽ	यें	मे	री	ऽ
न	न	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	–	पप
सु	ख	के	सुं	द	र	सा	ज	स	जे	ऽ	मन

फूला–फूला रे, मेरा मन…………………।

ताल कहरवा।

×				।				×				।			
न	न	न	–	न	–	ध	–	न	सं	सं	रं	न	–	सं	–
जि	स	ने	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ	सु	ख	ब	र	सा	ऽ	या	ऽ
न	सं	सं	रं	न	–	सं	–	न	ध	प	म	प	ध	प	–
जि	स	को	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ
रं	–	रं	रं	रं	–	सं	–	रं	गं	मं	गं	रं	रं	सं	सं
मैं	ऽ	तो	उ	से	ऽ	झु	ऽ	ला	ऽ	ऊं	ऽ	नि	स	दि	न

न	-	न	न	ध	ध	प	-	म	-	ग	म	ग	-	प	प
डा	ऽ	ल	न	य	न	में	ऽ	भू	ऽ	ला	ऽ	रे	ऽ	म	न

फूला फूला रे………………।

44—N.P.K.3—4

दुनियां दिवानी…………!

रणजीत मोवीटोन	✣ ✣	ताल दादरा	✣ ✣	गायक
फिल्म "नदी किनारे"	✣ ✣	द्रुत लय	✣ ✣	कांतीलाल और सितारा

दुनियां दिवानी, दुनियां दिवानी।
कोई कहे हाय जिगर, कोई कहे दिल।
कोई कहे चोरी-चोरी, आके सजन मिल॥ दुनियां……॥

कोई कहे दिल न मिला, आंख मिलाले।
कोई कहे आंखों के परदों में छुपाले॥ दुनियां……॥

लेके दिल आया हूँ मैं, यहां कोई खरीदे।
है कोई दिल वाला जो दिल देके ये दिल ले॥ दुनियां……॥

लूट लो जोबन के मज़े, दुनियां है फ़ानी।
दम भर में गुज़र जायेगी, ये ख़्वाबे जवानी॥ दुनियां……॥

×			।			×			।		
र	ग	ग	ग	र	-	स	-	-	-	-	-
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	स	स	स	स	र	ग	-	-	-	स	र
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	ग	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं		सं	–	सं	–	रं	सं	सं	सं
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	हा	ऽ	य	जि	ग	र
न	–	न	न	ध	न	प	प	–	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	दि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	न	प	प	–	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	दि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	ध	–	प	ध	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	चो	री	ऽ	चो	री	ऽ
प	म	–	ग	र	ग	र	र	–	–	–	–
आ	के	ऽ	स	ज	न	मि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	स	स	स	स	र	ग	–	–	–	स	र
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

—o-*-o—

जल भरने चलोरी गुइयां.....!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म		ताल		गायिका
"कङ्गन"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"लीला चिटनीस"

जल भरने चली री गुइयां।
जमना किनारा चञ्चल धारा, पवन चलत पुरवैया। जल भरने...॥
डाल-डाल पर फूल खिले हैं, कूक रही कोयलिया। जल भरने...॥
कुञ्ज-कुञ्ज में भँवरा गूंजें, हँसती कोमल कलियाँ। जल भरने...॥

—:※-※:—

स्वरलिपि

														ऩ	ऩ
														ज	ल
×				।				×				।			
स	र	–	र	र	–	ग	–	म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ
भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ	गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल
स	र	–	र	र	–	ग	–	म	ध	ध	प	म	ग	र	स
भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ	गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	र	र	म	–	म	–	प	–	प	प	म	प	प	–
ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रा	ऽ	चं	ऽ	च	ल	धा	ऽ	रा	ऽ
म	प	ध	ध	ध	ध	प	प	ध	रं	सं	सं	न	न	ध	प
प	व	न	च	ल	त	पु	र	व	इ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न॒	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	–	र	र	–	ग	–
*	*	*	*	*	*	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ

म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	-	र	र	-	ग	-
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	त्र	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	-	-	-	-	-	र	-	र	र	र	प	म	र
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डा	ऽ	ल	डा	ऽ	ल	प	र
-	र	र	प	म	र	ऩ	स	-	र	र	र	म	-	प	-
ऽ	फू	ल	खि	ले	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	कू	क	र	ही	ऽ	को	ऽ
प	न॒	ध	प	-	-	-	-	-	र	र	र	म	-	प	-
य	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कू	क	र	ही	ऽ	को	ऽ
प	न॒	ध	ध	प	म	र	ऩ	स	र	-	र	र	-	ग	-
य	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	त्र	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	-	र	र	-	ग	-
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	त्र	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	-	-	-	-	-	म	-	म	प	-	प	प	-
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कु	ऽ	अ	कु	ऽ	अ	में	ऽ
*	ध॒	ध॒	ध॒	प	ध॒	म॑	प	-	प	रं	रं	संरं	गं॒	रं	सं
*	भं	व	रा	गूं	ऽ	जें	ऽ	ऽ	हँ	स	तीं	कोऽ	ऽ	म	ल
न	न	सं	-	-	-	-	-	न॒	न॒	न॒	न॒	ध	-	प	म
क	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हं	स	ती	को	ऽ	म	ल

प	ध	प	-	-	-	र	ऩ	स	र	-	र	र	-	ग	-
क	लि	याँ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	लो	ऽ	री	ऽ
म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	-	र	र	-	ग	-
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	-	-	-	-	-								
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

—*-o-*— 46—N. P K. 8—40

सोलह बरस दुख काटे.......

रणजीत मोवीटोन **	ताल **	गायिका
फिल्म "आजका हिंदुस्तान" **	धुमाली **	"सितारा"

सोलह बरस दुख काटे, कटे न अब रैन सैंयां।
बाला जोवन नहीं माने, पड़े न अब चैन सैंया ॥
नैनन में दो नैनां समाये, मगमें बिरहा अगनी जलाये।
कानों में गूंजे तेरे बैन सैंयां..................॥
याद में किसकी हिचकी आई, क्यूं लेती हूं मैं अंगड़ाई।
काहे भर आये म्हारे नैन सैंयां। सोलह......॥

×				×				×				×			
*	ग	ग	ग	ग	र	-	गम	ग	र	-	स	सर	र	ऩ	ध़
*	सो	लह	ब	र	स	ऽ	दुख	का	टे	ऽ	क	टेऽ	ना	अ	ब
स	-ऩ	सर	स	*	ध़स	ध़स	स	सर	र	ऩ	ध़	स	-ऩ	सर	स
रै	ऽन	सैंऽ	यां	*	हांऽ	हांऽ	क	टेऽ	न	अ	ब	रै	ऽन	सैंऽ	यां

*	ग	ग	ग	ग	र	–	गम	ग	र	–	स	सर	र	ऩ	ध़
*	बा	ला	जो	ब	न	ऽ	नहीं	मा	ने	ऽ	प	ड़ेऽ	ना	अ	ब
स	–ऩ	सर	स	*	धस	धस	स	सर	र	ऩ	ध़	स	–ऩ	सर	स
चै	ऽन	सैंऽ	यां	*	हांऽ	हांऽ	प	ड़ेऽ	ना	अ	ब	चै	ऽन	सैंऽ	यां
*	प	ग	म	प	–	प	–	*	म	प	प	ग	–	स	–
*	नैं	न	न	में	ऽ	दो	ऽ	*	नैं	न	स	मा	ऽ	ये	ऽ
*	र	ग	ग	स	र	ऩ	प़	–	ऩस	र	ग	स	र	ऩ	स
*	म	न	में	बि	र	हा	ऽ	ऽ	अग	नी	ज	ला	ऽ	ये	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	ग	–	गप	म	–स	रग	स	*	ग	ग	ग
*	का	नों	में	गूं	जे	ऽ	तेरे	बे	ऽन	सैंऽ	यां	*	का	नों	में
ग	ग	–	गप	म	–म	रग	स	*	स	ऩ	ऩ	स	स	स	–
गूं	जे	ऽ	तेरे	बे	ऽन	सैंऽ	यां	*	या	द	में	कि	स	की	ऽ
*	र	र	र	रग	मम	गर	स	*	स	ग	ग	ग	–	ग	–
*	हि	च	की	आऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽ	*	क्यूं	ऽ	ले	ती	ऽ	हूँ	ऽ
*	ग	म	म	ग	–	स	–	*	प	प	प	ग	म	प	प
*	मैं	अं	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	*	का	हे	भर	आ	ये	म्हा	रे
ग	–र	ऩ	स	*	प	प	प	ग	म	प	प	ग	–र	ऩ	स
नै	ऽन	सैं	यां	*	का	हे	भर	आ	ये	म्हा	रे	नै	ऽन	सैं	यां

*	ग	ग	ग	ग	र	म	म	*	ग	गं	ग	ग	र	प	-
*	सो	लै	ब	र	स	हां	हां	*	सो	लै	ब	र	स	हां	ऽ

*	ग	ग	ग	ग	र	-	गम	ग	र	-	स	सर	र	न॒	ध॒
*	सो	ले	ब	र	स	ऽ	दिन	का	टे	ऽ	क	टे	ना	अ	ब

स	-न॒	सर	स	*	ध॒स	ध॒स	स	सर	र	न॒	ध॒	स	-न॒	सर	स
रैं	ऽन	सैंऽ	यां	*	हांऽ	हांऽ	क	टेऽ	ना	अ	ब	रैं	ऽन	सैं	यां

—— * ——

47—N P.K.

दुनियां रैन बसेरा........!

मिनर्वा मोवीटोन	**	ताल	**	गायिका
फ़िल्म "वसीयत"	**	कहरवा	**	"शोला"

दुनियां रैन बसेरा मुसाफ़िर ! दुनियां रैन बसेरा है ।
सारी दुनियां जाग उठी तू लम्बी तानें सोता है ।
जो जागे सो पावे मुसाफ़िर जो सोवे सो खोवे ।
दूर है मंज़िल नींद के मारे अब भी जाग सवेरा है ॥ दुनियां.......॥
दुनियां क्या है पाप की नगरी इससे मन न लगाना ।
क़दम क़दम पर जाल बिछे हैं सोच के पैर उठाना ॥
मोह लोभ के जाल पटक कर आन के तुमको घेरा है ॥
दुनियां रैन...............॥

×				।				×				।			
*	सं	सं	सं	सं	न॒	सं	ं	न॒	-	न॒	न॒	ध	म	पध	न॒सं
*	दु	नि	यां	रैं	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	मु	सा	ऽ	फ़िऽ	ऽर

*	प	प	ध	म	प	ग॒	ग॒	र	-	स	न॒	स	ग	म	प
*	दु	नि	यां	रैं	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	प	ध	म	प	ग	ग	र	-	स	न	स	ग	म	प
दु	नि	ऽ	यां	रै	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	-	न	न	न	न	-	*	पध	नसं	सं	ध	न	पध	मप
*	सा	ऽ	री	दु	नि	यां	ऽ	*	जाऽ	ऽग	उ	ठी	ऽ	तूऽ	ऽऽ
*	पध	नसं	सं	न	ध	प	म	प	ध	प	-	पध	न	धन	सं
*	लंऽ	ऽऽ	बी	ता	ऽ	नें	ऽ	सो	ऽ	वे	ऽ	*	*	*	*
*	रं	रं	-	रं	-	रं	-	*	गं	गं	गं	सं	रं	न	सं
*	जो	जा	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	*	पा	वे	मु	सा	ऽ	फ़ि	र
प	ध रं	रं	-	रं	-	रं	-	*	गं	गं	गं	सं	रं	न	सं
ऽ	जो	जा	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	*	पा	वे	मु	सा	ऽ	फि	र
प	सं	रं	सं	न	ध	प	म	प	रं	सं	-	न	ध	प	-
ऽ	जो	ऽ	सो	वे	ऽ	सो	ऽ	खो	ऽ	वे	ऽ	*	*	*	*
*	सं	सं	सं	सं	न	सं	रं	न	-	न	न	ध	म	पध	नसं
*	दू	र	है	मं	ऽ	ज़ि	ल	नों	ऽ	द	के	मा	ऽ	रेऽ	ऽऽ
*	प	प	ध	म	प	ग	ग	र	-	स	न	स	ग	म	प
*	अ	ब	भी	जा	ऽ	ग	स	वे	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

दुनियां रैन बसेरा.......................................।

*	न	न	न	न	-	न	-	*	पध	नसं	सं	ध	न	पध	मप
*	दु	नि	यां	क्या	ऽ	है	ऽ	*	पाऽ	ऽप	की	न	ग	रीऽ	ऽऽ

*	न	रं	सं	न	ध	प	म	प	ध	प	-	पध	न	धन	सं
*	इ	स	से	म	न	न	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	*	*	*	*
*	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	गं	गं	-गं	गं	रं	-	सं	-
*	क़ु	दम	क	द	म	प	र	ऽ	चों	ऽर	ब	से	ऽ	हैं	ऽ
*	सं	रंरं	रं	न	ध	प	म	प	रं	सं	-	न	ध	प	-
*	सो	ऽच	के	पै	ऽ	र	उ	ठा	ऽ	ना	ऽ	*	*	*	*
*	सं	सं	सं	-	न	सं	रं	न	-	न	न	ध	म	पध	नसं
*	मो	ह	लो	ऽ	भ	के	ऽ	जा	ऽ	ल	प	ट	क	कऽ	ऽर
*	प	प	ध	म	प	ग	-	र	-	स	न	स	ग	म	प
*	ध्या	न	के	तु	झ	को	ऽ	घे	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

दुनियां रैन..........................। 46—N. P K. 8—40

—*-o-*—

कैसा उजड़ा चमन खुशी का !

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायिका
"मुक्ती"		धुमाली		काननबाला

कैसा उजड़ा चमन खुशी का, कैसा नसीबा फूट गया।
फूल भी रुख़सत, बू भी रुख़सत, रंग भी गुल का छूट गया॥ कैसा... ॥
जब पे भी तो वफ़ा का पुतला, घर से निकला, दिल ले न निकला।
उसकी ललक है अब भी बाकी, देखने में तो छूट गया। कैसा... ॥
कुछ जो पता भी उसका पायें, क्या मूं लेकर सामने जायें।
आयेगा वो क्यूं लाख बुलायें, ये भी सहारा छूट गया॥ कैसा... ॥

(ताल बन्द रहेगी)

+				।				+				।			
गम	–	–	–	र	–	–	–	ऩ	–	स	–	ऩ	–	ध़	–
कैऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ऽ	ज	ऽ	ड़ा	ऽ	ऽ	ऽ
प़	ध़	–	–	–	–	–	ऩ	र	–	–	–	–	–	–	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च	मन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	खु
रग	रग	–	–	र	–	र	ग	स	–	–	–	ग	–	–	–
शी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	कै	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	–	म	प	ध	प	ध	गम	–	–	–	र	ग	म	प
सा	ऽ	ऽ	न	सी	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	ट	ग
रग	–	–	–	सर	–	–	ग								
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

(यहां से ताल धुमाली शुरू)

+				।				+				।			
*	गम	–	र	सऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	र	–	र	रग	रग	स	–
*	कैऽ	ऽ	सा	उ	ज	ड़ा	ऽ	च	मन	ऽ	खु	शी	ऽ	का	ऽ
–	ग	–	म	प	पध	पध	म	र	ग	म	प	मग	म	–	–
ऽ	कैऽ	ऽ	सा	न	सी	ऽ	बा	फू	ऽ	ट	ग	या	ऽ	ऽ	ऽ
*	नृधं	–	प	ध़	स	स	स	*	स	ऩ	स	र	ग	र	र
*	फू	ऽ	लभी	रु	ख़	स	त	*	बू	ऽ	भी	रु	ख़	स	त

*	ग	ग	म	प	पध	गम	-	-	र	ग	मप	ग	-	सर	-
*	रं	ग	भी	गु	ल	का	ऽ	ऽ	छु	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन……………………।

*	मम	प	न	ध	-	म	-	प	पध	-	म	प	पध	पध	-
*	ज़ब	र	पे	भी	ऽ	तां	ऽ	व	फ़ा	ऽ	का	पु	त	ला	ऽ
*	प	प	प	प	ध	पध	नसं	-	न	ध	मप	ध	न	ध	-
*	घ	र	से	नि	क	ला	ऽ	ऽ	दि	लसे	न	नि	क	ला	ऽ
*	धन	ध	प	पप	ग	र	-	-	न	ध	न	सर	ग	र	-
*	उस	की	ल	ल	क	है	ऽ	ऽ	अ	ब	भी	बा	ऽ	की	ऽ
*	ग	ग	म	प	ध	ग	म	*	र	ग	मप	र	ग	स	र
*	दे	ख	ने	में	ऽ	तां	ऽ	*	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन खुशी………………।

*	सस	म	र	स	-	सन	ध	*	धन	स	-	गम	गम	-	स
*	कुछ	जो	प	ता	ऽ	भी	ऽ	*	उस	का	ऽ	पा	यें	ऽ	ऽ
*	स	-	सं	न	-	ध	ध	ग	-	म	प	मग	रग	म	-
*	क्या	ऽ	मूं	ले	ऽ	क	र	सा	ऽ	म	ने	आ	ऽ	यें	ऽ
*	प	प	प	प	ध	पध	नसं	*	न	ध	प	मग	-	र	-
*	आ	ये	गा	वो	ऽ	क्यूं	ऽ	*	ला	ख	बु	ला	ऽ	यें	ऽ

*	ग	ग	म	प	ध	ग	म	*	र	ग	मप	र	ग	स	र
*	ये	भी	स	हा	ऽ	रा	ऽ	*	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन..........................॥ 49—D. I. S.

सूनी पड़ी रे सितार..............!

बौम्बे टाकीज़	* *	काफी	* *	गायिका
फ़िल्म "कङ्गन"	* *	ताल कहरवा	* *	"लीला चिटनीस"

सूनी पड़ी रे सितार, मीरा के जीवन की।
कितनी गहरी नींद में सोगई तारों की झनकार ॥ मीरा के०......॥
मेरी सखी का गीत अधूरा, कौन करेगा रे अब पूरा।
गिरधर नागर क्या न सुनोगे, पीयू पीयु की पुकार ॥ मीरा के०......॥

—*—

×				।				×				।			
प	पध	न	प	प	ध	–	म	प	–	–	प	सं	सं	–	प
सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि	ता	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के
मप	–	म	ग	र	–	–	–	प	पध	न	प	प	ध	–	म
जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि
म	प	–	–	–	–	–	–	र	ग	र	ग	र	स	र	स
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	कि	त	नी	ऽ	ग	ह	री	ऽ
स	–	स	स	र	–	म	प	ध	सं	सं	–	न	–	ध	प
नीं	ऽ	द	में	सो	ऽ	ग	ई	ता	ऽ	रों	ऽ	की	ऽ	झ	न

ध	म	प	-	सं	सं	-	प	मप	-	म	ग	र	-	-	*
का	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के	जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	*
प	पध	न	प	प	ध	-	म	प	-	-	-	-	-	-	-
सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
*	स	स	स	र	म	म	-	*	म	म	प	ध	सं	न	-
*	मे	री	स	खी	ऽ	का	ऽ	*	गो	त	अ	धू	ऽ	रा	ऽ
-	म	म	प	ध	सं	न	-	ध	म	म	म	प	-	ध	-
ऽ	*	*	*	*	*	*	*	कौ	ऽ	न	क	रे	ऽ	गा	ऽ
ध	सं	सं	रं	न	-	ध	प	थ	सं	सं	रं	न	-	ध	प
रे	ऽ	अ	ब	पू	ऽ	रा	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
म	म	ग	ग	ग	म	प	प	मप	धन	ध	प	म	ग	म	-
गि	र	ध	र	ना	ऽ	ग	र	क्याऽ	ऽऽ	न	सु	नो	ऽ	गे	ऽ
र	स	-	स	र	म	-	म	प	ध	न	सं	संन	धप	मग	रस
पि	यू	ऽ	पि	यु	की	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	र	**	**	**	**
र	स	-	स	र	म	-	म	प	ध	न	सं	सं	सं	-	प
पि	यू	ऽ	पि	यु	की	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के
मप	-	म	ग	र	-	-	-	प	पध	न	प	प	ध	-	म
जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि

प	-	-	-	-	-	-	-	
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	

50—N. P. K. 9—40

जाऊं कहां तज चरन तुम्हारे ।

रणजीत मोवीटोन	ताल कहरवा	गायक
फिल्म "संततुलसीदास"	विलंबित लय	"विष्णुपंत पगनीस"

जाऊं कहां तज चरन तुम्हारे ।
किस का नाम पतित पावन है ॥
किसे दीन अति प्यारे ॥ जाऊं कहां……………॥
तन दे डारा, मन दे डारा ।
दे डारा जो कुछ था सारा ॥
इन चरनन का लिया सहारा ।
कह दो तुम हो हमारे ॥ जाऊं कहां……………॥

+				।				+				।			
*	रग	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	ग
*	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
र	रग	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	प
ऽ	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
-	नन	न	-	न	-	न	-	*	न	नन	न	सं	सं	सं	-
ऽ	किस	काऽ		ना	ऽ	म	ऽ	*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ
-	पप	रं	सं	-	सं	न	न	ध	पध	प	-	-	-	-	-
ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ति	प्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	नन	न	-	न	-	न	-	*	न	नन	न	सं	सं	सं	-
*	किस	का	ऽ	ना	ऽ	म	ऽ	*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ
-	पप	रं	सं	-	सं	न̲	न̲	ध	पध	प	-	म	ग	र	स
ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ति	प्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	ग
*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
र	प	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	प
ऽ	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
-	न	न	-	न	-	न	-	प	न	सं	-	सं	-	सं	-
ऽ	तन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ
-	-	-	-	-	न	सं	-	-	न	न	-	न	-	न	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ
प	न	सं	-	सं	-	सं	-	*	परं	रं	-	रं	-	सं	-
ऽ	मन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	*	देऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	जो	ऽ
*	संरं	सं	रं	न̲	-	ध	प	-	रंरं	रं	रं	रं	रं	रं	-
*	कुछ	था	ऽ	सा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	इन	च	र	न	न	का	ऽ
गं	गं	मं	मं	गं	रंगं	न	सं	*	संसं	सं	-	न̲	ध	प	म
लि	या	ऽ	स	हा	ऽऽ	रा	ऽ	*	कह	दो	ऽ	तु	म	हो	ह

म	ग	र	–	–	–	–	–	*	संसं	सं	–	न॒	ध	प	म
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	कह	दो	ऽ	तु	म	हो	ह
म	ग	र	–	–	–	स	र	*	प	म	म	गर	ग	न्	स
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज
*	रग	र	ग	गम	प	म	ग	र	प	म	म	गर	ग	न्	स
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज
*	रग	र	ग	गम	प	म	प	–	नन	न	–	न	–	न	–
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	किस	का	ऽ	ना	ऽ	म	ऽ
*	न	नन	न	सं	सं	सं	–	–	पप	रं	सं	–	सं	न॒	न॒
*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ	ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	श्र	ति
ध	पध	प	–	म	ग	र	स	*	प	म	म	गर	ग	न्	स
प्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज
*	रग	र	ग	गम	प	म	ग	र	रप	म	म	गर	ग	न्	स
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज

ताल बन्द

*	*	र	ग	र	–	–	–	*	ग	ग	म	प	ध	न॒	ध
*	*	च	र	न	ऽ	ऽ	ऽ	*	तु	म्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	प	-	-	-	-	-								
ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

51—N. P. K.

—*—o—*—

दिल में तू आँखों में तू.......!

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायिका
पुकार	कहरवा	मिस मेनका

दिल में तू आँखों में तू साँसों में तू,
लब पै तू ख़्यालों में तू ख़्वाबों में तू।
सुबह के अँगड़ाइयाँ लेते हुए जलवों में तू,
दोपहर के जगमगाते आतशी शोलों में तू।
भीनी-भीनी शाम के रंगीन नज़्ज़ारों में तू,
रात की मोती भरी घनघोर सी ज़ुल्फों में तू।
आँधियों की रौ में बल खाते हुए झोंकों में तू,
बारिशों की झिलमिलाती अन-गिनत लड़ियों में तू।
नूर से धोये हुये महताब के चेहरे में तू,
आग से दहके हुये सूरज के रुख़सारों में तू।

+				।				+				।			
*	ग	ग	म	ग	र	स	र	र	ध	ध	-	ध	सं	न	सं
*	दि	ल	में	तू	ऽ	आँ	ऽ	खों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	सां	ऽ
ध	न॒	ध	प	म	-	गम	प	*	ग	ग	म	ग	र	स	र
सों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽऽ	ऽ	*	ल	ब	पे	तू	ऽ	ख़्या	ऽ
र	ध	ध	-	ध	सं	न	सं	ध	न॒	ध	प	म	-	गम	प
लों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ख़्वा	ऽ	बों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽऽ	ऽ

*	म	–	म	म	–	–	–	मम	म	–	म̍	म	–	ग	–
*	सु	ऽ	बह	की	ऽ	ऽ	ऽ	अँग	ड़ा	ऽ	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	ध	म̍	धन	सं	–	–	न	ध	–	न	म̍	–	–	म
*	ले	ते	हु	येऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जल	वों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	–	म	ग	र	स	–	*	ग	ग	ग	ग	म	प	–
*	दो	ऽ	प	ह	र	के	ऽ	*	ज	ग	म	गा	ऽ	ते	ऽ
*	न	–	न	ध	प	म	–	*	ग	र	म	ग	–	–	–
*	आ	ऽ	ति	शी	ऽ	ऽ	ऽ	*	शो	लों	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	न	ध	प	म	–	*	म	–	म	म	–	प	ध
*	भी	ऽ	नी	भी	ऽ	नी	ऽ	*	शा	ऽ	म	के	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	सं	ध	प	म	–	*	म	–	म	म	ग	प	–
*	भी	ऽ	नी	भी	ऽ	नी	ऽ	*	शा	ऽ	म	के	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	स	स	ग	–	म	–	*	प	–	ध	प	–	म	–
*	रं	गी	न	न	ऽ	ज़्ज़ा	ऽ	*	रों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	न	सं	–	–	–	प	नसं	रं	सं	न॒	–	ध	प
*	रा	ऽ	त	की	ऽ	ऽ	ऽ	मो	तीऽ	ऽ	भ	री	ऽ	ऽ	ऽ
प	न॒	–	ध	प	म	ग	र	र	रग	म	ग	र	–	–	–
घन	घो	ऽ	र	सी	ऽ	ऽ	ऽ	जु	ल्फोंऽ	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ

*	ग	-	म	ग	-	र	-	*	र	न॒	न॒	ध	ध	प	-
*	आं	ऽ	धि	यों	ऽ	की	ऽ	*	रौ	ऽ	में	ब	ल	खा	ऽ
*	प	-	प	सं	-	-	-	न॒	ध	-	म	ग	र	-	-
*	ते	ऽ	हु	ये	ऽ	ऽ	ऽ	झों	कों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	र	-	ग॒	र	-	स	-	*	ऩ॒	ध़	ऩ॒	स	र	र	-
*	बा	ऽ	रि	शों	ऽ	की	ऽ	*	झि	ल	मि	ला	ऽ	ती	ऽ
*	र	र	म	म	म	प	प	प	-	म	-	ग	र	-	-
*	अ	न	गि	न	त	ल	ड़ि	यों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽ	*
*	म	-	म	न॒	-	ध	-	*	न	सं	न	सं	-	-	-
*	नू	ऽ	र	के	ऽ	ऽ	ऽ	*	धो	ये	हु	ये	ऽ	ऽ	ऽ
नन	नसं	रं	सं	न॒	-	-	-	ध	ध	ध	न॒	पध	न॒	-	-
मह	ताऽ	ऽ	ब	के	ऽ	ऽ	ऽ	च	ह	रे	में	तूऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न॒	ग॒	-	ग॒	रग॒	मग॒	रस	र	*	गग	म	ग	म	...	म	-
ऽ	आ	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	*	दह	के	हु	ये	ऽ	सु	ऽ
म	सं	सं	-	न॒	न॒	ध	-	पध	न॒	ध	-	प	-	म	-
र	ज	के	ऽ	रु	ख़	सा	ऽ	रोंऽ	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ

दिल में तू......................

52—N. P. K 9—40

जै जै राधे श्याम !

इण्डिया आर्टिस्ट फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"बहूरानी"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	अनुराधा और कोरस

कृष्ण मुरारी गिरवर धारी जै जै राधे श्याम ।
तुम ही हो पितु-मात हमारे श्याम श्याम ॥ जै जै राधे०...............
दीन हीन के तुम ही सहारे, श्याम श्याम ।
संकट हारी सब दुख टारी, पूरण करदो काम काम ॥ जै जै राधे०.........
पाप ताप संताप मिटादो श्याम, भव सागर से पार लगादो श्याम ।
सुनो मुरारी टेर हमारी, रटें तुम्हारा नाम नाम ॥ जै जै राधे०...

—:०:—

बिना ताल

+				।				+				।			
ग	म	म	प	–	प	–	–	–	–	–	म	प	ध	ध	न
कृ	ष्ण	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	व	र	धा
प	ध	सं	–	–	–	–	–	–	–						
ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						

ताल शुरू (कहरवा)

स	–	ग	–	म	–	मप	ध	ध	–	–	ध	प	ध	प	प
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धेऽ	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म
म	–	म	–	स	–	ग	–	ग	प	ऽ	–	प	न	ध	प
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	म	*	*	*
स	–	ग	–	म	–	प	सं	सं	–	–	–	–	–	–	–
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म

*	स	ग	म	प	-	प	प	-	म	प	ध	म	-	ग	-
*	तु	म	ही	हां	ऽ	पि	तु	ऽ	मा	त	ह	मा	ऽ	रे	ऽ
ग	-	-	ग	प	-	-	प	*	प	ध	ध	-	ध	ध	-
श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म	*	दी	न	ही	ऽ	न	के	ऽ
*	सं	सं	सं	ध	न	ध	-	न	-	-	न	सं	-	-	सं
*	तु	म्हीं	स	हा	ऽ	रे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म
*	प	ध	न	ध	स	सं	-	*	रंरं	रं	गं	रं	-	सं	-
*	सं	क	ट	हा	ऽ	री	ऽ	*	सब	दु	ख	टा	ऽ	री	ऽ
न	ध	न	प	*	प	ध	न	ध	सं	सं	-	*	रंरं	रं	गं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	सं	क	ट	हा	ऽ	री	ऽ	*	सब	दु	ख
रं	-	सं	-	न	ध	न	प	*	सं	सं	सं	न	न	न	-
टा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	पू	र	न	क	र	दो	ऽ
ध	-	-	म	प	ध	प	प								
का	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	म	जै जै राधे श्याम............!							
म	-	म	प	-	प	प	-	मप	ध	ध	प	म	-	ग	-
पा	ऽ	प	ता	ऽ	प	सं	ऽ	ताऽ	ऽ	प	मि	टा	ऽ	दो	ऽ
स	ग	ग	म	प	-	-	-	*	पप	न	-	न	न	सं	-
श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	*	भव	सा	ऽ	ग	र	से	ऽ

*	सं	सं	सं	न	-	प	-	प	ध	न	न	सं	-	-	-
*	पा	र	ल	गा	ऽ	दो	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
*	रं	रं	रं	सं	रं	गं	सं	-	न	ध	प	पध	न	धन	सं
*	सु	नो	मु	रा	ऽ	ऽ	री	ऽ	टे	र	ह	माऽ	ऽ	रोऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	न	-	न	-	ध	-	-	म	प	ध	प	प
*	र	टे	तु	म्हा	ऽ	रा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	म	ना	ऽ	ऽ	म

जै जै राधे श्याम············!

—०-*-०—

53—N. P K

क्या रंग बिरंगे फूल फले·····!

भवनानी प्रोडक्शन		ताल		गायिका
फिल्म "डबल क्रोस"		धुमाली		विमलाकुमारी

क्या रंग बिरंगे फूल फले फूले हैं गुलशन में।
बुलबुल की चहक फूलों की महक कैसी है कुंजन में॥
मन मोह लिया इन फूलों ने, प्यारे सावन के झूलों ने।
चुट की सी ली मन में, मन में, मन में, मन में॥ क्या रंग······॥
मोती के खजाने पत्तों पर, चम्पा है इधर जुही है उधर।
मोरवा बोले बन में, बन में, बन में, बन में॥ क्या रंग······

														न	स
+				+				+				+		क्या	ऽ
स	र	र	र	र	-	र	-	ग	-	ग	ग	ग	-	म	प
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	-	र	-	र	स	र	न	स	-	गम	पध	प	-	न	स
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	–	ग	म	प	प	म	–	ग	म
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	–	र	–	र	स	र	ऩ	स	–	ध़	स	ऩ	ध़	ध़	प
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	बु	ल
ध़	र	र	र	र	र	र	स	सर	ग	ग	ग	ग	ग	गम	प
बु	ल	की	च	ह	क	फू	ऽ	लोंऽ	ऽ	की	म	ह	क	कैऽ	ऽ
म	ग	ग	र	र	स	र	ऩ	स	–	गम	पध	प	–	स	ऩ
सी	ऽ	हैं	ऽ	कुं	ऽ	ज	न	में	ऽ	*	*	*	*	बु	ल
स	र	र	र	र	र	र	–	ग	म	प	प	म	ग	ग	म
बु	ल	की	च	ह	क	फू	ऽ	लों	ऽ	की	म	ह	क	कैं	ऽ
ग	–	र	–	र	स	र	ऩ	स	–	ग	म	प	–	स	स
सी	ऽ	है	ऽ	कुं	ऽ	ज	न	में	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	ग	स	स
मो	ऽ	ह	लि	या	ऽ	इ	न	फू	ऽ	लों	ऽ	ने	ऽ	*	*
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	–	स	स
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	म	न
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	ग	स	–
मो	ऽ	ह	लि	या	ऽ	इ	न	फू	ऽ	लों	ऽ	ने	ऽ	प्या	ऽ

ग	प	प	–	प	प	पध	न	ध	ग	–	प	म	–	स	–
रे	ऽ	सा	ऽ	व	न	केऽ	ऽ	ऽ	भू	ऽ	लों	ने	ऽ	*	*
ग	प	प	–	प	प	पध	न	ध	ग	–	प	म	–	स	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	प्या	ऽ
ग	प	प	–	प	प	पध	न	ध	ग	–	प	म	–	स	स
रे	ऽ	सा	ऽ	व	न	केऽ	ऽ	ऽ	भू	ऽ	लों	ने	ऽ	चु	ट
र	–	ग	–	म	–	प	न	म॑प	–	–	–	–	–	स	स
की	ऽ	सी	ऽ	ली	ऽ	म	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
र	–	ग	–	म	–	प	न	म॑प	–	–	–	–	–	स	स
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	ऽ	ऽ	चु	ट
र	–	ग	–	म	–	प	न	म॑प	–	–	–	–	–	म	प
की	ऽ	सी	ऽ	ली	ऽ	म	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न
ग	–	ग	म	र	–	र	ग	स	–	ध	न्	स	–	न्	स
में	ऽ	म	न	में	ऽ	म	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ
स	र	र	र	र	–	र	–	ग	–	ग	ग	ग	–	म	प
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	–	र	–	र	स	र	न्	स	–	गम	पध	प	–	न्	स
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ

स	र	र	र	र	-	र	-	ग	म	प	प	म	-	ग	म
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	-	र	-	र	स	र	ऩ	स	-	ग	म	प	-	स	-
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	मो	ऽ
स	प	प	प	प	-	प	ध	ग	-	ग	प	म	-	स	-
ती	ऽ	के	ख	जा	ऽ	ने	ऽ	प	ऽ	त्तों	ऽ	पर	ऽ	*	*
स	प	प	प	प	-	प	ध	ग	-	ग	प	म	-	स	-
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	मो	ऽ
स	प	प	प	प	-	प	ध	ग	-	ग	प	म	-	स	-
ती	ऽ	के	ख	जा	ऽ	ने	ऽ	प	ऽ	त्तों	ऽ	पर	ऽ	च	ऽ
स	प	प	प	प	प	पध	न	ध	ग	ग	प	म	-	स	-
म्पा	ऽ	है	इ	ध	र	जूऽ	ऽ	ऽ	हाँ	है	उ	धर	ऽ	*	*
स	प	प	प	प	प	पध	न	ध	ग	ग	प	म	-	स	-
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	च	ऽ
स	प	प	प	प	प	पध	न	ध	ग	ग	प	म	-	स	स
म्पा	ऽ	है	इ	ध	र	जुऽ	ऽ	ऽ	हीं	है	उ	धर	ऽ	मो	र
र	-	ग	-	म	-	प	न	मप	-	-	-	-	-	म	प
बा	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ब	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

ग	–	ग	म	र	–	र	ग	र	–	न्	स	स	र	र	र
में	ऽ	ब	न	में	ऽ	ब	न	में	ऽ	क्या	ऽ	रं	ऽ	ग	बि
र	–	र	–	ग	–	ग	ग	ग	–	म	प	ग	–	र	–
रं	ऽ	गे	ऽ	फ़	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ	ले	ऽ	हैं	ऽ
र	स	र	न्	स	–										
गु	ल	श	न	में	ऽ										

54—N. P. K.

राधे राधे बंसी रही पुकार....!

बौम्बे टाकीज़	**	राग–बहार	**	गायक
फ़िल्म "कंगन"	**	तीन–ताल	**	"अरुण"

राधे राधे बंसी रही पुकार ! राधे...............।
मथुरा जाके नन्द कुमार ! राधे...............॥
बंसोवट पर, यमुना तट पर,
रहे वो बाट निहार ! कान्हा..................!
मिलले जाकर पिया से मिलले,
मिलले आख़िरी बार ! राधे यही आख़िरी बार ॥

०				३				×				२			
ग	–	सं	–	–	–	सं	–	न	–		–	प	न	म	प
रा	ऽ	धे	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	न	म	प	ग	म	न	–	–	–	–	–	ध	–
बं	ऽ	सो	ऽ	र		ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ

न	_	न	-	प	न	म	प	न	प	प	प	ग	म	र	स
म	थु	रा	ऽ	जा	ऽ	के	ऽ	नं	ऽ	द	कु	मा	ऽ	र	ऽ

—अन्तरा—

०				२				×				२			
ग	-	ग	म	_	ध	न	न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	सं
बं	ऽ	सी	ऽ	व	ट	प	र	य	मु	ना	ऽ	त	ट	प	र
सं	सं	-	सं	न	-	प	प	ग	म	ग	म	न	-	प	-
र	है	ऽ	वो	बा	ऽ	ट	नि	हा	ऽ	ऽ	र	का	ऽ	न्हा	ऽ
												यहां से ठेका बन्द है			
सं	सं	-	सं	न	-	प	प	ग	म	ग	म	-	-	-	-
र	है	ऽ	वो	बा	ऽ	ट	नि	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	म	स	-	स	-	म	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	र	मि	ऽ	ल	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गम	पम	प	-	-	ग	-	म	-	-	-	-	-	-	-	-
जाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	-	म	न	-	-	-	-	-	-	ध	-	-	-	न	-
पि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ऽ
न	सं	-	-	-	-	-	-	-	सं	-	सं	-	मं	-	-
ल	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ऽ	ल	ऽ	ले	ऽ	ऽ

-	-	-	-	-	संगं	संगं	संगं	मं	-	-	-	मं	-	पं	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	आ	ऽ	ऽ	ऽ
-	गं	-	मं	-	पं	-	-	-	-	पं	-				
ऽ	खि	ऽ	री	ऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ				

—ठेका शुरू—

२				०				३				+			
मं	गं	गं	मं	रं	सं	-	सं	-	न	ध	-	न	-	सं	सं
रा	ऽ	धे	ऽ	य	हाँ	ऽ	आ	ऽ	खि	री	ऽ	बा	ऽ	ऽ	र

55—N. P. K.

मेरे मन की बगिया फूली····!

रणजीत मोवीटोन	✣ ✣	ताल	✣ ✣	गायक
फिलम "संततुलसीदास"	✣ ✣	कहरवा	✣ ✣	"विष्णुपंत-सुशीला"

माली माली माली! मेरे मन की बगिया फूली।
फिरती हो क्यूं फूली फूली। फूलों के संग मैं भी फूली, माली, माली······॥
मालिन मालिन, तेरी बगिया न्यारी, फूलीं सुख की कलियाँ प्यारी।
रस बरसाती डारी डारी, माली! मन में आओ, फूल सजाऊं
फूल सजाऊं हार बनाऊं, हार बनाऊं हिये लगाऊं, माली, माली······॥

स्वरलिपि☞

														स	-
														मा	ऽ
+				।				।				+			
स	र	-	-	-	-	र	-	र	ग	-	-	-	-	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ

प	–	–	–	–	–	न	सं	ध	सं	न॒	ध	प	ध	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
प	–	प	–	–	–	न	सं	ध	सं	न॒	ध	प	ध	ग	म
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
प	–	प	–	–	स	स	–	स	र	–	–	–	–	र	–
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	ग	–	–	–	–	ग	म	प	–	–	–	–	–	–	–
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	र	–	र	–	र	–	सर	ग	ग	म	र	–	स	–
फि	र	ती	ऽ	हां	ऽ	क्यूं	ऽ	फूऽ	ऽ	लो	ऽ	फू	ऽ	लो	ऽ
सं	रं	सं	–	न॒	ध	प	म	प	ध	न॒	–	ध	–	प	–
फू	ऽ	लों	ऽ	के	ऽ	सं	ग	मैं	ऽ	भी	ऽ	फू	ऽ	ली	ऽ
स	–	र	–	–	–	र	–	र	ग	–	–	–	–	ग	म
मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
प	–	–	–	–	–	न	सं	ध	सं	न॒	ध	प	ध	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
प	–	प	–	–	–	स	–	र	ग	–	–	–	–	र	–
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ

र	ग	–	–	–	–	ग	म	प	–	–	–	–	–	स	–
लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	–	–	–	–	–	ग	–	ध़	–	स	–	–	–	स	–
लिन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	–	–	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
लिन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
स	–	र	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
मा	ऽ	लिन्	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
*	प	प	–	प	प	प	–	म	म	म	ग	र	–	स	–
*	फू	ली	ऽ	सु	ख	की	ऽ	क	लि	यां	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ
स	–	र	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
मा	ऽ	लिन्	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
प	–	प	–	प	प	प	–	म	म	म	ग	र	–	स	–
फू	ऽ	ली	ऽ	सु	ख	की	ऽ	क	लि	यां	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ
म	म	म	म	म	–	म	ग	र	–	ग	–	र	–	स	–
र	स	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ
म	प	प	म	म	–	म	ग	र	–	ग	–	र	–	स	–
र	स	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ

ध	-	ध	सं	-	-	-	-	ध	-	ध	सं	-	-	-	-
मा	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
न	न	न	-	ध	-	प	-	ग	म	प	म	प	-	प	-
म	न	में	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	सं	रं	गं	गं	रं	-	रं	सं
फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
सं	सं	न	-	ध	-	प	-	ग	म	प	म	मप	ध	प	-
म	न	में	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	फू	ऽ	ल	स	जाऽ	ऽ	ऊं	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	सं	रं	गं	गं	रं	-	रं	सं
फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
रं	-	रं	रं	न	-	न	-	ध	ध	-	न	ध	-	प	-
हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ	हि	ये	ऽ	ल	गा	ऽ	ऊं	ऽ
स	-	र	-	-	-	र	-	र	ग	-	-	-	-	ग	म
मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
प	-	-	-	-	-	-	-								
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

56—N.P.K.

भारत मां के राज दुलारे....!

इस पिक्चर्स		ताल		गायक
"ब्रान्डी की बोतल"	**	कहरवा	**	कोरस

राज दुलारे !
भारत मां के राज दुलारे,
छोटे जवाहिर लाल हमारे।
झण्डा बन्दन करने जाना, आज़ादी के गीत सुनाना।
आज़ादी के गीत, इन्कलाब जिंदाबाद, हिंदू मुसलमां जिंदाबाद ॥
झण्डा ऊँचा रहे हमारा, जननी जन्म भूमि का प्यारा।
तूही भारत भाग्य सितारा, घर की लक्ष्मी घर ले आना ॥
जाग उठेंगे भाग हमारे, पग पूजेंगे देव तुम्हारे।
भारत मां के..............................॥
माताएं सब करत आरती, तुम पर अपने प्राण वारती।
बहनों से तुम रखिया बँधाना, उनका सावन सफल कराना ॥
भारत मां हर साल पुकारे, जुगजुग जीवो लाल हमारे।
भारत मां के..............................॥

बिना ठेका

प़	-	ऩ	स	सर	सग	र	-								
रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ								

ताल शुरू (कहरवा)

×				×				×				×			
* म	म	म		ग	-	र	स	र	-	ऩ	स	सर	सग	र	-
* भा	र	त		मा	ऽ	के	ऽ	रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ
* र	र	र		ग	-	ग	म	-	र	र	स	सर	सर	स	-
* छो	टे	ज		वा	ऽ	हि	र	ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ

र	–	न्	स	सर	सग	र	–	*	र	र	र	ग	–	ग	म
रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	क्रां	टे	ज	वा	ऽ	हि	र
–	र	–र	स	सर	सर	स	–	*	र	म	–	प	–	प	प
ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	झं	डा	ऽ	बं	ऽ	द	न
*	मम	प	–	मप	ध	म	ग	र	र	म	–	प	–	प	–
*	कर	के	ऽ	जाऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	आ	ज़ा	ऽ	दी	ऽ	के	ऽ
*	म	प	प	मप	ध	मप	मग	र	र	म	–	प	–	प	–
*	गी	त	सु	ना.	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽ	आ	ज़ा	ऽ	दी	ऽ	के	ऽ
प	–	–	–	–	–	–	–	(बाजा बन्द)							
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	इ	न्क	ला	ब	ज़ि	न्दा	बा	द
				(बाजा शुरू) ☞				सं	–	सं	–	न	–	ध	प
हिं	दुमु	सल	मां	ज़ि	न्दा	बा	द	झं	ऽ	डा	ऽ	ऊँ	ऽ	चा	ऽ
प	ध	–	म	प	न	ध	–	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
र	हे	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	ज	न	नी	ऽ	ज	ऽ	न्म	भू
–	म	म	प	प	न	ध	–	म	–	म	ग	म	प	प	म
ऽ	मि	का	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	भा	ऽ	र	त
मप	ध	ध	प	पध	न	सं	–	म	–	म	ग	म	प	प	म
भाऽ	ऽ	ग्य	सि	ताऽ	ऽ	रा	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	भा	ऽ	र	त

मप	ध	ध	प	पध	न	ध	–	*	पप	ध	–	प	न	ध	–
भाऽ	ऽ	ग्य	सि	ताऽ	ऽ	रा	ऽ	*	घर	की	ऽ	ल	क्ष	मी	ऽ
*	पप	ध	–	म	स	ग	र	*	पप	ध	–	प	न	ध	–
*	घर	में	ऽ	आ	ऽ	ना	ऽ	*	घर	की	ऽ	ल	क्ष	मी	ऽ
*	पप	ध	–	म	र	मप	धन	न	न	न	न	ध	–	प	–
*	घर	में	ऽ	आ	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ग	उ	ठें	ऽ	गे	ऽ
पध	पध	सं–	न	ध	–	प	–	*	पध	सं	–	सं	–	सं	–
भाऽ	ऽऽ	ऽग	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	*	पग	पू	ऽ	जें	ऽ	गे	ऽ
न	न	न	न	ध	–	प	–								
ऽ	दे	व	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	भारत मां के .... ।							
*	न	न	–	ध	न	प	प	ध	ध	म	म	प	न	न	–
*	मा	ता	ऽ	यें	ऽ	स	ब	क	र	त	आ	ऽ	र	ती	ऽ
*	नन	न	न	ध	न	ध	प	ध	–	म	म	प	न	न	–
*	तुम	प	र	अ	प	ने	ऽ	आ	ऽ	गा	वा	ऽ	र	ती	ऽ
ध	ध	ध	–	पध	न	ध	ध	प	ध	ध	ध	मग	र	ग	र
ब	ह	नों	ऽ	सेऽ	ऽ	तु	म	र	खि	यां	बँ	धाऽ	ऽ	ना	ऽ
म	म	म	–	ग	–	र	स	–	रर	म	म	प	–	ध	–
उ	न	का	ऽ	सा	ऽ	व	न	ऽ	सफ	ल	क	रा	ऽ	ना	ऽ

सं	-	सं	सं	न	-	ध	ध	*	ध	ध	प	मग	र	ग	र
भा	ऽ	र	त	मा	ऽ	इ	र	*	सां	स	पु	काऽ	ऽ	रे	ऽ
म	म	म	म	ग	-	र	स	*	र	ऩ	स	सर	सग	र	-
जु	ग	जु	ग	जी	ऽ	वों	ऽ	*	ला	ल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ
*	म	म	म	ग	-	र	स	र	-	ऩ	स	सर	सग	र	-
*	भा	र	त	मा	ऽ	कं	ऽ	रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ
*	र	र	र	ग	-	ग	म	-	र	-र	स	सर	सर	स	-
*	कों	टे	ज	वा	ऽ	हि	र	ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ

(ठेका बन्द)

*	ग	र	स	सर	सग	र	-
*	रा	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ

—o-*-o— 57—N. P. K

अब मैं काह करूँ कित जाऊँ !

न्यूथियेटर्स फिल्म	* *	ताल	* *	गायक
'धरतीमाता'	* *	धुमाली	* *	'सहगल'

अब मैं काह करूँ कित जाऊं।
छूट गया सब साथ सहारा, अपने भी कर गये किनारा॥
एक बाजी में सब कुछ हारा, आशा हारी हिम्मत हारी।
अब क्या दाव लगाऊं? अब मैं काह करूँ.......................॥
जो पौधा सींचा मुरझाया, टूट गया जो महल बनाया।
बुझ गया जो भी दिया जलाया, मन अँधियारा, जग अँधियारा।
ज्योति कहां से लाऊं? अब मैं काह करूँ.......................॥

—*-(⌒)-*—

स	र	सऩ्	ध़	-	ग	र	गप	गमगरस	-	स	स	ध़स	र	ग	र
अ	ब	मैं	ऽ	ऽ	का	ऽ	इक	रूं		ऽ	कि त	जा	ऽ	ऊं	ऽ
ग	-	सऩ्	ध़	-	ग	र	गप	गमगरस	-	ऩध़	प	ध़	स	स	-
ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	का	ऽ	इक	रूं	ऽ	कि	त	जा	ऽ	ऊं	ऽ
-	म	प	पप	प	-	-	-	-	मप	ध	धध	ध	-	-	-
ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ
मप	धन	न	न	न	-	न	न	-	धन	ध	प	मप	मपधन	धप	-
छू	ऽ	ट	ग	या	ऽ	स	ब	ऽ	सा	थ	स	हा	ऽ	रा	ऽ
-	ग	ग	ग	ग	-	ग	ग	ग	म	-	म	रग	सरगम	गर	-
ऽ	अ	प	ने	भी	ऽ	क	र	ग	ये	ऽ	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
-	ग	र	गम	मग	रग	र	स	-	स	ऩध़	प़	ध़स	रग	र	-
ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	स	ब	ऽ	सा	थ	स	हा	ऽ	रा	ऽ
-	र	र	र	र	ग	र	ग	सर	सरग	म	म	मग	रगमग	रस	-
ऽ	अ	प	ने	भी	ऽ	क	र	ग	ये	ऽ	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
-	मप	प	-	पध	पध	पम	-	-	गग	र	स	सरग	सर	म	-
ऽ	एक	बा	ऽ	जी	ऽ	में	ऽ	ऽ	सब	कु	छ	हा	ऽ	रा	ऽ
-	ध	-	ध	-	मध	धनसंरं	नसं	-	धन	ध	प	मप	धन	ध	-
ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	हाऽ	री	ऽ	ऽ	हिं	म	त	हाऽ	री	ऽ	ऽ

-	ध	प	मपध	-	प	ध	पप	पमग	-	म	-	रग	मर	-	-
ऽ	अ	ब	क्या।	ऽ	दा	ऽ	बल	गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अब मैं काह करूं......................।

-	सं	सं	रं	न	-	-	न	न	-	न	ध	मपधन	-	ध	-
ऽ	जो	पौ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	सीं	चा	ऽ	मु	र	झा	ऽ	या	ऽ
-	ध	न	नन	नध	पध	प	-	-	गग	ग	म	ग	-	र	-
ऽ	टू	ऽ	टग	ग	ऽ	जो	ऽ	ऽ	मह	ल	ब	ना	ऽ	या	ऽ
-	म	म	प	ध	ध	-	-	-	धनसंरं	सं	-	-	न	ध	प
ऽ	बु	झ	ग	या	जो	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ	दि	या	ज
मप	धन	धप	-	-	मप	न	न	सं	नसं	रंगं	रं	-	सं	गं	-
ला	ऽ	या	ऽ	ऽ	मन	अं	धि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	रंसं	न	ध	पध	न	ध	-	-	प	न	-	-	-	-	-	
ऽ	जग	अं	धि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	पध	-	प	पमग	-	म	-	ग	र	-	-	-	-	-	-
ऽ	जो	ऽ	तक	हों	ऽ	से	ऽ	ला	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अब मैं काह करूं कित......................

मन भावन मन भावन··········!

बोम्बे टाकीज़ फ़िल्म "बन्धन"	ताल कहरवा	गायिका "लीला चिटनीस"

मन भावन मन भावन, लो सावन आया रे।
बन बन उपवन कुञ्ज कुञ्ज में, गुंजन छाया रे, लो सावन आया रे······!
रिमझिम-रिमझिम गाता आया, सरगम सकल सुनाता आया।
नया संदेशा, नई आस, नव-जीवन लाया रे॥ लो सावन आया रे······!
मगन हुई हंसों की टोली, दुनियाँ प्रेम हिंडोले डोली।
डाल पै बैठी बुलबुल बोली, सावन आया रे॥ लो सावन आया रे······!

स्वरलिपि☞

														स	स
														म	न
+				'				+				'			
ग	म	ग	म	ग	र	ग	म	प	ध	प	–	–	–	र	ग
भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	म	न	भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	लो	ऽ
ग	प	म	ग	र	स	र	ग	स	–	–	–	–	–	स	स
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	म	ग	र	ग	म	प	ध	प	–	–	–	र	ग
भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	म	न	भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	लो	ऽ
ग	प	म	ग	र	स	र	ग	स	–	–	–	–	–	–	–
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

ग	म	म	म	म	म	ग	म	प	-	प	प	-	प	प	म
ब	न	ब	न	उ	प	व	न	कुं	ऽ	ज	कुं	ऽ	ज	में	ऽ
म	ध	ध	ध	ध	-	प	म	म	प	-	-	म	ग	र	स
गुं	ऽ	ज	न	छा	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	म	म	म	म	ग	म	प	-	प	प	-	प	प	म
सिर्फ बाजा बजेगा															
म	ध	ध	ध	ध	-	प	म	म	प	-	-	म	ग	र	स
														लो	ऽ

सावन आया रे............।

ध	सं	सं	सं	ध	सं	सं	सं	न	सं	न	ध	प	ध	न	सं
रि	म	झि	म	रि	म	झि	म	गा	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ
स	र	ग	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	ध	प	-
स	र	ग	म	स	क	ल	सु	ना	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ
स	स	प	प	प	-	प	-	म	प	म	ध	प	म	म	म
न	या	ऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	न	ई	ऽ	आ	ऽ	श	न	व
ग	-	र	ग	प	म	ग	र	स	-	-	-	र	ग	म	प
जी	ऽ	व	न	ला	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	स	प	प	प	-	प	-	म	प	म	ध	प	म	म	म
न	या	ऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	न	ई	ऽ	आ	ऽ	श	न	व

ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	–	–	र	ग
जो	ऽ	व	न	ला	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लो	ऽ

सावन आया रे ………………………………………।

म	म	प	ध	ध	–	ध	–	ध	न	ध	न	ध	प	म	–
म	ग	न	हु	ई	ऽ	हं	ऽ	सों	ऽ	की	ऽ	टो	ऽ	ली	ऽ
प	प	ध	न	न	–	न	न	प	ध	ध	न	न	ध	प	–
दु	नि	यां	ऽ	प्रे	ऽ	म	हिं	डो	ऽ	ले	ऽ	डो	ऽ	ली	ऽ
स	प	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	–
डा	ऽ	ल	पै	बै	ऽ	ठी	ऽ	बु	ल	बु	ल	बो	ऽ	ली	ऽ
ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	र	ग	म	प
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	प	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	–
डा	ऽ	ल	पै	बै	ऽ	ठी	ऽ	बु	ल	बु	ल	बो	ऽ	ली	ऽ
ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	–	–	र	ग
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	लो	ऽ

सावन आया रे ………………………………………।

—*-०-*—

59—N. P. K.

कौन बगिया से आये.........!

भवनानी प्रोडक्शन	**	ताल	**	गायिका
फ़िल्म 'डबलक्रौस'	**	धुमाली और दादरा	**	विमला कुमारी

कौन बगिया से आये मोरे पियारे सूगना।
सूगना के हरे हरे पंखे और लाल लाल ठोर भाये,
पियारे सूगना, कौन बगिया........................।

(मिट्ठू यह तो बता, तूने किसी से प्रेम भी किया ? हँ हँ क्या कहा, नहीं किया है ? तो सुन)

आ तुझे प्रेम का एक पाठ पढ़ाऊं तोते,
मुझ से तू रूठ ज़रा, और मैं मनाऊं तोते,
अच्छा एक बात ज़रा मुझको तू बतला तो सही।
अपने प्रीतम को भला कैसे मैं पाऊं तोते ?
सूगना के हरे हरे पंखे.....................।

ताल धुमाली

+				+				+				+			
*	ग	-	म	प	ध	ग	म	-	ग	-	म	प	ध	ग	म
*	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से	ऽ	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से
-	र	ग॒	र	स	ऩ	-	ऩ	स	-	सर	ग॒	-	स	र	ऩ
ऽ	आ	ऽ	ये	मो	रे	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग
स	-	-	-	*	ग	-	म	प	-	-	प	प	ध॒	प	ध॒
ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	सु	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे
म	प	म	-	ग	स	ग	म	प	-	-	प	प	न॒	ध	न॒
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे

प	ध	म	प	ग	स	ग	म	प	–	–	प	प	न	ध	न
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सू	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे
प	ध	म	प	ग	स	ग	म	प	ध	म	म	–	स	ग	म
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ओं	ऽ	र	ला	ले	ला	ले	ऽ	*	*	*
प	ध	म	म	–	स	ग	म	प	ध	म	म	–	र	ग	र
*	*	*	*	*	बा	ऽ	के	ला	ले	ला	ले	ऽ	ठौ	ऽ	र
स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग	–	स	र	ऩ	स	–	–	–
भा	ये	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	–	म	प	ध	ग	म	–	ग	–	म	प	ध	ग	म
*	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से	ऽ	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से
–	र	ग	र	स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग	–	स	र	ऩ
*	आ	ऽ	ये	मे	रे	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग
स	–	–	–	–	–	*	*								
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*								

यहां से ताल दादरा

+			o			+			o		
		स	र	ऩ	स	ग	–	ग	ग	ग	ग
		आ	तु	झे	ऽ	प्रे	ऽ	म	का	इ	क

ग	-	ग	ग	ग	-	र	-	ग	म	ग	-
पा	ऽ	ठ	प	ढ़ा	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	र	न	स	म	-	ग	ग	ग	ग
ऽ	ऽ	आ	तु	झे	ऽ	प्रे	ऽ	म	का	इ	क
ग	-	ग	ग	ग	-	र	-	ग	म	ग	-
पा	ऽ	ठ	प	ढ़ा	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	र	ऩ	स	ग	-	ग	ग	ग	-
ऽ	ऽ	मुझ	से	तू	ऽ	रू	ऽ	ठ	ज़	रा	ऽ
ग	ग	र	स	स	-	ग	-	ग	म	ग	-
औ	र	मैं	म	ना	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	स	ग	म	प	-	प	प	प	-
ऽ	ऽ	अ	च्छा	इ	क	बा	ऽ	त	ज़	रा	ऽ
ध	न	ध	प	म	प	ग	-	ग	प	म	-
मु	झ	को	तू	ब	त	ला	ऽ	तो	स	हो	ऽ
म	-	स	स	ग	म	प	-	प	प	ध	सं
ऽ	ऽ	अ	च्छा	इ	क	बा	ऽ	त	ज़	रा	ऽ
न	सं	न	ध	प	ध	ग	-	ग	प	म	-
मु	झ	को	तू	ब	त	ला	ऽ	तो	स	हो	ऽ

म	–	म	म	प	–	ग	ग	ग	ग	ग	–
ऽ	ऽ	अप	ने	प्री	ऽ	त	म	को	भ	ला	ऽ
र	–	र	र	र	–	रग	म	ग	–	स	–
कै	ऽ	मे	मैं	पा	ऽ	ऊंऽ	ऽ	नों	ऽ	ते	ऽ

यहां से ताल धुमाली☞

ग म

सु ग

+				+				+				+			
प	–	–	प	प	ध	प	ध	म	प	म	–	ग	स	ग	म
ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे	पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ग
प	–	–	प	प	न	ध	न	प	ध	म	प	ग	स	ग	म
ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे	पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र
प	ध	म	म	–	र	ग	र	स	न	–	न	स	–	सर	ग
ला	ले	ला	ले	ऽ	ठौ	ऽ	र	भा	ये	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ
–	स	र	न	स	–	–	–	*	ग	–	म	प	ध	ग	म
ऽ	सू	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	कौं	ऽ	न	ब	गि	या	से

आये मोरे पियारे..।

सपनों में कोई आता है······।

न्यूथियेटर्स फिल्म "सँपेरा"	✤✤	ताल कहरवा	✤✤	गायिका काननबाला

सपनों में कोई आता है ।
कुछ चुपके से कहजाता है ॥
हांठों से होंठ मिलाता है, हिरदय का कमल खिलाता है ॥ सपनों में···॥
मैं ठण्डी आहें भरती हूँ, वो ऐसी आग लगाता है ।
कोई पूछे मेरे साजन से, जो उससे आंख लगाता है ॥
क्यूं उसका दिल मोती बनकर क्यूं आंखों से बहजाता है ॥

														ग	र
														स	प
+				।				+				।			
ऩ	–	ध़	प़	ध़	–	स	र	सर	ग	ग	म	–	–	ग	ग
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	कु	छ
*	ग	ग	ग	ग	म	ग	म	र	ग	रग	म	ग	–	ग	म
*	चु	प	के	से	ऽ	क	ह	जा	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	हो	ऽ
गम	प	प	–	प	–	प	ध	म	प	म	–	प	–	ग	म
ठोंऽ	ऽ	से	ऽ	हो	ऽ	ठ	मि	ला	ऽ	ऽ	ता	है	ऽ	हो	ऽ
गम	प	प	पध	मप	सं	–	न	प	म	प	म	ग	–	ग	ग
ठोंऽ	ऽ	से	होऽ	ऽऽ	ऽ	ठ	मि	ऽ	ला	ऽ	ता	है	ऽ	हि	र

ग	ग	म	–	म	म	म	म	र	ग	ग	–	र	–	ग	ग
द	य	का	ऽ	क	म	ल	खि	ला	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	हि	र
र	ग	ग	–	ग	ग	ग	म	मग	रस	र	ग	र	–	ग	र
द	य	का	ऽ	क	म	ल	खि	लाऽ	ऽऽ	ना	ऽ	है	ऽ	स	प
ऩ	–	ध़	प़	ध़	–	स	र	सर	ग	ग	स	–	–	म	–
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
*	ध	–	ध	ध	–	पध	नध	प	ध	ध	न	सं	–	ध	म
*	ठं	ऽ	डी	आ	ऽ	हेंऽ	ऽऽ	ऽ	भ	र	ती	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
*	ध	–	ध	ध	–	ध	न	प	ध	ध	न	सं	–	न	–
*	ठं	ऽ	डी	आ	ऽ	हें	ऽ	ऽ	भ	र	ती	हूं	ऽ	वो	ऽ
*	न	–	न	न	–	न	सं	सं	पध	नसं	न	ध	–	न	–
*	पे	ऽ	सी	आ	ऽ	ग	ल	गा	ऽऽ	ऽऽ	ता	है	ऽ	को	ऽ
ध	म	–	ग	र	स	ध़	ऩ	स	–	ग	ग	म	–	ध	–
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	को	ऽ
ध	ध	–	ध	–	ध	–	ध	न	ध	प	ध	ग	म	मप	धन
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	कोऽ	ऽऽ
ध	म	–	ग	र	स	ध़	ऩ	स	–	ग	ग	म	–	म	–
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	जो	ऽ

*	म	म	म	म	ग	ग	ग	म	ध	मध	नसं	सं	-	नसं	-
*	उ	स	से	आं	ऽ	ख	ल	ड़ा	ऽ	ताऽ	ऽऽ	है	ऽ	क्यूं	ऽ
*	सं	सं	सं	सं	सं	सं	रं	न	सं	न	न	ध	ध	म	ध
*	उ	स	का	दि	ऽ	मा	ऽ	नों	ऽ	ब	न	क	र	क्यूं	ऽ
सं	सं	-	न	ध	-	म	म	ग	-	र	-	स	-	ग	र
ऽ	आं	ऽ	खों	मे	ऽ	ब	ह	जा	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	स	प
न	-	ध़	प़	ध़	-	स	र	सर	ग	ग	स	-	-	-	-
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

61—N P.K.

मोरे अँगना में बंसी बजाजा…।

कृष्णा मोवीटोन	**	ताल	**	गायक
फिल्म "ज़माना"	**	कहरवा	**	'अमीरजान, गोपे व पार्टी'

मोरे अँगना में बंसी बजाजा। तन मन की सुधि बिसराजा ॥
जमुना जल को देखके चञ्चल, मन भी लहरें मारे,
तोरे बिना मोहे कल न परत है, आ मिल प्रीतम प्यारे।
मोरे भूखे नैन रिझाजा, तन मन की सुधि बिसराजा ॥ हां मोरे……॥
जमुना तट पै चल मेरी राधा, हां चल मेरी राधा हिलमिल रास रचायेंगे।
दुनियाँ वालों को हम दोनों, प्रीति की रीत सिखायेंगे।
मोरे संग कदम तले आजा, तन मन की सुधि बिसराजा ॥ हां मोरे…॥

—*—

स्वरलिपि☞

														ध	न
														मा	रे
+				+				+				+			
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	ग	ग	रं	-	सं	-	संगं	गंसं	ध	न
अँग	ना	ऽ	में	बं	सीऽ	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	ग	ग	रं	-	सं	-	-	-	सं	मं
अँग	ना	ऽ	में	बं	सीऽ	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	-	-	सं	मं
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	संगं	रंसं	ध	न
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे

अँगना में बंसी············ ।

*	ग	र	ग	म	प	प	-	*	प	ध	ध	पध	नध	प	म
*	ज	मु	ना	ज	ल	को	ऽ	*	दे	ख	के	चंऽ	ऽऽ	च	ल
म	म	मप	ध	पध	न	धन	सं	ध	-	म	-	गंरं	संन	धप	मग
म	न	भीऽ	ऽ	लह	ऽ	रेंऽ	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*
म	ग	र	ग	म	प	प	-	*	प	ध	ध	पध	नध	प	म
*	य	मु	ना	ज	ल	को	ऽ	*	दे	ख	के	चंऽ	ऽऽ	च	ल
म	म	मप	ध	पध	न	धन	सं	ध	-	म	-	प	गं	रं	-
म	न	भीऽ	ऽ	लह	ऽ	रेंऽ	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*

*	ध	ध	न	सं	मं	गं	मं	सं	गं	सं	न	ध	न	सं	-
*	तो	रे	बि	ना	ऽ	मो	हे	क	ल	ना	प	र	त	है	ऽ
*	ध	ध	न	सं	रं	गं	मं	गं	-	सं	-	-	-	ध	न
*	आ	मि	ल	प्री	ऽ	त	म	प्या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रे
सं	-	सं	ध	सं	रं	रं	गं	रं	-	सं	-	-	-	सं	मं
भू	ऽ	खे	ऽ	नै	ऽ	न	रि	झा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	संगं	रंसं	ध	न
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	गं	गं	रं	-	सं	-	-	-	-	-
अँग	ना	ऽ	में	बं	सी	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	पं	मं	पं	धं	मं	-	-	गंगं	रं	सं	रं	पं	मं	मं
*	य	मु	ना	त	ट	पै	ऽ	ऽ	चल	मे	री	रा	ऽ	धा	हां
गं	गं	रं	सं	रं	पं	मं	-	-	गंगं	गं	गं	रं	-	सं	रं
च	ल	मे	री	रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	हिल	मि	ल	रा	ऽ	स	र
न	सं	रं	गं	रं	-	-	-	*	गं	गं	गं	गं	मं	गं	मं
चा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	*	दु	नि	यां	वा	ऽ	लों	ऽ
मंपं	धं	पं	मं	रं	गं	न	सं	*	ध	ध	न	सं	-	सं	सं
कोऽ	ऽ	ह	म	दो	ऽ	नों	ऽ	*	प्री	त	की	री	ऽ	त	सि

सर	मं	गं	-	सं	-	ध	न	सं	-	ध	ध	संरं	रंसं	रंमं	मंगं
आऽ	ऽ	ऐं	ऽ	गे	ऽ	मो	रे	सं	ऽ	ग	क	दृऽ	मऽ	तऽ	लेऽ

रं	-	सं	-	-	-	सं	मं	
आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	मन की सुध बिसराजा, मोरे…………

अंगना में बंसी बजाजा………………।

62—N. P. K.

राधा राधा प्यारी राधा……………!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म "कङ्गन" ** ताल कहरवा ** गायक अशोक० और लीलाचि०

राधा-राधा प्यारी राधा, राधा प्रेम अगाधा।
किसने हम आज़ाद परिन्दों को बन्धन में बांधा॥
साजन क्यूं बन्धन में बांधा?
कू-कू करके कोयल बोली, दिल वालों की दुनियां डोली।
शर्मीली भोली कलियों ने, अपनी अपनी खिड़की खोली॥
फ़ौरन भँवरों की टोली ने, प्रेम बाण को साधा।
साजन प्रेम बाण क्यूं साधा॥

+				+				+				+			
स	म	म	ग	म	प	प	म	प	ध	ध	प	ध	सं	सं	-
रा	ऽ	धा	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ
-	-	-	-	सं	-	सं	न	ध	न	ध	ध	ध	न	न	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	प्रे	ऽ	म	अ	गा	ऽ	धा	ऽ

–	–	–	–	प	प	प	म	म	म	म	–	म	–	म	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	स	ने	ऽ	ह	म	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	द	प
म	–	म	ग	ग	–	ग	–	स	ग	ग	–	स	र	ग	म
रि	ऽ	न्दों	ऽ	को	ऽ	बं	ऽ	ध	न	में	ऽ	बां	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	स	–	स	म	म	ग	म	प	प	म	ग	म	म	स
धा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज	न	क्यूं	ऽ	बं	ऽ	ध	न	में	ऽ
स	र	ग	म	म	–	स	–	प	–	प	–	प	–	प	–
बाँ	ऽ	ऽ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	क्यूं	ऽ	बं	ऽ
प	ध	न	स	ध	–	प	–								
ध	न	में	ऽ	बां	ऽ	धा	ऽ	किसने हम आज़ाद परिन्दों को बन्धन में बांधा							

राधा राधा प्यारी राधा.............................।

स	–	स	ग	ग	ग	ग	–	ग	म	म	म	म	–	म	–
कू	ऽ	कू	ऽ	क	र	के	ऽ	को	ऽ	य	ल	बो	ऽ	लो	ऽ
ग	ग	ग	प	प	–	प	–	प	ध	न	सं	ध	–	प	–
दि	ल	वा	ऽ	लों	ऽ	की	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	डो	ऽ	ली	ऽ
प	प	न	–	न	–	न	–	ध	न	सं	सं	ध	–	न	–
श	र	मी	ऽ	ली	ऽ	भो	ऽ	ली	ऽ	क	लि	यों	ऽ	ने	ऽ
प	प	न	–	प	प	न	–	ध	ध	ध	–	प	म॑	प	–
अ	प	नी	ऽ	अ	प	नी	ऽ	खि	ड़	की	ऽ	खो	ऽ	ली	

–	–	–	–	|	म	प	प	म	|	म	प	प	म	|	ग	म	म	–
*	*	*	*	|	फ़ौ	ऽ	र	न	|	भं	व	रों	ऽ	|	की	ऽ	टो	ऽ
ग॒	–	र	–	|	र	–	र	र	|	–	र	स	–	|	र	–	प	–
ली	ऽ	ने	ऽ	|	प्रे	ऽ	म	वा	|	ऽ	गा	कों	ऽ	|	सा	ऽ	धा	ऽ
–	–	–	–	|	ग॒	प	प	–	|	म	–	म	ग॒	|	–	ग॒	र	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	|	रा	ऽ	धा	ऽ	|	प्रे	ऽ	म	वा	|	ऽ	गा	कों	ऽ
र	म	म	स	|	–	–	–	–	|	स	म	म	–	|	–	–	–	–
सा	ऽ	धा	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	|	सा	ऽ	जन	ऽ	|	*	*	*	*
म	–	म	म	|	–	म	म	–	|	ग॒	प	प	–	|	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	वा	|	ऽ	गा	क्यूं	ऽ	|	सा	ऽ	धा	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध॒	ध॒	–	|	–	–	–	–	|	ध॒	–	ध॒	ध॒	|	–	ध॒	प	–
रा	ऽ	धा	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	|	प्रे	ऽ	म	वा	|	ऽ	गा	को	ऽ
प	न॒	न॒	प	|	–	–	–	–	|	स	म	म	–	|	–	–	–	–
सा	ऽ	धा	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	|	सा	ऽ	जन	ऽ	|	*	*	*	*
म	–	म	म	|	–	म	म	–	|	म	प	प	म	|	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	वा	|	ऽ	गा	क्यूं	ऽ	|	सा	ऽ	धा	ऽ	|	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

राधा राधा प्यारी राधा………………।

63—N.P.K 11—40

मोरे बांके सँवरिया सँवरिया रे....!

नेशनल स्टूडियोज़ ** दुगाना ** गायक		
फिलम "औरत" ** (ताल–धुमाली) ** वत्सला कुमेतकर व हरीश		

मोरे बांके सँवरिया सँवरिया रे।
मोहे लादो चुँनरिया चुँनरिया रे ॥
तोहे चुँनरी ओढ़ाऊं तोहे बनरी बनाऊं।
आये देखन को सारी नगरिया रे ॥
मेरा नाजुक है अङ्ग, होय हलका सा रंग।
जाऊं चुनरी को ओढ़े बजरिया रे ॥

स्वरलिपि

														ग	म
														मो	रे
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	रम	रम
बाँ	ऽ	के	सं	वरि	या	ऽ	सं	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ	मोऽ	हेऽ
ग	स	-	ध	न	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दो	ऽ	चु	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	मो	हे
ग	स	-	ध	न	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	ग	म
ला	दो	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	ध	ध
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	तो	हे
म	प	-	ध	ध	-	ध	ध	न	न	-	न	सं	सं	सं	सं
चुन	री	ऽ	उ	ढ़ा	ऊं	तो	हे	बन	री	ऽ	ब	ना	ऊं	आ	ये

न	न	-	न	ध	-	प	म	र	ग	र	-	स	-	ग	म
दे	खन	ऽ	को	सा	ऽ	री	न	ग	रि	या	ऽ	रे	ऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दूं	ऽ	चु	नरि	या	ऽ	चु	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	ग	म
ला	दूं	ऽ	चु	नरि	या	ऽ	चु	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	क	हाँ
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	ग	म
ला	*	गे	न	तोहि	का	ऽ	न	ज़	रि	या	ऽ	रे	ऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	म	प
ला	दूं	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रा
न	न	-	न	सं	सं	सं	-	प	-	नसंरं	रं	नध	प	सं	सं
ना	जुक	ऽ	है	अं	ग	होय	ऽ	हल	ऽ	काऽऽ	सा	रंऽ	ग	जा	ऊं
न	न	-	न	ध	-	प	म	र	ग	र	-	स	-	ग	म
चुंन	री	ऽ	को	ओ	ऽ	ढ़	ब	ज़	रि	या	ऽ	रे	ऽ	मो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दो	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दूं	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	मो	रे

बांके सँवरिया............ ।

———

चल चल रे नौजवान..........!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म "बन्धन"	✠✠	ताल दादरा	✠✠	गायक "सुरेश"

चल चल रे नौजवान, कहना मेरा मान मान।
दूर तेरा गांव और थके पांव, फिर भी तू हरदम आगे बढ़ा कदम।
रुकना तेरा काम नहीं चलना तेरी शान, चल चल रे नौजवान ॥
तू आगे बढ़ेजा, आफ़त से लड़े जा। आँधी हो या तूफान, फटता हो आसमान।
रुकना तेरा काम नहीं चलना तेरी शान ॥ चल चलरे.........॥

स्वरलिपि☞

सा	ऽ
च	ल

+			0			+			0		
ध़	-	स	स	-	र	ग	-	-	स	स	-
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	च	ल
ध़	-	स	स	-	र	ग	-	-	स	-	-
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	*	*
ग	ग	म	प	ध	-	प	-	म	ग	-	र
क	ह	ना	मे	रा	ऽ	मा	ऽ	न	मा	ऽ	न

चल रे नौजवान.................।

ध़	-	म	स	र	-	ग	-	-	-	-	-
दू	ऽ	र	ते	रा	ऽ	गाँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व
र	-	स	र	ग	-	स	-	-	-	-	-
औ	ऽ	र	थ	के	ऽ	पाँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व

प	-	प	प	ग	-	प	-	-	-	प	-
फि	र	भी	तू	ह	र	द	म्	ऽ	ऽ	आ	ऽ
ग	-	प	ध	-	न	प	-	-	-	-	-
गे	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	क	द	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	न	न	-	न	-	न	न	न	ध
रु	क	ना	ते	रा	ऽ	का	ऽ	म	न	हीं	ऽ
प	ध	प	म	ग	र	र	-	-	-	स	-
च	ल	ना	ते	रा	ऽ	शा	ऽ	ऽ	न	च	ल
ध़	-	स	स	-	र	ग	-	-	स	म	-
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	तू	ऽ
म	-	प	न	न	-	सं	-	-	-	सं	-
आ	ऽ	गे	ब	ढ़े	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	-	रं	-	-	-	रं	-
फ़	त	से	ल	ड़े	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आँ	ऽ
रं	रं	रं	-	रं	-	गं	-	-	-	गं	मं
धी	हो	या	ऽ	तू	ऽ	फ़ा	ऽ	ऽ	न	फ	ट
रं	-	सं	न	-	प	सं	-	-	-	-	-
ता	ऽ	हां	आ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न

रुकना तेरा काम नहीं चलना ....॥

जीवन आशा ये है......।

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायक
"ज़िन्दगी"		धुमाली		'सहगल'

जीवन आशा ये है मेरी, जीवन आशा ये है।
जितने सहारे छूट चुके हैं, सबका सहारा ये है ॥
ये ही मेरी सारी पूंजी, ये ही सब धन माया।
है आँखों की ठंडक मनकी, ढाडस और अन्नदाता ये है ॥
ये ही है मुझको हीरा पन्ना, ये ही है मोती मूंगा।
नाम है इसका एक दुअन्नी, सारा ख़जाना ये है ॥
ये जो गई तो गया ख़जाना, आस गई और जान गई।
सारे सहारे टूट न जाये, दिल को धड़ाका ये है ॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

+				२				+				२			
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
प़ध़	सर	म	-	*	गम	ग	रग	र	सर	स	ऩस	ऩ	ध़ऩ	ध़	प़ध़
प़	ग़	प़	ध़	स	ध़	र	स	प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़
सं	-	-	-	-	-	-	-	प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़
स	-	-	-	-	-	-	-	ग	म	प	ध	न	सं	-	-
-	-	न	ध	ध	प	प	ध	प	म	म	-	-	-	ग	म
प	ध	प	म	र	म	ग	-	-	प	म	ग	स	-	ध़	स
-	प	म	ग	स	-	प	म	ग	स	-	ग	स	ऩ	-	ऩ
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
प़	ध	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	प़	ध़	ऩ	स

अब गाना शुरू हुआ

-	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
-	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	-	-	-	-	-
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	र	ग	ग	-	ग	-	र	प	ग	ग	ग	-	म	ग
जि	त	ने	स	हा	ऽ	रे	ऽ	छू	ऽ	ट	चु	के	ऽ	हैं	ऽ
स	र	र	र	र	म	ग	र	स	ऩ	ध़	-	स	ऩ	ध़	प़
स	ब	का	स	हा	ऽ	रा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
-	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
-	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	-	-	-	-	-
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	स	स	स	स	स	र	र	प	म	ग	र	-	स	ऩ
ऽ	ऽ	ये	ही	मे	री	सा	ऽ	रो	ऽ	पूं	ऽ	जी	ऽ	ये	ही
ध़	ध़	-	-	स	ऩ	ध़	ध़	-	-	ध़	ऩ	स	र	स	र
स	ब	ऽ	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ध	न	मा	ऽ	या	ऽ

र	–	–	–	–	–	स	स	स	स	स	र	र	प	म	ग
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ही	मे	री	सा	ऽ	री	ऽ	पूं	ऽ
र	–	स	ऩ	ध़	ध़	–	–	स	ऩ	ध़	ध़	–	–	ध़	ऩ
जी	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ध	न
स	र	स	र	र	–	–	–	–	–	–	प	प	–	प	–
मा	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आँ	खों	ऽ	की	ऽ
प	–	म॑	प	–	–	म॑	प	म॑	ग	र	ग	रगम	ग	ग	–
ठं	ऽ	ड	क	ऽ	ऽ	म	न	की	ऽ	ढा	ऽ	ऽ	ड	स	ऽ
–	–	–	प	प	–	प	–	प	–	म॑	प	–	–	म॑	प
ऽ	ऽ	ऽ	आँ	खों	ऽ	की	ऽ	ठं	ऽ	ड	क	ऽ	ऽ	म	न
म॑	ग	र	ग	रगम	ग	ग	–	–	–	ग	–	–	–	सर	–
की	ऽ	ढा	ऽ	ऽ	ड	स	ऽ	ऽ	ऽ	और	ऽ	ऽ	ऽ	अन्न	ऽ
–	स	–	म	ग	र	स	ऩ	ध़	–	–	–	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	–	–	–	–	ध़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ

प	ध	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	पध	पम	–	–
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	–	ध	ध	ध	ध	–	ध	प	प	प	म	–	म	–
ये	ही	ऽ	है	मु	झ	को	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽ	प	ऽ	ला	ऽ
ग	ग	–	ग	ग	र	र	स	स	र	र	ग	रगर	स	–	–
ये	ही	ऽ	है	मो	ऽ	ती	ऽ	मू	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	स	–	स	स	र	र	प	प	म	म	म	ग	–	र	–
ना	ऽ	ऽ	म है	जि	स	का	ऽ	ए	ऽ	क	दु	अ	ऽ	ली	ऽ
ध़	स	स	स	स	र	र	म	ग	र	र	–	–	–	–	–
सा	ऽ	रा	ख़	ज़ा	ऽ	ना	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऩ	–	ऩ	ऩ	ऩ	–	ऩ	–	ऩ	ध़	–	ध़	ध़	प़	प़	म़
ये	ऽ	जो	ग	ई	ऽ	तो	ऽ	ग	या	ऽ	ख़	ज़ा	ऽ	ना	ऽ
म़	प़	प़	ध़	ध़	–	–	–	–	–	–	–	प़ध़	म़	–	–
आ	ऽ	स	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऱ	म़	म़	म़	म़	प़	प़	स	स	ऩ	ऩ	ध़	ध़	प़	–	–
आ	ऽ	स	ग	ई	ऽ	औ	र	जा	ऽ	न	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	म	म	म	प	प	ध	म	प	–	–	–	–	–	–
सा	ऽ	रे	स	हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	म	म	म	म	-	म	-	मप	ध	ध	ध	प	ध	ध	-
सा	ऽ	रे	स	हा	ऽ	रे	ऽ	दू	ऽ	ट	न	जा	ऽ	यें	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	-	ध	प	प	म	म	ग	ग	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ल	को	ऽ	ध	ड़ा	का	ऽ
स	ग	र	-	र	ग	म	प	प	म	म	ग	ग	र	र	स
ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ल	को	ऽ	ध	ड़ा	का	ऽ
स	ग	र	-	-	-	-	-	*	*	*	*	म	-	म	ग
ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	जी	ऽ	व	न
म	-	प	-	सं	-	नसं	न	धन	ध	-	-	प	-	-	-
आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

66-D. I. S.

हे भँवरे तू न सता.....!

"प्रभात" कृत		ताल		गायिका
"मेरा लड़का"		धुमाली		शान्ता हुबलीकर

हे भँवरे तू न सता।
गुञ्जन से क्या कहता, क्यूं मुझको बहकाता। हे भँवरे......॥
फूलों का लोभी भंवरा तू काला, चपला कुमारी भोरी मैं बाला।
मैं हूं नवेली, हूँ निराली, रूपखानी, नहीं सानी रानी,
मैं अलबेली। हे भंवरे तू न सता..........................॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

नस	गम	पम	गम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	–	–
नस	गम	पम	गम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	–	–
नसंनध	धनधप	पधपम	पमगम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	ग	रस
नस	न	धप	मप	सं	धन	–प	ध	मप	–	ग	म	प	–	–	न
ध	प	ग	म	प	–	–	–	नसं	–	–	–	धन	–	–	–
मप	–	–	–	नन	सस	गम	मम	प	–	ग	म	प	न	सं	रं
										हे	ऽ	भं	व	रे	ऽ

सं	न	सं	–	–	प	ध	म	प	–	नसंन	धनध	पधप	मपम	गम–	–
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	*	*	*	*	*	*

–	–	ग	म	प	न	सं	रं	सं	न	सं	–	–	प	ध	म
ऽ	ऽ	हे	ऽ	भँ	व	रे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स

प	–	–	–	न	ध	न	सं	सं	प	–	–	प	म	प	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न	से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह

पम	ग	र	स	र	–	र	र	र	ग	म	ग	र	ग	स	–
ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूं	ऽ	मु	झ	को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ

–	–	ग	म	प	न	सं	रं	सं	न	सं	–	–	प	ध	म
ऽ	ऽ	हे	ऽ	भँ	व	रे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स

नरंनसं	–	–	–	–	प	ध	म	प	–	–	–	न	ध	न	सं
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न

सं	प	-	-	प	म	प	ध	पम	ग	र	स	र	-	र	र
से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूं	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	गम	गम	गम	-	-	म	स	-
को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
नसं	नसं	नसं	-	पध	पध	पध	-	मप	मप	मप	-	-	मग	स	-
-	-	म	म	-	प	न	न	नसं	रं	-	सं	गंरं	संरं	गं	-
*	*	फू	ऽ	ऽ	लों	ऽ	का	लो	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	संरं	रं	-	सं	-	न	पन	संरं	-	-	नसं	-	-	-
ऽ	ऽ	भं	व	ऽ	रा	ऽ	तू	का	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
नध	-	मग	म	-	प	न	न	नसं	रं	-	सं	गंरं	संरं	गं	-
ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लों	ऽ	का	लो	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	संरं	रं	-	सं	-	न	पन	संरं	-	-	नसं	-	-	-
ऽ	ऽ	भं	व	ऽ	रा	ऽ	तू	का	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	म	म	-	प	न	न	नसं	रं	-	-	गंरं	संरंगं	-	-
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	संरं	-	-	सं	-	न	पन	संरं	-	-	नसं	-	-	-
ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ

प	न	संरं	गंमं	रंगं	-	-	-	संरं	संरं	-	-	नसं	नसं	-	-
हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	म	म	-	प	न	न	नसं	रं	-	-	गंरं	संरं	गं	-
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	संरं	-	-	सं	-	न	पन	संरं	गंमं	-	मं	सं	-	-
ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	म	म	-	प	न	न	नसं	रं	-	-	गंरं	संरं	गं	-
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	संरं	-	-	सं	-	न	पन	सं	-	न	नसं	रं	-	सं
ऽ	ऽ	मो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
संरं	गं	-	रं	रंगं	मं	-	-	गं	मं	गं	मं	मं	सं	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	रं	-	-	गं	-	मं	मं	-	सं	-	न	-	धप	मग
ऽ	ऽ	मैं	ऽ	-	हू	ऽ	न	वे	ऽ	ली	ऽ	गं	रं	सं	नध
रस	नस	नस	गम	पध	नध	पम	गम	सं	-	रं	-	-	गं	-	मं
पम	गम	गम	पन	संरं	गंरं	संन	धन	-	-	मैं	-	ऽ	हू	ऽ	न
मं	-	सं	-	-	सं	-	रं	रं	-	सं	-	-	न	-	सं
वे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	हू	ऽ	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प

सं	-	प	-	-	प	पध	-	प	म	म	ग	ग	र	र	-
खा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	सा	ऽ	नी	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	रं	-	-	गं	-	मं
मैं	ऽ	अ	ल	बे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	न
मं	-	सं	-	-	सं	-	रं	रं	-	सं	-	-	न	-	सं
वे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प
सं	-	प	-	-	प	पध	-	प	म	म	ग	ग	र	र	-
खा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न	हिं	ऽ	सा	ऽ	नी	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	ग	म	प	न	सं	रं
मैं	ऽ	अ	ल	बे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	भं	व	रे	ऽ
सं	नं	सं	-	-	प	ध	म	प	-	-	-	न	ध	न	सं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न
सं	प	-	-	प	म	प	ध	पम	ग	र	स	र	-	र	र
से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूँ	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	ग	म	प	न	सं	रं
को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	भँ	व	रे	ऽ
सं	न	सं	-	-	प	ध	म	प	-	-	-	न	ध	न	सं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न

सं	प	-	-	प	म	प	ध	पम		र	स	र	-	र	र
सं	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूँ	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	ग	म	प	न	सं	रं
कां	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	भं	व	रे	ऽ
सं	न	सं	-	-	प	ध	म	पन	संरं	सं	-	-	न	सं	रं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स
सं	न	सं	-	-	प	-	-	ध	-	-	म	प	-	-	-
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ

67—D. I. S.

—※—

मन मूरख समझ न पाये........!

मिनर्वा मोवीटोन	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायका
फिल्म "भरोसा"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"मेनका"

मन मूरख समझ न पाये, मूरख मन समझ न पाये।
जैसी करनी वैसी भरनी, इस पर ध्यान न लाये।
अपने हाथों बोये कांटे, अपने पैर चुभाये ॥ मन मूरख......॥
करमन की बगिया पर बैठा, उल्टी आस लगाये।
बोये झाड़ बबूल के मूरख, आम कहां से खाये ॥ मन मूरख......॥
अपनी खोटी समझ के बल पर, मनमानी करजाये।
जब चिड़ियां चुग जायें खेती, फिर पाछे पछताये ॥ मन मूरख......॥

स्वरलिपि ☞

प़	प़
म	न

+				।				+				।			
प़	र	र	र	र	ग	र	स	रग	म	ग	म	र	ग	स	–
मू	ऽ	र	ख	स	म	झ	न	पाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	मू	ऽ
र	प	म॑	प	र	म	ग	र	सऩ	ध़ऩ	स	–	(ऩ)स	–	ऩ	स
र	ख	म	न	स	म	झ	न	पाऽ	ऽऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	मू	ऽ
र	म	ग	र	–	–	–	स	ग	ग	–	ग	र	र	स	–
र	ख	म	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जै	ऽ	सी	क	र	नी	ऽ
*	स	ध़	ध़	ध़	स	र	र	स	ग	–	ग	र	र	स	–
*	वै	ऽ	सी	भ	र	नी	ऽ	ऽ	जै	ऽ	सी	क	र	नी	ऽ
*	स	ध़	ध़	ध़	स	स	–	*	ध़	ध़	ध़	स	–	स	स
*	वै	ऽ	सी	भ	र	नी	ऽ	*	इस	प	र	ध्या	ऽ	न	न
स	ग	र	–	(स)र	–	(स)र	–	*	ध़	ध़	ध़	स	–	स	स
ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	इस	प	र	ध्या	ऽ	न	न
स	ग	र	–	र	–	म	–	*	म	म	म	म	–	म	–
ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	अ	प	ने	हा	ऽ	थों	ऽ
ग	ग	–	ग	स	ग	र	–	प	म	म	म	म	–	म	–
ऽ	बां	ऽ	ये	कां	ऽ	टे	ऽ	ऽ	अ	प	ने	हा	ऽ	थों	ऽ
ग	ग	–	ग	स	ग	र	–	*	ध़	ध़	ध़	ध़	स	स	र
ऽ	बो	ऽ	ये	कां	ऽ	टे	ऽ	*	अ	प	ने	पै	ऽ	र	चु

स	ग	र	-	-	-	प़	प़	
भा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मूरख.................................!

*	ध़	ध़	ध़	ध़	स	स	र	सर	सर	ग	ग	र	-	स	-
*	कर	म	न	की	ऽ	ब	गि	याऽ	ऽऽ	ऽ	पर	बै	ऽ	ठा	ऽ
*	ग	ग	ग	र	ग	स	र	ग	-	ग	-	(र)ग	-	(र)ग	-
*	उ	ल	टी	आ	ऽ	स	ल	गा	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
*	प	-	प	म॑प	ध	प	म॑	म॑प	म॑ग	ग	र	रग	म	ग	ग
*	बो	ऽ	ये	झाऽ	ऽ	ड़	ब	बूऽ	ऽऽ	ल	के	मूऽ	ऽ	र	ख
*	ध़	ध़	ध़	स	-	स	र	स	ग	र	-	(स)र	-	(स)र	-
*	आ	म	क	हां	ऽ	से	ऽ	खा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध़	ध़	ध़	स	-	स	र	स	ग	र	-	-	-	प़	प़
*	आ	म	क	हां	ऽ	से	ऽ	खा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

मूरख समझ..!

*	प	प	प	म॑प	ध	प	म॑	ग	र	स	स	र	ग	प	प
*	अ	प	नी	खोऽ	ऽ	टी	ऽ	स	म	झ	के	ब	ल	प	र
*	प	प	-	म॑प	ध	प	म॑	प	-	ग	-	गम॑	प	गम॑	प
*	मन	मा	ऽ	नीऽ	ऽ	क	र	जा	ऽ	ऽ	ऽ	येऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ

				।			।								
*	प	प	प	मप	ध	प	म	ग	र	स	स	र	ग	प	प
*	अ	प	नी	खोऽ	ऽ	टी	ऽ	स	म	भ	के	ब	ल	प	र
				।			।		⌒	⌒		र		र	
*	प	प	-	मप	ध	प	म	प	-	ग	-	ग	-	ग	-
*	मन	मा	ऽ	नोऽ	ऽ	क	र	जा	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
				।		।									
*	प	प	प	म	प	म	ग	ग	म	ग	र	सन्	धन्	स	-
*	जब	चि	ड़ि	याँ	ऽ	चु	ग	जा	ऽ	यें	ऽ	खेऽ	ऽऽ	ती	ऽ
				।		।									
प	प	प	प	म	प	म	ग	ग	म	ग	र	सन्	धन्	स	-
ऽ	जब	चि	ड़ि	यां	ऽ	चु	ग	जा	ऽ	यें	ऽ	खेऽ	ऽऽ	ती	ऽ
*	ध़	ध़	-	न	-	स	र	स	ग	र	-	-	-	प़	प़
*	फिर	पा	ऽ	के	ऽ	प	छ़	ता	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

मूरख ……………!

बिना ठेका, धीमे स्वरों से

धं	स	स	म	ग	र	-	-								
मू	ऽ	र	ख	म	न	ऽ	ऽ								

68—N. P. K.

बीन के झूठे पड़ गये तार...!

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायक
"स्ट्रीट सिंगर"		धुमाली		'सहगल'

जीवन बीन मधुर ना बाजे। झूँठे पड़ गये तार।
बिगड़े थाट से काम बने क्या, मेघ बजे न मल्हार॥
पंचम छेड़ो, मध्यम बोले, षरज बने गन्धार।
बीन के झूँठे पड़ गये तार ....॥
इन तारों को खोलो, इन तरबों को फेंको-फेंको।
उत्तम तार नई तरबें हों, सब हो नया सिंगार।
जिस परदे से जो सुर बोले, गूँज उठे संसार॥ बीन के...॥
बजने को है कूँच नगाड़ा, होना है सबसे छुटकारा।
अपना जो है उसे समझले, वो भी नहीं हमारा॥

+				+				+				+			
ऩस	रग	म	ग	ग	–	रग	–	र	–	–	–	–	–	–	स
जी	ऽ	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	ऽ	बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नम
र	–	म	–	प	सं	–	–	पध	पध	पध	–	धपम	–	मगर	–
धु	ऽ	र	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
–	–	–	–	र	प	प	ध	पध	पध	पध	–	ग	म	–	रग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	झूँ	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ड़	ऽ	ऽ
रस	–	ऩ	–	स	–	–	–	–	–	–	–				
ग	ऽ	ये	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ				
स	सध	ध	ध	–	ध	ध	–	ध	–	ध	सं	धसं	धप	म	–
बि	ग	ड़े	था	ऽ	ट	से	ऽ	का	ऽ	म	ब	ने	ऽ	क्या	ऽ

–	म	प	प	पध	प	ध	रं	सं	–	–	–	धसं	पध	मप	रम
ऽ	मे	घ	ब	जे	ऽ	न	म	ल्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
धरं	–	सं	सं	सं	–	रंसं	–	संध	–	पम	म	र	–	स	–
पं	ऽ	च्च	म	छे	ऽ	ड़ो	ऽ	म	ऽ	ध्य	म	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	पधप	–	प	ध	प	–	मप	मध	प-सं	धरं	सं-गं	रंमं
घ	र	ज	ब	ने	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ
म	–	रं	रं	रंसं	–	रंसं	–	संध	–	पम	म	र	–	स	–
पं	ऽ	च्च	म	छे	ऽ	ड़ो	ऽ	म	ऽ	ध्य	म	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	पधप	–	प	ध	प	–	–	न	–	न	सं	–
घ	र	ज	ब	ने	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	ऽ	रबी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न॒	ध	प	ध	प	–	–	न	–	न	सं	–
झू	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	ऽ	रबी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न॒	ध	प	ध	प	नसं	रंसं	नध	पम	गर	गर	स
झूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*
स	–	स	र	ग	–	–	र	ग	म	पधप	–	म	–	ग	–
जी	ऽ	व	न	बी	ऽ	ऽ	त्म	धु	र	ना	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
–	न	ध	न	सं	रं	न	सं	ध	न॒	ध	प	–	म॑	प	–
ऽ	झूं	ऽ	ठे	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ

ग	म	प	ध	गम	गर	रग	रस	स	संन	रंसं	नध	पम	गर	गर	स
भूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	
–	म॑	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	प	म॑	म	ग	–
ऽ	इ	न	ता	रों	ऽ	को	ऽ	खो	ऽ	लो	ऽ	*	*	*	*
–	प	प	प	प	ध	–	प	प	ध	ध	प	पध	पन	ध	प
ऽ	इ	न	त	र	बों	ऽ	को	फें	ऽ	को	ऽ	फें	ऽ	को	ऽ
–	ग	ग	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	–	'गन	पध	संरं	गंमं
ऽ	इ	न	ता	रों	ऽ	को	ऽ	खो	ऽ	लो	ऽ	*	*	*	*
गं	गं	गं	गं	गं	–	गं	गं	रं	–	गं	पं	रं	–	सं	–
ऽ	उ	त्त	म	ता	ऽ	र	न	ई	ऽ	त	र	बें	ऽ	हों	ऽ
–	प	ग	प	न	ध	न	रं	सं	–	–	पग	धप-	संध-	रसं-	गं
ऽ	स	ब	हो	न	या	ऽ	सिं	गा	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	–	रंसं	–	संध	–	म	म	र	–	स	–
जि	स	प	र	दे	ऽ	से	ऽ	जो	ऽ	सु	र	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	प	म	प	ध	प	–	–	न	–	न	सं	–
गूं	ऽ	ज	उ	ठे	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न॒	ध	प	ध	प	संन	रंसं	न॒ध	पम	पम	गर	स
भूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*

ध़	स	स	र	ग	–	–	र	ग	म	पधप	–	म	–	ग	–
जी	ऽ	व	न	बी	ऽ	ऽ	न्म	धु	र	ना	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
–	न	ध	न	सं	रं	न	सं	ध	न	ध	प	–	म॑	प	–
ऽ	झूं	ऽ	ठे	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ
ग	म	प	ध	म	ग	रस	ऩ	स	संन	रंसं	न॒ध	पम	गर	गर	स
झूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*
–	प	प	प	सं	–	सं	–	सं	–	सं	रं	सं	–	सं	–
ऽ	ब	ज	ने	को	ऽ	है	ऽ	कूं	ऽ	च	न	गा	ऽ	ड़ा	ऽ
–	म	ग	म	न॒	ध	न	सं	न॒	प	प	प	मप	धप	म	ग
ऽ	हो	ऽ	ना	है	ऽ	स	ब	से	ऽ	छु	ट	का	ऽ	रा	ऽ
–	रं	रं	रं	रं	–	रं	–	संरं	संरं	गं	रं	सं	रं	न	सं
ऽ	अ	प	ना	जो	ऽ	है	ऽ	उ	से	ऽ	स	म	झ	ले	ऽ
–	नसंरं	–	सं	न॒	प	मग	म	न॒	ध	न	धन	सं	–	–	–
ऽ	वो	ऽ	भी	न	हीं	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ

69—D.I.S.

—*—

दीवाना हूं दीवाना हूं.....!

न्यूथियेटर्स फ़िल्म		ताल		गायक
"ज़िन्दगी"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"सहगल"

दीवाना हूँ दीवाना हूँ, राहत से मैं बेगाना हूँ !
दिल को कैसे बहलाऊं मैं, ये ज़ख़्म किसे दिखलाऊं मैं ?
आंसू सुन सुन कर हंसते हैं, क्या दर्द भरा अफ़साना हूँ !
आई न बहार खिज़ां ही सही, उजड़े दिल में अरमां ही सही ?
हैरां हूं कि आख़िर क्या हूं मैं, आबाद हूं या वीराना हूं ॥
घायल हूं तुमसे दूर हूं मैं, पर फूंक चुका मजबूर हूं मैं ।
ए शमां ! बलाएं ले आकर, आख़िर मैं भी परवाना हूं ॥

सग	मप	धन	संन	न	-	न	-	सं	-	-	-	धसं	नध	प	प
हे	ऽ	ऽ	दी	वा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दी
पम	ग	म	-	गम	प	म	-	गर	सग	रस	-	-	-	स	ध़
वा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा
-	ध़	स	स	रग	-	गम	धप	-	गम	म	ग	रगमग	रस	स	ध़
ऽ	ह	त	से	मैं	ऽ	बे	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	रा
-	ध़	स	स	रस	-	गम	धप	-	गम	म	ग	रगमग	रस	-	-
ऽ	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ
-	न	न	न	सं	धसं	नध	प	प	मग	-	म	गर	सग	रस	-
ऽ	दी	वा	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	दी	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ

ध़	स	स	स	रग	-	गमध	पध	म	-	मग	-	रगमग	रस	स	ध़
रा	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	रा
-	ध़	स	स	रग	-	गम	प	म	-	मग	-	रगमग	रस	-	-
ऽ	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ
*	गम	-	प	न	-	न	-	-	नसं	ध	न	न	सं	न	सं
*	दिल	ऽ	को	कै	ऽ	से	ऽ	ऽ	बह	ला	ऽ	ऊँ	ऽ	मैं	ऽ
-	धन	सं	धन	सं	-	-	न	न	न	-	न	न	-	न	सं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ज़	ख्म	ऽ	कि	से	ऽ	दि	ख
न	सं	-	नध		पधन	धनसं	-	*	गम	-	प	न	-	न	-
ला	ऽ	ऊं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	दिल	ऽ	को	कै	ऽ	से	ऽ
-	नसं	न	सं	धन	-	सं	-	न	न	न	न	न	-	न	सं
ऽ	बह	ला	ऽ	ऊं	ऽ	मैं	ऽ	ये	ज़	ख्म	कि	से	ऽ	दि	ख
न	सं	-	नध	प	-	-	-	-	न	-	न	नसं	नध	प	-
ला	ऽ	ऊँ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आं	ऽ	सू	सुन	सुन	कर	ऽ
-	ग	म	-	गर	सग	रस	-	ध़	स	स	स	रग	-	गम	धप
ऽ	हंस	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	द	र्द	भ	रा	ऽ	अ	फ़
-	गम	-	मग	रग	मग	रस	-	-	प	प	प	मप	-	-	प
ऽ	सा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	द	र्द	भ	रा	ऽ	अ	फ़

-	गम	-	मग	रग	मग	रस	-	-	प	प	प	मप	-	-	प
-	सा	ऽ	ना	हू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	नब	हार	ऽ	ऽ	खि
प	-	म	ध	प	-	-	-	-	न	न	न	धन	-	-	न
ज़ा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	नब	हार	ऽ	ऽ	ख़ि
नध	पम	म	ध	प	-	ग	ग	ग	-	ग	ग	म	-	म	प
ज़ा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	उ	ज	ड़े	ऽ	दि	ल	में	ऽ	अ	र
प	ध	म	ग	र	-	ग	ग	ग	-	ग	ग	म	-	म	प
मा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	उ	ज	ड़े	ऽ	दि	ल	में	ऽ	अ	र
प	ध	म	ग	र	-	-	-	न	न	न	सं	नसं	-	नध	प
मा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	ऽ	ऽ	है	रां	हूं	कि	आ	ऽ	ख़ि	र
-	ग	-	म	गर	सग	रस	-	न	न	न	सं	संगं	रंगं	संन	धप
ऽ	क्या	ऽ	हूं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	है	रां	हूं	कि	आ	ऽ	ख़ि	र
-	ग	-	म	गर	सग	रस	सा	ध़	ध़	स	स	रग	-	गम	धप
ऽ	क्या	ऽ	हूं	मैं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	बा	द	हूं	या	ऽ	वी	रा
-	गम	-	मग	रगमग	रस	-	स	ध़	ध़	स	स	रग	-	गम	प
ऽ	रा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	बा	द	हूं	या	ऽ	वी	ऽ
-	गम	-	मग	रगमग	रस	-	-	-	ग	गग	ग	ग	म	ग	मगर
ऽ	रा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	घा	यल	हूं	तु	म	से	ऽ

–	ग	र	गम	प	–	ध	–	पध	म	ग	ग	ग	म	ग	मगर
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	घा	ऽ	ऽ	य	ल	हूं	तु	म	से	ऽ
–	ग	र	मग	प	–	ग	म	–	ध	ध	ध	नधपध	–	ध	न
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	प	र	ऽ	फूं	क	चु	का	ऽ	म	ज़
–	नसं	–	नध	प	–	–	नरंसंनसं	–	धसं	न	ध	ध	–	ध	न
ऽ	बू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	प	र	ऽ	फूं	क	चु	का	ऽ	म	ज़
–	नसं	–	नध	प	–	–	–	न	न	न	सं	नसं	–	नध	प
ऽ	बू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऐ	श	मां	ब	ला	ऽ	यें	ऽ
–	ग	–	म	गर	स	–	–	न	न	न	सं	संरंगं	–	संन	धप
ऽ	ले	ऽ	आ	क	र	ऽ	ऽ	ऐ	श	मां	ब	ला	ऽ	यें	ऽ
–	ग	–	म	गर	स	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमप
ऽ	ले	ऽ	आ	क	र	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
ऽ	म	–	मग	रगमग	रस	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमधप
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
–	म	–	मग	रगमग	रस	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमप
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
–	म	–	मग	रगमग	रस	–	–								
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ								

देखूं कब तक बाट.........?

"प्रभात" कृत	ताल	गायिका
"मेरा लड़का"	दादरा	शान्ता हुबलीकर

देखूं कब तक बाट, पियरवा देखूं बाट तुम्हार।
पथराईं अंखिया, देखत ढूंढत, एकहु दिन मोहे चैन न आवत।
हारी बाट निहार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
जिया तड़पत है, हिया धड़कत है, दरशन्को तोरे ललचत मन है।
जीवन के आधार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
सागर उछले तुंग तरंगे, तैरत साजन धार उमंगे।
व्याकुल मैं इस पार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
भेट हमारी अब कब होगी? प्रीत की ज्योती मिल के जलेगी।
डूबे सब संसार प्रलय में, डूबे सब संसार।
देखूं कब तक बाट पियरवा, देखूं कब तक बाट॥

×			।			×			।		
स	म	प	ध	प	म	मप	धसं	–	–	–	–
मप	धरं	–	सं	–	–	प	ध	–	पप	प	ध
						दे	खूं	ऽ	कब	त	क
प	म	–	–	–	–	प	ध	–	पप	प	ध
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट	दे	खूं	ऽ	कब	त	क
रम	म	–	म	रम	पधमप	पध	सं	–	ध	प	ध
बा	ट	ऽ	पि	यर	वा	दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	–	–	–	–	–	पप	ध	प	पध	म	–
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	पथ	रा	ई	अंखि	यां	ऽ

-	-	-	मप	धप	मप-	पप	ध	प	पध	म	-
ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	पथ	रा	ई	अंखि	यां	ऽ
प	ध	प	ध	सं	सं	-	संरं	गं	रं	सं	-
दे	ख	त	ढूं	ढ	त	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
ध	सं	ध	पध	प	म	प	ध	प	पध	ध	प
ए	क	हु	दिन	मो	हे	चै	न	न	आ	व	त
प	ध	न	प	ध	न	पध	ध	-	पध	पम	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	री	ऽ	बा	ट	नि
रम	म	-	म	रम	पधमप	पध	सं	-	ध	प	ध
हा	र	ऽ	पि	यर	वा	दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	-	-	-	-	-	सस	र	स	रर	स	-
मा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	जिया	त	ड़	पत	है	ऽ
सर	म	म	पध	सं	-	-	-	-	-	-	-
हिया	ध	ड़	कत	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सस	र	स	रर	स	-	सर	म	म	पध	सं	-
जिया	त	ड़	पत	है	ऽ	हिया	ध	ड़	कत	है	ऽ
धध	सं	ध	पधप	म	-	पप	ध	प	धध	प	-
दर	श	को	तो	रे	ऽ	लल	च	त	मन	है	ऽ

-	-	-	धप	मग	रस	ध	ध	ध	पध	प	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जी	व	न	के	ऽ	आ
रम	म	-	म	रम	पधमप	पध	सं	-	ध	प	ध
धा	र	ऽ	पि	यर	वा	दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	-	-	-	-	-	बाजा बजेगा					
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	स	र	स	र	स	-
सर	म	प	ध	सं	-	-	-	-	-	-	-
स	र	स	रर	स	-	सर	म	म	पध	सं	-
सा	ग	र	उड़	ले	ऽ	तुं	ग	तुं	रं	गे	ऽ
-	-	-	-	-	-	स	र	स	रर	स	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ग	र	उड़	ले	ऽ
सर	म	म	पध	सं	-	ध	सं	ध	पध	प	म
तुं	ग	तु	रं	गे	ऽ	तो	र	त	सा	ज	न
प	ध	प	ध	प	-	मपधप	मपधप	मपधप	मपधप	मपधप	मप--
धा	रि	उ	मं	गे	ऽ	(बाजा) *	*		*	*	*
ध	ध	ध	पधप	म	म	रम	म	-	म	रम	पधमप
व्या	कु	ल	मैं	इ	स	पा	र	ऽ	पि	यर	वा

पध	सं	-	प	ध	प	म	-	-	-	-	-
दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु	मा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	स	र	स	-	सर	म	ग	मप	मध	-
भें	ट	ह	मा	री	ऽ	अब	क	ब	हो	गी	ऽ
-	-	-	-	-	-	स	र	स	र	स	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भें	ट	ह	मा	री	ऽ
सर	म	ग	मप	मध	-	-	-	-	-	-	-
अब	क	ब	हो	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	सं	ध	पधप	म	-	पप	ध	-प	ध	प	-
प्री	त	की	ज्यो	ती	ऽ	मिल	के	ऽज	ले	गी	ऽ
(बाजा)											
प	ध	न	ध	ध	प	म॑	प	-	-	-	--
ध	-	-	पधप	म	प	रम	म	-	म	रम	पधमप
डू	ऽ	वे	सब	सं	ऽ	सा	र	ऽ	प्र	लय	में
ध	-	-	पधप	म	प	र	-	-	-	-	-
डू	बे	ऽ	सब	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
प	ध	-	पप	प	ध	रम	म	-	म	रम	पधमप
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	बा	ट	ऽ	पि	यर	वा

पध	सं	-	धध	प	ध	धपम	-	-	-	-	-
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ट	ऽ
प	ध	-	पप	ध	सं	ध	-	-	-	-	-
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ट	ऽ

—※—

एक सार नाम हरीभज हरी....!

प्रभात–फिल्म		ताल		गायक
"संत ज्ञानेश्वर"	**	अद्धा (तिताला)	**	"भोले"

एक सार नाम हरी भज हरी, हरे हरि तेरी चिन्ता सारी ॥
ये नाम सीधे रे "राम कृष्ण गोविन्द"। जप के आनन्द पाये मना ॥
पन्थ और सारे छोड़ दूसरे रे। कृष्ण नाम गारे गारे प्यारे प्यारे ॥
जपे ज्ञान देव हरि नाम माला। हरष निराला पाया पाया ॥ एक...... ॥

०				३				×				२			
*	*	स	-	स	स	-	स	सस	ऩध़	ऩ	-	प़	-	ग़	-
*	*	ए	ऽ	क	सा	ऽ	र	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	प़	प़	-	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	-	-	-	-
*	*	ह	री	ऽ	भ	ऽ	ज	ह	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	स	-	र	-	प	म	-	ग	-	र	-	-	-
*	*	ह	रे	ऽ	ह	ऽ	रि	ते	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	-	स	-	स	-	सर	ग	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
ऽ	ऽ	चि	ऽ	ता	ऽ	साऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	-	-	स	-	स	स	-	ऩ	-	प़	-	ग़	-
*	*	ये	ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	सो	ऽ	धे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	प़	-	प़	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	-	स	र	-	र	र	ग	र	-	स	ऩ	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	प़	-	प़	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	-	-	स	-	स	धऩ	सर	ऩ	-	प़	-	ग़	-
*	*	ये	ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	सीऽ	ऽऽ	धे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	ऩ	-	ऩ	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्ण	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
										स		स		स	
*	*	ऩ	स	-	र	-	र	र	-	र	-	र	-	र	-
*	*	ज	प	ऽ	के	ऽ	आ	नं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	स	-	नस	रग	-	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
*	*	पा	ये	ऽ	मऽ	ऽऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	*	स	-	स	र	-	म	म	-	ग	-	स	-	ऩ	-
*	*	पं	ऽ	थ	औ	ऽ	र	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	प़	-	प़	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	-	-	-	-
*	*	छो	ऽ	ड़	दू	ऽ	स	रे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	म़	-	स	र	-	र	(स)र	-	र	-	-	ग	र	-
*	*	कृ	ऽ	ष्ण	ना	ऽ	म	गा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	गा	रे	ऽ
*	*	ऩ	स	-	ऩस	रग	-	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
*	*	प्या	रे	ऽ	प्याऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	र	-	म	-	म	म	-	म	-	-	-	*	*
*	*	ज	पे	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	दे	ऽ	व	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
												⌒			
*	*	ग	ग	-	ग	-	प	म	-	-	-	ग	-	र	-
*	*	ह	री	ऽ	ना	ऽ	म	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	स	-	र	-	प	म	-	ग	-	र	-	-	-
*	*	ह	र	ऽ	ष	ऽ	नि	रा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	ऩ	-	ऩस	रग	-	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
*	*	पा	या	ऽ	पाऽ	ऽऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

नोट—चिन्तासारी···पायेमना···प्यारे प्यारे···पाया पाया···
प्रत्येक के आख़ीर में स्थायी (एक सार···) गाते रहिए।

72—N. P. K

—*—